खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 19 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-136

# सड़क नमाज़ बंद

## योगी बोले-मानें तो ठीक, वर्ना...

**लखनऊ, 18 मई (एजेंसियां)।** यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यूपी में सड़कों पर नमाज कतई नहीं होने दी जाएगी क्योंकि सड़कें आम नागरिकों, बीमारों और व्यापारियों के आवागमन के लिए हैं। उन्होंने कहा कि कानून का राज सबके लिए समान है, इसलिए यदि संख्या अधिक है तो लोग शिफ्ट में या अपने तय धार्मिक स्थलों पर नमाज पढ़ें। सीएम योगी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि सरकार सड़कों पर अराजकता नहीं फैलने देगी, यदि लोग संवाद और प्यार से नहीं मानेंगे, तो उनके खिलाफ कानूनन दूसरा कड़ा तरीका अपनाया जाएगा।

आपको बता दें कि सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नमाज पढ़नी है, आप शिफ्ट में पढ़िए। प्यार से मानेंगे ठीक है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग मुझसे पूछते हैं साहब आपके यहां यूपी में क्या सड़कों पर सचमुच नमाज नहीं होती? मैं कहता हूं कतई नहीं होती है। आप जा कर देख लो नहीं होती है। अरे सड़कें चलने के लिए हैं या कोई भी व्यक्ति आकर के चौराहे पर आकर तमाशा बना देगा। क्या अधिकार है उसको सड़क रोकने का? आवागमन बाधित करने का कौन सा अधिकार है? जहां उसका स्थल होगा वहां जाकर करें।

बकौल सीएम योगी ' उन लोगों ने मुझसे कहा साहब कैसे होगा? हमारी संख्या ज्यादा है। हमने कहा शिफ्ट में कर लो। तुम्हारे घर में रहने की जगह नहीं है तो भाई संख्या नियंत्रित कर लो। और नहीं है सामर्थ्य क्यों बेकार आगे संख्या बढ़ाई जा रही है और यह चाहिए आपको कि अगर आपको सिस्टम के साथ रहना है तो याद करना हम उन नियम और कानून को मानना शुरू करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून का राज होगा। कानून के राज को सबको समान रूप से लागू करेंगे। नमाज पढ़नी आवश्यक है। आप शिफ्ट में पढ़िए। हम उसको रोकेंगे नहीं। लेकिन सड़क पर नहीं। सड़क चलने के लिए एक आम नागरिक के लिए, एक बीमार व्यक्ति के लिए, एक आम नागरिक के लिए, एक कामगार के लिए, एक कर्मचारी के लिए, एक सामान्य नागरिक के लिए, एक व्यापारी के लिए हम सड़क को बाधित नहीं करने देंगे। सरकार का नियम सार्वभौम है। सबके लिए समान रूप से लागू होता है।

उन्होंने कहा है कि हमने सबको कहा हमने कहा भाई नहीं चलने देंगे। अराजकता नहीं सड़कों पर फैलने देंगे। प्यार से मानेंगे ठीक बात है। नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। हमारा काम है संवाद बनाना। आप संवाद से मानेंगे संवाद से नहीं तो संघर्ष से भी देख लो। बरेली में लोगों ने हाथ आजमाने का कार्य किया। देख लिया ताकत। इसलिए सरकार उन सिस्टम के साथ पूरी व्यवस्था को जोड़ना चाहती है।

## मौलाना बे-रोजगार!

### *शुभेंदु ने रोक दी तनख्वाह*

***कोलकाता, 18 मई (एजेंसियां)।***

पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कैबिनेट बैठक में ममता सरकार में हुए भ्रष्टाचार के मामलों और महिला उत्पीड़न की जांच कराने का ऐलान किया है। इसके लिए 2 आयोग बनेंगे। दोनों आयोगों की अध्यक्षता कलकत्ता हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज करेंगे।

सरकार ने इमाम, मुअज्जिन और पुजारियों को दिए जाने वाले मानदेय को 1 जून से बंद करने का फैसला किया है। साथ ही महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना के तहत हर महीने 3000 रुपए देने, मुफ्त बस यात्रा शुरू करने का ऐलान किया है।

बंगाल सरकार ने राज्य सरकार की नौकरियों के लिए अधिकतम आयु सीमा में पांच साल की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया। सातवां वेतन आयोग गठित करने और OBC सूची में बदलाव जैसे अहम निर्णय भी लिए गए।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सरकार ने मार्च में विधानसभा चुनावों के ऐलान के कुछ घंटे पहले ही इमाम, मुअज्जिन और पुजारियों को मिलने वाला मानदेय 500 बढ़ाया था।

इसके बाद राज्य की रजिस्टर्ड मस्जिदों के इमामों को हर महीने 3000 रुपए, जबकि मुअज्जिन और पुजारियों को 2000 रुपए की मदद दी जा रही थी। हालांकि सरकार ने साफ किया है कि छात्रों की कोई भी छात्रवृत्ति योजना बंद नहीं की जाएगी।

**बंगाल कैबिनेट के 8 बड़े फैसले**

**1. सरकारी नौकरियों में उम्र सीमा 5 साल बढ़ी**

बंगाल कैबिनेट ने राज्य सरकार की नौकरियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 5 साल बढ़ाने का फैसला लिया। नई व्यवस्था के तहत ग्रुप A पदों के लिए उम्र सीमा 41 साल, ग्रुप B के लिए 44 साल और ग्रुप C के लिए 45 साल कर दी गई है। यह नियम 11 मई से लागू होगा। एससी, एसटी, ओबीसी और दिव्यांग उम्मीदवारों को मिलने वाली अतिरिक्त आयु छूट पहले की तरह जारी रहेगी। ▶10 पर

## मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर भीषण हादसा

### 13 लोगों की मौत, 20 घायल

**पालघर,18 मई (एजेंसियां)।** महाराष्ट्र के पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर सोमवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। यह हादसा धाणीवरी इलाके के पास हुआ, जहां बारातियों से भरे टेंपो और एक तेज रफ्तार कंटेनर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हादसे पर दुख जताते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, यह बेहद दुखद है कि मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर पालघर के दहानू में एक दुर्घटना में 13 लोगों की जान चली गई, जब एक टेम्पो की टक्कर एक कंटेनर से हो गई। इस घटना के बारे में सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं उन सभी के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे कहा, इस घटना में लगभग 20 लोग घायल हुए हैं। उन्हें कासा के उप-जिला अस्पताल और धुंदलवाड़ी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। मैं जिला प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हूं। पुलिस अधीक्षक स्वयं घटनास्थल पर मौजूद थे। वहां बचाव कार्य पूरा कर लिया गया है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि घायलों की हालत में शीघ्र सुधार हो। राज्य सरकार इस घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार दोपहर करीब 3 बजकर 30 मिनट के आसपास यह हादसा हुआ। बारातियों से भरा टेंपो दहानू के बापू गांव से धाणीवरी में एक शादी समारोह में जा रहा था। ▶10 पर

## 'रिजर्व' में 'ऑयल बैंक'

### नाकेबंदी से दुनिया में तेल खत्म होने का खतरा

**नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)।** ईरान जंग के कारण होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी से दुनिया में तेल खत्म होने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। तीन महीने पहले तक यह संभावना बेहद कम लग रही थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। होर्मुज स्ट्रेट लगभग पूरी तरह बंद रहने के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की भारी कमी का खतरा बढ़ता जा रहा है।

विश्लेषकों को अब अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच युद्ध जल्द खत्म होने की उम्मीद नहीं है। इसके बजाय उनका कहना है कि युद्ध लंबे समय तक चल सकता है जिससे एनर्जी सप्लाई लंबे समय तक बाधित रह सकती है। उनके अनुसार, तेल आपूर्ति की तस्वीर बिल्कुल अच्छी नहीं दिख रही।

डेटा एनालिटिक्स फर्म केप्लर की रिपोर्ट के मुताबिक, 28 फरवरी से 8 मई तक मध्य पूर्व में तेल आपूर्ति में कुल 78.2 करोड़ बैरल की कमी आ चुकी थी और इस महीने के अंत तक यह आंकड़ा 1 अरब बैरल तक पहुंच सकता है।

**उत्पादन में भारी गिरावट, दुनिया भंडार पर निर्भर**

दैनिक उत्पादन के हिसाब से भी हालात गंभीर हैं। सऊदी अरब रोजाना 30 लाख बैरल से ज्यादा तेल उत्पादन गंवा रहा है। इराक का तेल उत्पादन 28.8 लाख बैरल प्रतिदिन कम हो गया है, जबकि ईरान का उत्पादन 16.9 लाख बैरल प्रतिदिन घटा है। कुवैत में भी रोजाना 17.5 लाख बैरल की गिरावट दर्ज की गई है।

**तेल उत्पादन घटा, दुनिया रिजर्व रखे तेल पर चल रही**

इतने बड़े स्तर पर तेल उत्पादन बंद होने के बाद दुनिया पहले से निकाले गए तेल के भंडार को इस्तेमाल कर रही है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी पहले कह चुकी थी कि दुनिया के तेल भंडार रिकॉर्ड स्तर पर हैं और इसी वजह से बाजार में भारी अतिरिक्त सप्लाई की संभावना थी। लेकिन यह अनुमान युद्ध शुरू होने से पहले का था। अब आईईए चेतावनी दे रही है कि इस साल तेल की मांग सप्लाई से ज्यादा हो जाएगी।

द ऑयल प्राइस की रिपोर्ट के मुताबिक, आईईए की ताजा मासिक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल वैश्विक तेल आपूर्ति में रोजाना करीब 39 लाख बैरल की गिरावट आ सकती है। हालांकि, यह आंकड़ा भी मध्य पूर्व में मौजूदा वास्तविक नुकसान से काफी कम है। एजेंसी का अनुमान है कि मध्य पूर्व में आपूर्ति में 1.05 करोड़ बैरल प्रतिदिन की कमी हो चुकी है। दूसरी ओर, मांग में सिर्फ 4.2 लाख बैरल प्रतिदिन की गिरावट आने का अनुमान है। अटलांटिक काउंसिल के ग्लोबल एनर्जी सेंटर की वरिष्ठ फेलो एलेन वाल्ड ने वॉल स्ट्रीट जर्नल से कहा, खपत को एक सीमा तक ही कम किया जा सकता है। जब भंडार खत्म होंगे तो वे सचमुच खत्म हो जाएंगे। एक वक्त आएगा जब तेल की मांग और सप्लाई के बीच बड़ी खाई पैदा होगी और बाजार बुरी तरह हिल जाएगा। ▶10 पर

## *सतीशन केरलम के सीएम बने*

**तिरुवनंतपुरम, 18 मई (एजेंसियां)।** कांग्रेस नेता वीडी सतीशन सोमवार को केरलम के 13वें मुख्यमंत्री बने। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उनके अलावा पूरी कैबिनेट (20 मंत्रियों) को शपथ दिलाई। ऐसा 64 साल के बाद हुआ। इससे पहले राज्य के तीसरे कांग्रेसी मुख्यमंत्री रहे आर शंकर ने 1962 में पूरी कैबिनेट के साथ शपथ ली थी, लेकिन 1964 में अविश्वास प्रस्ताव के बाद उनकी सरकार गिर गई थी।

कार्यक्रम में राहुल और प्रियंका गांधी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री पी विजयन, बीजेपी नेता राजीव चंद्रशेखर समेत सभी कांग्रेस शासित राज्यों के सीएम ▶10 पर

## प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की तस्वीर जारी

**हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मंगलवार को साझा की गई रिपोर्टों के अनुसार, देश की पहली प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की एक तस्वीर रेल मंत्रालय में प्रदर्शित की गई है। कथित तौर पर यह तस्वीर मंत्रालय भवन के गेट नंबर 4 पर लगाई गई है।

एक फ्रेम किए गए डिस्प्ले में दिखाई गई इस तस्वीर में एक ऊंचे (एलीवेटेड) ट्रैक पर सफेद, काले और पीले रंगों के टोन में एक आकर्षक बुलेट ट्रेन का डिज़ाइन दिखाया गया है। पोस्टों में यह निर्दिष्ट नहीं किया गया है कि यह तस्वीर कब लगाई गई थी या यह किसी आधिकारिक परियोजना के मील के पत्थर से जुड़ी है या नहीं।

यह कदम ऐसे समय में आया है जब भारत उच्च गति रेल बुनियादी ढांचे (हाई-स्पीड रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर) पर काम का विस्तार करना जारी रखे हुए है, जिसमें मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर इस क्षेत्र में देश की प्रमुख परियोजना बनी हुई है। हालांकि, मंत्रालय में प्रदर्शित छवि एक पुष्ट परिचालन ट्रेन के बजाय एक वैचारिक या प्रतिनिधि दृश्य प्रतीत होती है।

## कार्टून कॉर्नर

## फलता बना बंगाल का नया अग्निक्षेत्र !

**नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)।** पश्चिम बंगाल की सियासत में डायमंड हार्बर का इलाका हमेशा से हाई-वोल्टेज रहा है। इस वक्त सबसे बड़ा सियासी अखाड़ा बना हुआ है इसी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला फलता विधानसभा क्षेत्र। चुनावी हिंसा के आरोपों के बाद निर्वाचन आयोग ने 29 अप्रैल को हुए मतदान को रद्द कर फालता में 21 मई को दोबारा मतदान कराने का फैसला किया।

फलता विधानसभा सीट पर चुनाव कैंपेनिंग के लिए आखिरी 48 घंटे बचे हैं। फलता की धरती पर राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर है। इस बार के विधानसभा चुनाव के केंद्र में हैं टीएमसी के कद्दावर उम्मीदवार जहांगीर खान, जिनके इर्द-गिर्द इस इलाके का पूरा समीकरण घूम रहा है। बंगाल की सियासत में जहांगीर खान की तूती बोलती थी, लेकिन अब सत्ता बदल चुकी है। ऐसे में फलता सीट जो 15 सालों से टीएमसी का मजबूत गढ़ बना हुआ है, उस पर बीजेपी भी जीत का परचम फहराना चाहती है। ऐसे में क्या जहांगीर खान अपना सियासी प्रभाव जमाए रख सकेंगे या फिर सत्ता के बदलन के साथ ही सियासी गेम भी फालता का बदल जाएगा। फालता का चुनाव आम सियासी लड़ाई से कहीं आगे निकलकर एक एक्शन फिल्म की स्क्रिप्ट जैसा हो चुका है। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश के तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा, जिन्हें यूपी की सियासत में सिंघम के तौर पर देखा जाता है। वहीं, टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान ने एक चुनावी जनसभा में खुलेआम चुनौती देते हुए कहा था, अगर तुम सिंघम हो, तो मैं पुष्पा हूं... पुष्पराज, झुकेगा नहीं। पश्चिम बंगाल में हुए सत्ता परिवर्तन और बीजेपी की बड़ी जीत के बाद अब सियासी समीकरण पूरी तरह पलट गए हैं। टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान जो कुछ दिन पहले तक गायब (अंडरग्राउंड) बताए जा रहे थे, वे चुनाव आयोग के निर्देश और पुलिस सुरक्षा के साये ▶10 पर

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $39^{0}$

न्यूनतम : $27^{0}$

# अमेरिका में एयर शो के बीच दो लड़ाकू विमान टकराए चालक दल के चारों सदस्य सुरक्षित, इवेंट रद

वाशिंगटन

अमेरिका के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में स्थित इडाहो राज्य में आयोजित गनफाइटर स्काइज एयर शो को रद कर दिया गया। हुआ यूं कि माउंटेन होम एयर फोर्स बेस पर दूसरे दिन का एयर शो शुरू होने से पहले ही दो अमेरिकी लड़ाकू विमान एक-दूसरे से टकरा गए। इससे दोनों में आग लग गई और वह मलबे में बदल गए। आश्चर्यजनक रूप से दोनों विमानों के चालक दल के सभी चार सदस्य सुरक्षित हैं। चारों समय रहते सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में सफल रहे।

सीबीएस न्यूज और एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, चालक दल के चारों सदस्यों की हालत स्थिर है और सैन्य अड्डे पर मौजूद किसी भी दर्शक या नागरिक को चोट नहीं आई है। यह हादसा अमेरिका के स्थानीय समयानुसार रविवार दोपहर लगभग 12:30 हुआ। आसमान में रोमांच का प्रदर्शन कर रहे यह फाइटर जेट अचानक हवा में एक दूसरे में लिपट कर गिर गए। गिरते ही दोनों में आग लग गई।

अमेरिकी प्रशांत बेड़े की नौसेना वायु सेना की प्रवक्ता कमांडर अमेलिया उमयम ने कहा कि यह इलेक्ट्रानिक अटैक स्क्वाड्रन 129 के दो अमेरिकी नौसेना के ईए-18जी ग्रोवलर विमान हैं। उन्होंने बताया कि दोनों विमानों के चारों चालक दल के सदस्य सुरक्षित रूप से बाहर निकल गए और दुर्घटना की जांच चल रही है।

कमांडर उमयम के अनुसार, ईए-18जी ग्रोवलर को व्हिडबे आइलैंड वाशिंगटन से इलेक्ट्रानिक अटैक स्क्वाड्रन 129 में तैनात किया गया था। यूएस नेवी के अनुसार, हर यूनिट की कीमत लगभग 67 मिलियन डालर है। एयर शो की योजना से संबद्ध सिल्वर विंग्स आफ इडाहो की मार्केटिंग डायरेक्टर किम साइक्स ने कहा कि सैन्य बेस पर किसी को चोट नहीं आई। सभी लोग सुरक्षित हैं और यही सबसे महत्वपूर्ण बात है। इस सैन्य हवाई अड्डे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद उसे सील कर दिया गया था। साथ ही एयर शो को भी रद कर दिया गया है। इवेंट के आयोजकों के अनुसार, यह लोकप्रिय एयर शो एविएशन के इतिहास का एक उत्सव है और इसमें आधुनिक सैन्य क्षमताओं की झलक मिलती है।

## न्यूज ब्रीफ

### ड्रामा सीरीज काउंट माय लाइज में मुख्य भूमिका में हैं लिंडसे लोहान

**लास एंजिल्स।** दुनियाभर में फिल्म द पेरेंट ट्रैप से पहचान बनाने वाली हालीवुड अभिनेत्री लिंडसे लोहान एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री अपने अभिनय करियर को नई दिशा देना चाहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी आगामी ड्रामा सीरीज काउंट माय लाइज को लेकर खुलकर बात की और बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए कितना खास है। लिंडसे लोहान ने कहा कि यह उनकी पहली बड़ी स्क्रिप्टेड सीरीज है, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले उन्होंने कुछ छोटे किरदार जरूर निभाए थे, लेकिन इस बार का अनुभव बिल्कुल अलग है। अभिनेत्री के अनुसार इस सीरीज का किरदार उनके अब तक के सभी कामों से काफी अलग है और यही वजह है कि वह इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि दर्शक उन्हें ज्यादातर रोमांटिक-कामेडी फिल्मों की अभिनेत्री के रूप में देखते रहे हैं, लेकिन अब वह खुद को एक कलाकार के तौर पर और अधिक साबित करना चाहती हैं। लिंडसे का मानना है कि रचनात्मक रूप से आगे बढ़ने के लिए कलाकारों को नए तरह के किरदार निभाने चाहिए। इसी वजह से वह अब ऐसी कहानियों और भूमिकाओं की तलाश कर रही हैं, जो उनके अभिनय के अलग पहलुओं को सामने ला सकें। इस सीरीज में लिंडसे के साथ अभिनेता किट हैरिंगटन भी नजर आएंगे, जिन्हें मशहूर सीरीज गेम आफ थ्रोन्स से वैश्विक लोकप्रियता मिली थी। शो में दोनों पति-पत्नी की भूमिका निभा रहे हैं। किट हैरिंगटन ने भी इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि यह ट्विस्ट और रोमांच से भरी कहानी है। उन्होंने बताया कि शो की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह पहला मौका है जब वह इसके बारे में खुलकर बात कर रहे हैं। बातचीत के दौरान लिंडसे लोहान ने अपने शुरुआती करियर और अचानक मिली लोकप्रियता को भी याद किया।

### अनोखी मछली लिपस्टिक फिश के वीडियो हो रहे तेजी से वायरल

**वाशिंगटन।** समुद्र में पाए जाने वाली रेड-लिप्ड बैटफिश अपनी अजीब बनावट और अनोखे व्यवहार के कारण दुनियाभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। मछली को देखकर लगता है जैसे किसी ने इसके होंठों पर गहरे लाल रंग की लिपस्टिक लगा दी हो। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। वैज्ञानिक भाषा में इस मछली को ओगकोसेफालस डार्विनी कहा जाता है। इसका नाम बैटफिश इसलिए रखा गया क्योंकि इसका सिर चमगादड़ की तरह चौड़ा और चपटा दिखाई देता है। खास प्रजाति मुख्य रूप से गालापागोस द्वीपों और पूर्वी प्रशांत महासागर के आसपास पाई जाती है। आमतौर पर यह समुद्र की 20 से 40 मीटर गहराई में रहती है, हालांकि कई बार इसे 100 मीटर नीचे तक भी देखा गया है। इस मछली की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दूसरी मछलियों की तरह ज्यादा तैरती नहीं है। इसके पेक्टोरल और पेल्विक फिन इतने मजबूत होते हैं कि वे पैरों की तरह काम करते हैं। इन्हीं की मदद से यह समुद्र की सतह पर धीरे-धीरे चलती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, ऐसा करने से इसकी ऊर्जा की बचत होती है और यह समुद्र के तल पर आसानी से शिकार की तलाश कर पाती है। रेड-लिप्ड बैटफिश के चमकदार लाल होंठों को लेकर भी वैज्ञानिकों ने खास जानकारी दी है।

### भारत-स्वीडन संबंधों को मिला नया आयाम, रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर जोर : पीएम मोदी

**गोथेनबर्ग।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वीडन में आयोजित यूरोपियन राउंड टेबल फार इंडस्ट्री कार्यक्रम के दौरान भारत और स्वीडन के बीच संबंधों को नई दिशा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत और यूरोप के बीच पालिटिकल, इकानमिक और स्ट्रेटेजिक कन्वर्जेन्स पूरे विश्व में शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और स्वीडन के संबंध लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन और मानव-केंद्रित विकास पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश नवाचार, सतत विकास और लोकतंत्र को अपनी साझा ताकत मानते हैं। कार्यक्रम में स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन भी मौजूद रहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच ग्रीन ट्रांजिशन, रक्षा, उभरती प्रौद्योगिकियों और लोगों के बीच संबंधों को सहयोग के प्रमुख स्तंभों के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थ-टेक और ग्रीन मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में व्यापक संभावनाओं का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और स्वीडन मिलकर स्वीडन-इंडिया टेक्नोलाजी एंड एआई कारिडोर को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाएंगे। साथ ही स्टार्टअप और अनुसंधान क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए भारत-स्वीडन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर भी प्रधानमंत्री ने दोनों देशों की सोच में समानता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में ग्रीन हाइड्रोजन, सर्कुलर इकोनामी और टिकाऊ बुनियादी ढांचे पर बड़े स्तर पर कार्य हो रहा है, जहां स्वीडन की तकनीक और भारत की क्षमता मिलकर वैश्विक समाधान तैयार कर सकती है।

# अमेरिका ईरान पर भीषण हमले की तैयारी में : आपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0 की योजना

वाशिंगटन

**अमेरिकी सेना कथित तौर पर फिर ईरान पर सैन्य हमले शुरू करने की योजना बना रही है। शांति वार्ता के किसी नतीजे पर ना पहुंचने के बाद वाशिंगटन को लग रहा है कि तेहरान पर दबाव बनाने के लिए सैन्य कार्रवाई जरुरी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन का दो दिवसीय दौरा पूरा करने के बाद यह योजना सामने आई है, जिसमें ईरान पर भीषण हमले की आशंका है। अमेरिका और इजरायल के गठबंधन ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले किए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों में भीषण लड़ाई हुई थी। 8 अप्रैल को अस्थायी संघर्ष-विराम के बाद दोनों पक्षों में समझौते तक पहुंचने की कोशिशें अब तक नाकाम रही हैं। इससे दोनों के बीच फिर से लड़ाई शुरू होने की आशंका ने जोर पकड़ा है। एक रिपोर्ट में बताया कि अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान के खिलाफ सैन्य हमले फिर से शुरू करने के लिए आपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0 की योजना तैयार की है। सैन्य समाधान का यह प्लान ट्रंप के चीन दौरे के बाद बना है। रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन आने वाले दिनों में इस आपरेशन को अंजाम देने की तैयारी में है।**

रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस सप्ताह कांग्रेस के समक्ष गवाही देते हुए सांसदों से कहा था कि यदि आवश्यक हुआ तब हमारे पास स्थिति को आगे बढ़ाने यानी हमले तेज करने की योजना मौजूद है।

पश्चिम एशिया के दो अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका और इजरायल के अधिकारी ईरान के खिलाफ हमलों को अगले सप्ताह फिर से शुरू करने की गहन तैयारियों में जुटे हुए हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यदि ट्रंप फिर हमले शुरू करने का फैसला करते हैं, तब ईरान के बुनियादी ढांचे को टारगेट किया जा सकता है।

रिपोर्ट में अमेरिकी योजना के तीन विकल्पों का जिक्र किया है। पहला विकल्प ईरान के सैन्य और बुनियादी ढांचे पर हवाई हमले करना है। दूसरा विकल्प यह है कि ईरान की जमीन पर विशेष अभियान के लिए सेना उतारी जाए ताकि वे जमीन के काफी नीचे गहराई में दबे हुए परमाणु सामग्री के भंडारों को नष्ट कर सकें। योजना का तीसरा और सबसे चुनौतीपूर्ण विकल्प यह है कि अमेरिकी सेना खर्ग द्वीप पर कब्जा करे। खर्ग ईरानी तेल निर्यात का एक बड़ा केंद्र है।

इसमें मुश्किल यह है कि खर्ग पर कब्जा बनाए रखने के लिए काफी ज्यादा सैनिकों की जरूरत पड़ेगी और ईरान को यहां की भौगोलिक परिस्थिति से मिलने वाला फायदा अमेरिका की मुश्किलें बढ़ाएगा।

वहीं ईरान ने इन संभावित हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरानी संसद के स्पीकर बाघेर गालिबाफ ने चेतावनी देकर कहा, हमारी सेना किसी भी हमले का करारा जवाब देने के लिए तैयार है। अमेरिका यह समझ ले कि गलत रणनीति और गलत फैसलों का नतीजा हमेशा गलत ही होता है। हम सभी विकल्पों के लिए तैयार हैं और पूरी ताकत से दुश्मन को जवाब दे सकते है।

हालांकि सेना के पास प्लान तैयार है, लेकिन ट्रंप ने अभी तक हमले फिर से शुरू करने का अंतिम फैसला नहीं लिया है। डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को धमकी दे रहे हैं। ट्रंप का कहना है कि ईरान के पास कोई परमाणु हथियार नहीं होगा और स्ट्रेट आफ होर्मुज पर नियंत्रण जैसे मुद्दों पर अमेरिका अपने रुख से पीछे नहीं हटेगा। घरेलू मोर्चे पर ट्रंप के लिए यह युद्ध एक बड़ी चुनौती बन गया है।

नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले, अमेरिका में ईरान युद्ध लगातार अलोकप्रिय होता जा रहा है। अमेरिका के सहयोगी देश भी ट्रंप पर लगातार इस बात का दबाव बना रहे हैं कि वे फिर लड़ाई की जगह समझौते पर पहुंचने का रास्ता अपनाएं।

# नेपाल में चीन की योजना फेल 9 साल बाद भी नहीं हुई शुरु

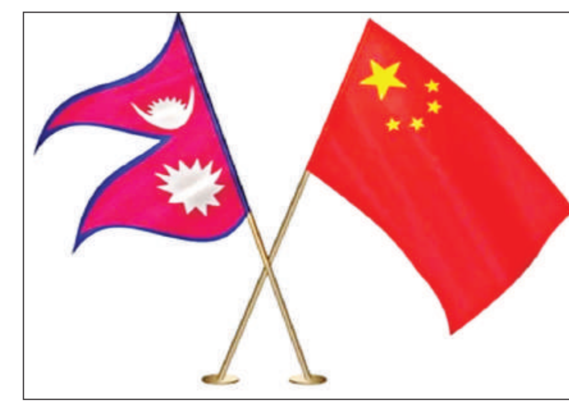

काठमांडू

काठमांडू से आई एक ताजा रिपोर्ट ने चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नेपाल ने वर्ष 2017 में चीन के साथ बड़े सपनों और उम्मीदों के साथ बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। लेकिन इस समझौते के नौ साल बाद भी जमीन पर कोई बड़ा प्रोजेक्ट आकार नहीं ले सका है और नेपाल के हाथ अब तक लगभग खाली हैं। नेपाल और चीन के बीच 12 मई 2017 को इस ऐतिहासिक समझौते के तहत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिससे नेपाल में इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बड़े बदलाव की उम्मीद थी। हालांकि, वर्ष 2026 तक के मौजूदा हालात यह साफ बयां करते हैं कि कोई भी प्रमुख परियोजना अब तक पूरी तरह लागू नहीं हो पाई है।

इस बीच दोनों देशों के बीच पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को लेकर भी गहरा विवाद खड़ा हो गया है। चीन ने पश्चिमी नेपाल में बने इस एयरपोर्ट को बीआरआई की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करने की कोशिश की, लेकिन नेपाल सरकार ने इसे बीआरआई परियोजना मानने से साफ इनकार कर दिया। नेपाल का रुख स्पष्ट है कि पोखरा एयरपोर्ट पर बातचीत चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा 2013 में बीआरआई की घोषणा करने से पहले ही शुरू हो चुकी थी। नेपाल के तत्कालीन विदेश मंत्री एन पी सऊद ने भी संसद में यह स्वीकार किया था कि देश में एक भी बीआरआई प्रोजेक्ट जमीन पर नहीं उतर सका है।

शुरुआती दौर में नेपाली पक्ष ने इसके तहत 35 परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा था, जिसे बाद में चीन के सुझाव पर घटाकर केवल नौ कर दिया गया। दिलचस्प बात यह है कि बीआरआई के तहत प्रस्तावित परियोजनाओं में से एक, 480 मेगावाट के फुकोट करनाली हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की कमान अब भारत की एनएचपीसी लिमिटेड और विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड ने संभाल ली है और दोनों मिलकर इसे विकसित कर रहे हैं। वहीं, 756 मेगावाट के तमोर स्टोरेज हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को लेकर भी नेपाल और चीन के बीच मतभेद गहरे बने हुए हैं। दिसंबर 2024 में तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की चीन यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने बीआरआई कार्यान्वयन योजना पर हस्ताक्षर तो किए, जिसके तहत सीमा-पार रेलवे सहित 10 नई परियोजनाएं चुनी गईं।

## कनाडा में खालिस्तानी आतंकी नेटवर्क देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

**ओटावा।** कनाडा की सुरक्षा खुफिया एजेंसी सीएसआईएस की रिपोर्ट 2025 ने खालिस्तानी आतंकवाद को लेकर बड़ा और सख्त कदम उठाया है। 1 मई 2026 को जारी इस रिपोर्ट में पहली बार साफ कहा गया है कि कनाडा में सक्रिय कुछ खालिस्तानी आतंकवादी नेटवर्क देश की राष्ट्रीय सुरक्षा और कनाडाई हितों के लिए खतरा बने हुए हैं। रिपोर्ट में इन गतिविधियों को राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक उग्रवाद की श्रेणी में रखा है। सीएसआईएस ने चेतावनी दी है कि कनाडा की धरती का इस्तेमाल हिंसा फैलाने, फंडिंग जुटाने और भारत को निशाना बनाने वाली गतिविधियों की योजना तैयार करने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट में 1985 के एयर इंडिया फ्लाइट 182 बम धमाके का भी जिक्र किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों की जान गई थी। एजेंसी ने उदाहरण दिया कि खालिस्तानी चरमपंथ का असर केवल भारत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कनाडा भी इसकी हिंसा झेल चुका है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा किया गया है कि खालिस्तान के समर्थन में शांतिपूर्ण विचार रखना कनाडा के कानून के तहत सुरक्षित है।

## यूएस सेना ने कहा- आधुनिक युद्ध में ड्रोन और एआई की बढ़ेगी भूमिका

वाशिंगटन

अमेरिकी सेना ने लामेकर्स को सचेत करते हुए कहा है कि ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मानव रहित (अनमैन्ड) सिस्टम आधुनिक युद्ध का तरीका बेहद तेजी से बदल रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस की हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पेश होते हुए सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन और मध्य पूर्व के युद्धों से यह पूरी तरह साफ हो गया है कि भविष्य की लड़ाइयों में सस्ते, अत्यधिक सटीक और बड़ी संख्या में इस्तेमाल किए जा सकने वाले हथियारों की भूमिका सबसे अहम होगी। अमेरिकी सेना के सचिव डैनियल ड्रिस्काल ने कहा कि जो सेनाएं खुद को तकनीक के इस दौर में समय के हिसाब से नहीं बदलेंगी, वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में काफी पीछे छूट जाएंगी।

अमेरिकी सेना के 2027 के बजट पर हुई एक तीखी सुनवाई के दौरान अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका अब भविष्य में विशेषकर इंडो-पैसिफिक (हिंद-प्रशांत) क्षेत्र में संभावित संघर्षों को ध्यान में रखकर अपनी युद्ध रणनीति और ट्रेनिंग में बदलाव कर रहा है। सेना के जनरल क्रिस्टोफर लानेव ने कहा कि युद्ध के मैदानों से मिल रहे लाइव अनुभवों को बहुत तेजी से सैनिकों की ट्रेनिंग में शामिल किया जा रहा है। इसी कड़ी में अमेरिकी सेना ने फोर्ट कार्सन में आपरेशन जेलब्रेक नाम से एक बड़ा प्रोजेक्ट भी शुरू किया है। इस प्रोजेक्ट के तहत रक्षा कंपनियां और सैन्य इंजीनियर मिलकर उन साफ्टवेयर बाधाओं को हटाने में जुटे हैं, जो अलग-अलग सैन्य प्रणालियों के बीच युद्ध संबंधी खुफिया जानकारी तुरंत साझा करने में रुकावट बनती हैं। सुनवाई के दौरान लामेकर्स ने छोटे ड्रोन खरीदने के लिए प्रस्तावित बजट में कमी पर चिंता जताई। इसके जवाब में सेना सचिव ड्रिस्काल ने स्पष्ट किया कि अमेरिका की रणनीति अभी शांति के समय लाखों ड्रोन का स्टाक जमा करने की नहीं है। इसके बजाय, अमेरिका एक ऐसा मजबूत औद्योगिक ढांचा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जो युद्ध की स्थिति पैदा होते ही बहुत कम समय में बड़े पैमाने पर ड्रोन का उत्पादन शुरू कर सके। उन्होंने चेतावनी भी दी कि भविष्य के ड्रोन हमलों का सामना करने के लिए केवल इंसानी क्षमता काफी नहीं होगी, जब दुश्मन की तरफ से एक साथ सैकड़ों ड्रोन हमला करेंगे, तो इतनी तेज गति से जवाबी प्रतिक्रिया देने के लिए एआई और आटोमेटेड डिफेंस सिस्टम की मदद लेना बेहद अनिवार्य होगा।

# दांतों की सर्जरी को लेकर साइबेरिया की खोज से चौके वैज्ञानिक

लंदन

**करीब 60 हजार साल पहले निएंडरथल इंसान दांतों की सर्जरी जैसी जटिल प्रक्रिया को अंजाम देते थे। यह दावा किया है शोधकर्ता वैज्ञानिकों ने। वैज्ञानिकों को साइबेरिया की चगीरस्काया गुफा में एक निएंडरथल का दांत मिला, जिसमें बेहद सटीक तरीके से किया गया छेद दिखाई दिया।**

रिसर्च टीम का दावा है कि यह दुनिया में अब तक का सबसे पुराना मेडिकल इंटरवेंशन या सर्जरी का प्रमाण हो सकता है। शुरुआत में वैज्ञानिकों को लगा कि दांत में बना गड्ढा सामान्य सड़न की वजह से हुआ होगा, लेकिन माइक्रोस्कोपिक जांच में अलग ही तथ्य सामने आए। दांत की सतह पर ऐसे गोलाकार निशान मिले जो किसी नुकीले औजार को घुमाकर ड्रिलिंग करने से बनते हैं। इसके बाद वैज्ञानिकों ने जैस्पर पत्थर से बने औजारों का इस्तेमाल कर आधुनिक मानव दांतों पर प्रयोग किया और पाया कि निएंडरथल ने दांत की सड़न साफ करने के लिए बिल्कुल वैसी ही तकनीक अपनाई थी जैसी आज रूट कैनाल उपचार के दौरान उपयोग की जाती है। रिसर्च के अनुसार निएंडरथल पत्थर के बेहद बारीक और नुकीले औजारों का इस्तेमाल करते थे। चगीरस्काया गुफा से ऐसे कई औजार पहले भी मिले थे, जिन्हें अब तक शिकार और खाल उतारने के काम का माना जाता था। लेकिन नई खोज से पता चला है कि वे इन्हें मेडिकल जरूरतों के लिए भी इस्तेमाल करते थे। दांत में बने छेद की चौड़ाई करीब 4.2 मिलीमीटर और गहराई 2.6 मिलीमीटर थी, जो उस समय के हिसाब से बेहद सटीक प्रक्रिया मानी जा रही है। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि जिस निएंडरथल पर यह उपचार किया गया था, वह सर्जरी के बाद कई वर्षों तक जीवित रहा। वैज्ञानिकों को दांत पर चबाने के निशान मिले, जो ड्रिलिंग के बाद बने थे। इससे साफ संकेत मिलता है कि इलाज सफल रहा और व्यक्ति सामान्य रूप से खाना खाता रहा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज निएंडरथल की बुद्धिमत्ता, तकनीकी समझ और सामाजिक सहयोग को दर्शाती है। अब तक माना जाता था कि आधुनिक मानव ने करीब 14 हजार साल पहले डेंटिस्ट्री की शुरुआत की थी, लेकिन यह खोज साबित करती है कि निएंडरथल उससे भी हजारों साल पहले चिकित्सा तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे थे। इससे उनकी छवि केवल आदिम शिकारी के रूप में नहीं, बल्कि समझदार और रचनात्मक मानव समुदाय के रूप में सामने आई है। बता दें कि साइबेरिया की एक गुफा में मिली इस नई खोज ने मानव इतिहास और चिकित्सा विज्ञान की समझ को पूरी तरह बदलकर रख दिया है।

# दि हैदराबाद किराणा मर्चेन्ट्स एसोसिएशन की 26वीं आमसभा संपन्न

**हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

दि हैदराबाद किराणा मर्चेन्ट्स एसोसिएशन की 26वीं आमसभा आज दिनांक 18-05-2026, सोमवार को संस्था के सभागृह, बेगम बाजार में संपन्न हुई।

सर्वप्रथम संस्था के महामंत्री अविनाश देवड़ा ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। वर्ष 2022 से 2026 तक के अपने कार्यकाल का विवरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी समिति ने "Perform, Reform Transform" के उद्देश्य को केंद्र में रखकर संस्था के विकास हेतु अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए।

उन्होंने संस्था भवन के नवीनीकरण, डिजिटलीकरण तथा युवाओं को संस्था से जोड़ने हेतु क्रिकेट प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख किया। स्वास्थ्य जागरूकता के लिए मेगा हेल्थ चेकअप कैंप, सावन की सैर, विभिन्न देशों की विदेश यात्राओं एवं मतदाता पंजीकरण व मतदान जागरूकता अभियान जैसे सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई।

इसके अतिरिक्त FSSAI पंजीकरण अभियान, खाद्य सामग्री सुरक्षा जागरूकता अभियान तथा साइबर क्राइम के प्रति सदस्यों को जागरूक करने हेतु "Cyber Warrior" अभियान जैसे आयोजित कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया गया। संस्था द्वारा विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों के मंत्रियों और अधिकारियों से मिलकर व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु प्रतिनिधिमंडल भेजे जाने एवं ज्ञापन सौंपने की जानकारी भी सभा में दी गई।

महामंत्री ने राष्ट्र भावना एवं जनकल्याण से जुड़े विषयों पर संस्था द्वारा किए गए कार्यों का भी उल्लेख करते हुए अपने कार्यकाल में सभी सदस्यों के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विशेष रूप से संस्था के अध्यक्ष, मार्गदर्शक मंडल, कार्यकारिणी सदस्यों, संस्था के कर्मचारियों एवं उन सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने हर परिस्थिति में संस्था को मजबूती प्रदान की। साथ ही विश्वास व्यक्त किया कि संस्था भविष्य में और नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगी।

चार वर्षों का लेखा-जोखा सर्वसम्मति से स्वीकृत, इंटरकॉम सिस्टम बंद करने का निर्णय

संस्था के कोषाध्यक्ष श्री कमल जैन द्वारा विगत चार वर्षों का आय-व्यय लेखा प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

संस्था के अध्यक्ष श्री दामोदरदास विजयवर्गीय ने सभी सदस्यों के अभूतपूर्व सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त करते हुए अपना संबोधन पूर्ण किया। किराणा मर्चेन्ट्स इंटरकॉम समिति के निदेशक श्री कैलाश मंत्री ने वर्ष 2022 से 2026 तक के अपने कार्यकाल का आय-व्यय एवं लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। साथ ही कमेटी द्वारा इंटरकॉम सिस्टम को पूर्णतः बंद करने के निर्णय को भी आम सभा ने स्वीकृति प्रदान की। मार्गदर्शक मंडल के सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायण राठी ने वर्तमान समिति के सफल कार्यकाल हेतु सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी मंडल को बधाई दी। मार्गदर्शक मंडल के सदस्य श्री राकेश कुमार अग्रवाल ने सफल कार्यकाल में सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

# अमेरिका में अडानी के खिलाफ दर्ज केस खत्म

## *10 अरब निवेश के वादे के बाद फैसला*

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी सरकारी वकीलों ने कोर्ट को बताया कि मामले की समीक्षा के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं। इसके बाद कोर्ट ने गौतम अडानी और सागर अडानी के खिलाफ लगाए गए आरोपों को खारिज करने का आदेश दिया। इस मामले को अब दोबारा नहीं खोला जा सकता।

कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों में अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा, ''इस मामले की समीक्षा की गई है। कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करते हुए न्याय विभाग ने ये फैसला किया है कि अब इन व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक आरोपों पर और संसाधन खर्च नहीं किए जाएंगे।'' पिछले कुछ दिनों में अडानी ग्रुप से जुड़ी रेगुलेटरी जांचें भी बंद हुई हैं।

इससे पहले अमेरिका सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने भारत में सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट्स से जुड़े निवेशकों को दी गई जानकारियों के मामले में गौतम और सागर अडानी के खिलाफ लगाए गए सिविल आरोपों का निपटारा किया था। कोर्ट दस्तावेजों के मुताबिक, गौतम ने 6 मिलियन और सागर ने 12 मिलियन डॉलर देने पर सहमति दी थी।

हालांकि, दोनों ने किसी भी गलत काम को न तो स्वीकार किया और न ही उससे इनकार किया। इसके बाद अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने एलपीजी आयात में ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के उल्लंघन से जुड़े आरोपों का भी निपटारा कर दिया। इसमें अडानी समूह ने 275 मिलियन डॉलर देने पर सहमति जताई थी।इसके साथ ही अडानी के वकील, जो डोनाल्ड ट्रंप के पर्सनल वकील भी हैं, ने पिछले महीने कहा कि उनके क्लाइंट अमेरिका में 10 बिलियन निवेश करना चाहते हैं, लेकिन केस चलने तक ऐसा नहीं कर सके।

इसके साथ ही जांच में व्यापक सहयोग और सक्रिय रूप से जानकारी साझा करने की बात भी सामने आई। दरअसल, 2024 के आखिर में एसईसी और डीओजे ने अडानी परिवार के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप लगाया गया था कि भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर 265 मिलियन डॉलर की रिश्वतखोरी की साजिश रची गई थी। ऐसा इसलिए किया गया, ताकि सोलर पावर प्रोजेक्ट्स के ठेके हासिल किए जा सकें।

इसके साथ ही अमेरिकी निवेशकों और कर्जदाताओं से इस साजिश को छिपाने का आरोप भी लगाया गया था। हालांकि अब यह पूरा मामला बंद हो चुका है।

अमेरिकी आपराधिक मामलों में किसी केस का पूर्वाग्रह के साथ खारिज होना आम बात नहीं मानी जाती।

आमतौर पर ऐसा तब होता है जब लंबी कानूनी समीक्षा के बाद यह तय हो जाए कि केस को आगे बढ़ाना उचित नहीं है। इस मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, जांच के दौरान अभियोजकों को आरोप साबित करने के लिए कोई स्पष्ट अमेरिकी जुड़ाव और पर्याप्त सबूत नहीं मिले।

## ओयू पुलिस ने खुदकुशी की कोशिश कर रहे व्यक्ति को बचाया

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के बोराबंडा इलाके के एमके नगर में उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) पुलिस ने मल्लेष नामक एक व्यक्ति की जान समय रहते बचा ली। पुलिस के मुताबिक यह घटना तब सामने आई जब ब्लू कोल्ट-3 पेट्रोल टीम को डायल 100 पर नेलावेनी नाम की एक महिला का आपातकालीन कॉल आया, जिसमें बताया गया कि उसका पति मल्लेष आर्थिक तंगी की वजह से खुदकुशी करने की कोशिश कर रहा है।

यह जानकारी तुरंत ओयू थाना के निरीक्षक एम. महेश को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम ने तकनीकी मदद से घर की सही जगह का पता लगाया। पुलिस कांस्टेबल सी विजय कुमार नाइक और तिरुपति घर पहुंचे और मल्लेष को फांसी लगाने की कोशिश करते हुए पाया।

## सड़क हादसे में युवक की मौत

**बांसवाड़ा 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

मृतक की चाची चकली कृष्णवेणी की अर्जी पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। अर्जी में बताया गया है कि चकली शेखर, पिता का नाम पोशय्या, उम्र 28 साल, जाति चकली, पेशा खेती, अभी का घर अन्नाराम गांव, बिरकुर मंडल, 17. 5. 2026 को अपनी मोटरसाइकिल से पोथंगल कुर्द गांव जा रहा था और अन्नाराम गांव लौट रहा था।

जब वह शाम करीब 7:30 बजे बिरकुर मंडल के कोल्लूर के बाहरी इलाके में राइस मिल के पास पहुंचा, तो दूसरी तरफ से आ रही अझ12 ग 4479 कार चला रहा एक आदमी तेज स्पीड और लापरवाही से अपनी गाड़ी चला रहा था और उसने मृतक की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उसके सिर और शरीर के दूसरे हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। बांसवाड़ा स्टेशन हाउस ऑफिसर ने बताया कि गंभीर खून की चोटों के कारण मृतक की मौके पर ही मौत हो गई।


74वीं जन्म जयन्ती पर नमन

॥श्री हरिः॥ ॥श्री हरिः॥

* जन्म * 19 मई 1952
* निर्वाण * 19 फरवरी 2021

**श्री अशोक कुमार टीबड़ेवाला**
(सुपुत्र : स्व. श्री गणपतरायजी टीबड़ेवाला)

जीवन पथ पर दीप बनकर, आपने राह दिखाई, स्मृतियों में, संस्कारों में, आपकी छवि समाई..
जीवन मूल्यों की यह ज्योति, युगों तक जलती जाए, प्रभु के चरणों में आपको, अक्षय शांति मिल जाए..

श्रद्धावनत् : श्रीमती रेणु टीबड़ेवाला (धर्मपत्नी) ज्योतिप्रकाश-मंजू (भाई-भाभी)
सुशील-शशि, प्रमोद-सुधा, मनोज-संगीता (अनुज-बहू)
अमित-श्वेता, अश्विन-तृष्णा (पुत्र-पुत्रवधू) अनुराधा-अंकुर अग्रवाल (पुत्री-दामाद)
ईशान, योहान (पौत्र) विहा (पौत्री) ताश्वी (दोयती) देवांक (दोयता)
एवं समस्त टीबड़ेवाला परिवार

**गणपतराय अशोक कुमार टीबड़ेवाला**


## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज आय के स्रोत बढ़ेंगे क्योंकि दिन बहुत अच्छा हैं। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, जिससे सभी कार्य सफल होंगे। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और पूरा दिन सुख-शांतिपूर्वक बीतेगा। परिजनों से निकटता का अनुभव करेंगे। उनका सहयोग भी मिलेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और परिजनों के साथ किसी रमणीय पर्यटन स्थल पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। अगर स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखना हैं तो डिनर मे कुछ हल्का और सुपाच्य भोजन लेना होगा।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज परिश्रम जरुर करना पडेगा जिससे दिन सुनहरा होगा और व्यापारिक की स्थिति और योजनाएं सफल रहेंगी और कारोबार से संबंधित कार्यों में धन लाभ के योग बनेंगे। हालांकि, भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। पुराना अटका पैसा वापस मिलने की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। शाम के समय किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेंने का निमंत्रण आ सकता हैं।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आज समय थोडा मध्यम है अनुकूल माहौल नही मिलेगा अनावश्यक खर्च बढ़ने से मन चिंतित हो सकता है। परिवार का वातावरण आनंदमय रहेगा। वाणी की मधुरता से आप अपना निर्धारित कार्य कर सकेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। बच्चों को संस्कारित बनाने हेतु धार्मिक विधि को समय दें। गाय को चारा खिलाना होगा मानसिक शान्ति का अनुभव होगा पूर्वजों को तृप्ति होगी।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आज लाभकारी योग बन रहा हैं निवेश मे जोखिम नही है फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आय वृद्धि के योग रहेंगे। व्यवसाय-धंधा भी अच्छा चलेगा तथा कार्यस्थल पर मित्रों और सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी में पदोन्नति भी मिल सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और गृहस्थ जीवन का संपूर्ण आनंद ले सकेंगे। मित्रों के साथ प्रवास का आयोजन होगा। अधिक तैलीय वसा युक्त भोजन आप को हानिकारक रहेगा।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आप कुछ समय रुककर कोई भी अन्तिम निर्णय पर पहुंचे क्योंकि समय मध्यम हैं सामान्य हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। काम का बोझ अधिक रहेगा और पूरा दिन भागदौड़ में बीतेगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी वाद-विवाद में उलझ सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। व्यर्थ वाद-विवाद तथा तकरार में उतरने से भी बचना होगा खर्चा ज्यादा होगा।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

सुबह ही पीपल वृक्ष मे जल दूध चढाए घी का दीपक प्रज्वलित करें मंदिर मे पीली वस्तु का भोग लगाएं। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और सहकर्मियों के सहयोग से सभी कार्यों में सफलता मिलेगा। कार्यभार की अधिकता से मानसिक और शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। कामकाज को लेकर प्रवास पर जा सकते हैं, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऊपरी अधिकारी आपके काम से असंतुष्ट रह सकते हैं। सुख सुविधाओं मे खर्चा अधिक होगा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

आज भाग्य प्रबल हैं नक्षत्रों का बल भी मिलेगा। कर्ज बिल्कुल भी नही लेना हैं व्यापार-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार विस्तार को लेकर व्यवस्थित रूप से आर्थिक योजना बना सकेंगे। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और अपने परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आज का दिन तो सामान्य से कुछ बढीया रहेगा। काम का ओवरलोड रहेगा व्यस्तता अधिकता रहेगी, लेकिन भागदौड़ और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। नये कार्यों की शुरुआत करने से बचें। जीवनसाथी और संतानों के स्वास्थ्य का वशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। वाद-विवाद या बौद्धिक चर्चा से दूर रहें क्रोध पर नियंत्रण रखें अपरिहार्य बोलना मुसीबत मे डाल सकता हैं। सही समय का इंतजार करना ही बुद्धिमानी है व्यर्थ के प्रपंच से दूर रहें।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आज कुछ छोटी-मोटी परेशानी को छोडकर सब आप के हाथ मे रहेगा आप टीमवर्क लेकर सब सुव्यवस्थित कर सकते हैं, मन थोडा व्यथित जरुर होगा लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। भागदौड़ की अधिकता रहेगी, जिससे शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। परिजनों के साथ तकरार होने की संभावना है। आर्थिक लाभ का योग बन रहा है शिवजी को ग्यारस बिल्वपत्र चढाए, दूध से स्नान कराए मन शान्त रहेगा।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आज सुबह.उठते ही किसी बात को लेकर टेंशन बन सकता हैं इसलिए उठते ही सर्व प्रथम धरती को प्रणाम करें कर दर्शन कार्य का भार अधिक होने पर भी सकारात्मकता का अनुभव करेंगे। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा, जिससे समाज में सम्मान बढ़ेगा। व्यापारियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी ठेस ने पहुंचे। बिल्ववृक्ष मे जल सींचे एकाएक धन प्राप्त होगा।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

आज विशेष लाभ दिख रहा हैं रुका हुआ धन आएगा कर्जमुक्त होने की दिशा मे बढेंगे कारोबार में धनलाभ होगा पद प्रतिष्ठा मे तरक्की के योग बन रहे हैं। कार्यों में सफलता मिलेगी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में प्रशंसा के पात्र बनेंगे। पारिवारिक जीवन में नया खुशी का समाचार मिलेगा मित्रों का भरपूर सहयोग रहेगा। अपनी वाणी पर संयम रखना होगा अन्यथा बनते हुए काम बिगड़ेंगे।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

आज का शुभ समाचार सुनेंगे वैवाहिक सम्बन्ध बनेगा, दाम्पत्य जीवन का सुख उठाएंगे परिवार के साथ समय व्यतीत करें थकान और चिंता दूर हो जाएगी आप के सभी कार्य निर्धारित रूप से योजना के तहत पूर्ण होंगे। मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। सहकर्मियों की मदद से अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। सगे-संबंधियों के यहा उत्सव का निमंत्रण मिलेगा आप समाहरोह का हिस्सा बनेंगे राजनीति जीवन मे पदोन्नति भी मिलेगी मान सम्मानित होंगे।

## आज का पंचांग

दिनांक : 19 मई 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 02:21 तक
नक्षत्र : मृगशिरा प्रातः 08:43 तक
योग : धृति सायं 05:48 तक
करण : गर दोपहर 02:21 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:42 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:38 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:32 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:32 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अंगारक चतुर्थी , भद्रा रात्रि 12:40 से


* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# ऐसे मिलेगी सफलता और समृद्धि

फेंगशुई के अनुसार अगर आपको अपने घर को बेहतर और समृद्ध बनाना है तो आपको अपने घर की दक्षिण दिशा को गतिशील बनाना चाहिए। साथ ही घर का धन और तिजोरी पूर्व दिशा में रखनी चाहिए। इससे उसमें वृद्धि होती है।

**फेंगशुई** में जानवरों, वाहनों उनके चित्रों को शुभ बताया गया है। फेंगशुई के अनुसार घोडा, कछुआ, हाथी, बाघ आदि की छोटी प्रतिमा घर में उचित स्थान पर रखने से घर में रहने वाले लोगों के जीवन में सफलता एवं संपन्नता आती है। सौभाग्य और शक्ति प्राप्त होती हैं, तो घर में ऊर्जा का संचार होता है और जिंदगी को जिंदादिली से जीने का संदेश मिलता है। इसे ट्विन क्रिस्टल भी कहा जाता है। इसे फेयरी क्रास भी कहते हैं। इसे घर में रखने से घर के लोगों के बीच अच्छी आदतों का संचार होता है। फेंगशुई में पैसा कमाने और धन-समृद्धि बढाने के लिए कई तरह के उपाय अपनाने पर जोर दिया जाता है। इसके प्रभाव से जातक को सकारात्मक ऊर्जा का आभास होता है। इसके फलस्वरूप गृह, कलेह जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं। फेंगशुई के अनुसार बेड के नीचे बेकार चीजें या पुराना कबाडा रखा होने पर घर में अशांति पैदा होती है। धन लाभ व समृद्धि प्राप्ति के लिए ड्राइंग रूम के प्रवेश द्वार के दाएं कोने पर विंड चाइम लगाना शुभ होता है।

यदि खराब नल की वजह से पानी टपकता है तो उसे तुरंत सही करवा लेना चाहिए। नल से पानी टपकने का मतलब है धन की हानि। इसलिए घर में पानी टपकने न दें। दक्षिण दिशा को संवारे और पैसा पूर्व दिशा में रखें। फेंगशुई के अनुसार अगर आपको अपने घर को बेहतर और समृद्ध बनाना है तो आपको अपने घर की दक्षिण दिशा को गतिशील बनाना चाहिए। साथ ही घर का धन और तिजोरी पूर्व दिशा में रखनी चाहिए। इससे उसमें वृद्धि होती है। फेंगशुई में भी झाड़ू को धन-संपत्ति का सूचक बताया गया है। इसके अनुसार इस्तेमाल ना होने की सूरत में झाड़ू को दूसरों की नजरों से हटाकर रखना चाहिए। इसके अनुसार मुख्य द्वार के नीचे और सामने की जमीन को हमेशा साफ रखना चाहिए। साथ ही घर की नालियों की गंदगी को घर से बाहर निकालने की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। पैसों की तंगी से बचने के लिए टॉयलेट के दरवाजे हमेशा बंद रखने चाहिए। अगर हो सके तो मछलियों के जोडे को घर में लटकाना चाहिए। इनके प्रभाव से घर में धन की बरकत और कार्यक्षेत्र में उन्नति होती है। वैसे मछलियों को प्राचीन ग्रंथों में भी शुभ माना गया है। इसे शुभता की निशानी कहा गया है। इन्हें गुरुवार अथवा शुक्रवार को घर में टांगना शुभ होता है। माना जाता है कि तीन भाग्यशाली सिक्कों को अगर लाल रिबन से लटका कर घर के मुय द्वार में अंदर की तरफ लटकाया जाए तो यह धन और समृद्धि को घर खिंच कर ले आता है। मनीप्लांट एक लंबे अर्से से भारतीय घरों में जगह बनाए हुए है। इसकी वृद्धि के लिए मिट्टी की जरूरत नहीं होती। इसे कांच की साफ बोतल में लगाया जा सकता है। ध्यान रखें कि इसकी बेल हमेशा जमीन से ऊपर उठती हुई ही प्रतीत हो।

# जानिये आखिर कब-कब शांतचित्त भगवान श्री राम को आया क्रोध

क्रोधित श्रीराम ने भ्राता लक्ष्मण को अपना दूत बना कर सुग्रीव के पास भेजा ताकि उन्हें उनके वचन की याद दिलाई जा सके। लक्ष्मण सुग्रीव के पास पहुंचते हैं और उन्हें भोग विलास में लिप्त देखकर क्रोधित हो जाते हैं। तत्पश्चात सुग्रीव अपने श्रेष्ठतम सेनानायक हनुमान को श्री राम की सहायता के लिए नियुक्त करते हैं।

**भगवान विष्णु** के सातवें अवतार श्री राम को शांतचित्त, गंभीर, सहिष्णु और धैर्यवान माना जाता है। वाल्मीकि रामायण हो या राम चरित मानस, दोनों में मर्यादापुरुषोत्तम की महानता के विशद वर्णन के साथ उनके कुछ ऐसे प्रकरणों का भी उल्लेख है जबकि श्री राम क्रोधावेश में निमग्न हो जाते हैं। आइए जानते हैं उन विशेष प्रकरणों को जबकि भगवान श्री राम को अपना क्रोध प्रकट करना पडा:

सीता जी के स्वयंवर के लिए राजा जनक की प्रतीज्ञा थी कि ''जो कोई भी उनके दरबार में मौजूद भगवान शिव के धनुष को उठा कर उस पर तीर चढाएगा, उसी से सीता जी का विवाह होगा।'' श्री राम जब धनुष उठाकर उस पर तीर चढाने की कोशिश करते हैं तो धनुष टूट जाता है।

शिव भक्त परशुराम इससे बेहद क्रोध में आ जाते हैं तथा लक्ष्मण को चेतावनी देते हैं। तब मर्यादा पुरुषोत्तम भी क्रोधावेश में आकर अपने धनुष पर दिव्यास्त्र चढाते हैं।

ऐसे में परशुराम जी को श्री राम की वास्तविकता का भान होता है तथा वे स्वयं उन्हें शांत हो जाने के लिए मनाने लगते हैं। सीता जी को लंका से वापस लाने के लिए युद्ध करना आवश्यक था। रावण को लंका गए बिना पराजित कैसे किया जा सकता था। श्री राम ने इसके लिए समुद्र से अपनी लहरों को शांत कर देने का अनुरोध किया ताकि उस पर सेतु का निर्माण किया जा सके। जब तीन दिन तक की निरंतर प्रार्थना के बाद भी समुद्र शांत नहीं हुआ तब श्री राम ने ब्रहमास्त्र के द्वारा उसे सुखा देने का निश्चय किया।

उनके ऐसा निश्चय करते ही समुद्र देवता थर-थर कांपने लगते हैं तथा प्रभु श्री राम से शांत होने की प्रार्थना करते हैं। बालि वध कर श्री राम ने सुग्रीव को किष्किंधा का राज्य दिला दिया। इसके एवज में सुग्रीव ने सीता जी के खोज अभियान में सहायता करने का वचन दिया। किंतु बहुत दिनों से भोग-विलास से च्युत सुग्रीव अचानक राज-पाट पाकर अपना वचन भूल बैठे।

क्रोधित श्रीराम ने भ्राता लक्ष्मण को अपना दूत बना कर सुग्रीव के पास भेजा ताकि उन्हें उनके वचन की याद दिलाई जा सके। लक्ष्मण सुग्रीव के पास पहुंचते हैं और उन्हें भोग विलास में लिप्त देखकर क्रोधित हो जाते हैं। तत्पश्चात सुग्रीव अपने श्रेष्ठतम सेनानायक हनुमान को श्री राम की सहायता के लिए नियुक्त करते हैं।

वनवास काल में चित्रकूट प्रवास के दौरान इंद्र का पुत्र काकासुर सीता जी की गरिमा व मर्यादा से खिलवाड करने की कोशिश करता है। इस पर भगवान श्री राम ने क्रोधित होते हुए तृण को ही ब्रहमास्त्र के रूप में प्रयोग करने का निश्चय किया। काकासुर तीनों लोकों में अपनी रक्षा की गुहार लगाता है किंतु उसकी सहायता के लिए कोई आगे नहीं आता।

ऐसे में वह प्रभु श्रीराम के चरणों में लोट जाता है। ब्रहमास्त्र को निष्फल नहीं होने दिया जा सकता है। श्रीराम ने उसके प्राण तो बख्श दिए किंतु ब्रहमास्त्र से उसकी दाईं आंख पर प्रहार किया। इसीलिए मान्यतानुसार आज भी कौवे की दाईं आंख में दोष पाया जाता है।

प्रभु श्री राम जब भी क्रोधित हुए उसके पीछे कोई न कोई बहुत बडा कारण अवश्य रहा। मर्यादापुरुषोत्तम ने धर्म और कर्तव्य पालन के दौरान बाधा आने पर ही क्रोध प्रकट किया। इसका आशय यही है कि धर्म स्थापना व कर्तव्य पालन में आने वाली बाधा सर्वथा अस्वीकार्य है।

# जानें, पुत्र प्राप्ति की हनुमान कथा

**जब कोई** भक्त हनुमानजी को सच्चे मन से याद करता है तब आसानी से हनुमानजी उस पर प्रसन्न हो जाते है। आइये जाने हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम और कार्य। हर दिन भगवान श्री हनुमान की मूर्ति का मंदिर में जा कर दर्शन करे । सुबह जगने के बाद और रात्रि में सोने से पहले हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का जाप करे। दिन में कम से कम एक बार हनुमान चालीसा पूर्ण ध्यान और समझते हुए पढे। यदि हो सके तो मंगलवार को पूर्ण रूप से मांसाहारी खाना और मादक पेय त्याग दे। हनुमान भक्त को श्री राम और माँ जानकी की भी पूजा करनी चाहिए। हो सके तो मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी का व्रत करना चाहिए। हर मंगलवार या शनिवार को हनुमान मंदिर में बालाजी की लाल मूर्ति पर सिंदूर चढाना चाहिए उसके बाद जनेऊ पहनानी चाहिए फिर उन्हें गुड चन्ना या केले का प्रसाद चढा कर हो सके तो वानरों को यह प्रसाद खिलाना चाहिए। इस तरह इन बातो का ध्यान और पालन करते हुए आप बालाजी महाराज की विशेष कृपा के पात्र बन सकते है। समर्पण और धैर्य ही उचित कुजी है हनुमान कृपा द्वार खोलने के लिए।

**पुत्र प्राप्ति की हनुमान कहानी :**

एक समय की बात है एक ब्राहमण पत्नी और पति थे । उनके कोई संतान नही थी इसी कारणवश वे दुखी थे । ब्राहमण हनुमान जी का परम भक्त था और अपनी हर प्रार्थना में संतान प्राप्ति की ही विनती करता था। दूसरी तरफ उसकी पत्नी भी बालाजी की परमभक्त थी , वह भी हर मंगलवार हनुमानजी का व्रत रखती थी और अपने सम्पूर्ण दिन को हनुमानजी की सेवा में लगा देती थी। एक मंगलवार ऐसा आया जब वो हनुमान जी भोग के लिए प्रसाद की व्यवस्था नहीं कर सकी उसे उस दिन बहूत दु:ख हुआ और उसने यह प्रण लिया की अब वो पुरे सप्ताह व्रत रखेगी सप्ताह भर भूखे पेट रहने से वो महिला बडी कमजोर हो गयी। भगवान श्री हनुमान अपने इस भक्त यह त्याग देख रहे थे। अब उनसे भी रहा ना गया और उन्होंने उस महिला को बालक के रूप में दर्शन दिए महिला उस बालक के चरणों में गिर गयी , वो समझ चुकी थी की वो बालक कोई और नहीं अपितु हनुमान ही है।

बालक हनुमान ने उन्हें आशीष रूप में एक पुत्र दिया जिसका नाम उस महिला ने मंगल रखा उसके बाद हनुमान जी अद्रश्य हो गये शाम को जब ब्राहमण घर आया तब उसने देखा की उनके घर के आँगन में कोई बालक खेल रहा है। ब्राहमण पत्नी ने अपनी आपबीती और हनुमान जी कृपा के बारे में ब्राहमण को बताया परन्तु उसके पति को उसपर तनिक विश्वास नहीं हुआ। वो उस बच्चे से नफरत करने लगा और मन ही मन उसे मारने के योजना बनाने लगा।

एक दिन उसने देखा की मंगल कुआं पर पानी खीचने जा रहा था। वो ब्राहमण उसके पीछे पीछे गया और मौका मिलते ही मंगल को धक्का देकर कुआ में धकेल दिया और फिर घर आ गया । लेकिन अब उसको खुद से नफरत होने लगी की उसने एक बालक को मौत के मुंह में छोड दिया। उसे खुद से इतनी ग्लानी हुई की वो अपनी पत्नी के सामने भी नहीं आ सकता था । इसी कारण उनसे घर छोडने का निर्णय लिया तभी मंगल उसके सामने आ गया।

ब्राहमण को अपनी आँखों पर यकीन नही हो पा रहा था । रात्रि में हनुमानजी ने ब्राहमण को सपने में दर्शन दिए और बोले की अपनी पत्नी की बात पर यकीन करो वो सत्य ही बोल रही है । तब ब्राहमण को महसूस हुआ की उसने गलती की है , उसने अपनी पत्नी से माफी मांगी और फिर वो खुशी खुशी अपने पुत्र मंगल के साथ रहने लग।

इस तरह हनुमान जी ने जेसे इस ब्राहमण जोडे को अपना आशीष दिया वेसे ही सभी भक्तो पर अपना आशीष रखे।

हर दिन भगवान श्री हनुमान की मूर्ति का मंदिर में जा कर दर्शन करे । सुबह जगने के बाद और रात्रि में सोने से पहले हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का जाप करे। दिन में कम से कम एक बार हनुमान चालीसा पूर्ण ध्यान और समझते हुए पढे।

# यह व्रत रोग, शोक, भय, बाधा, शनि जन्य पीडा आदि से मुक्ति दिलाता है

**शनिवार** का व्रत करने से शनि और राहु की शांति होती है। शनि की शांति हेतु कम से कम 19 व्रत एवं राहु की शांति के लिए 18 व्रत किए जाते हैं। यह व्रत मनस्ताप, रोग, शोक, भय, बाधा आदि से मुक्ति एवं शनि जन्य पीडा के निवारण के लिए विशेष रूप से फलदायक होता है। शनिवार के दिन प्रात: स्नानादि करने के बाद काला तिल और लौंग मिश्रित जल पश्चिम दिशा की ओर मुख करके पीपल वृक्ष पर चढाएं। तत्पश्चात शिवोपासना या हनुमत आराधना और साथ ही शनि की लौह प्रतिमा की पूजा करनी चाहिए। फिर शनिवार व्रत कथा का पाठ करना चाहिए। उडद के बने पदार्थ बूढे ब्राहमण को देना चाहिए और स्वयं सूर्यास्त के पश्चात भोजन ग्रहण करना चाहिए।

शनि चालीसा का पाठ सबसे सरल है। अत: यहां सर्वाधिक प्रचलित चालीसा प्रस्तुत की जा रही है। शनि चालीसा भी हनुमान चालीसा जैसे ही अति प्रभावशाली है। शनि ग्रह सभी ग्रहों में सबसे अनिष्टकारी खतरनाक ग्रह माने जाते हैं। शनि देव की नाराजगी से जातक का सर्वनाश हो जाता है। इनके अनिष्टकारी प्रभावों से मुक्त होने तथा शनि प्रभावित जातकों के समस्त कष्टों का हरण शनि चालीसा के पाठ द्वारा किया जा सकता है। किसी भी प्रकार का शनिकृत दोष, विवाह आदि में उत्पन्न बाधाएं इस शनि चालीसा की 21 पाठ प्रातिदिन लगातार 21 दिनों तक करने से दूर हो जाती हैं और जातक शांति सुख सौमनस्य को प्राप्त होता है।

# ऐसे टालें घर पर आने वाली हर विपदा

फेंगशुई के अनुसार ये नन्हीं सी मछलियां हमारी सारी मुसीबतों को अपने सर ले लेती हैं। इस प्रकार के छोटे से मछली घर को एक्वेरियम कहा जाता है।

**यह सही** है कि मछलियों को अठखेलियां करते देखने से मानसिक शांति मिलती है, वहीं फेंगशुई में कहा गया है कि मछली धन को आकर्षित करती है और आपदा अपने सर ले लेती है। फेंगशुई के अनुसार ये नन्हीं सी मछलियां हमारी सारी मुसीबतों को अपने सर ले लेती हैं। इस प्रकार के छोटे से मछली घर को एक्वेरियम कहा जाता है। एक्वेरियम सिर्फ मन को प्रसन्नता नहीं देते बल्कि फेंगशुई के अनुसार इनसे घर के सदस्यों के ऊपर आने वाली विपत्तियां टलती हैं एवं घर में धन-संपत्ति के आगमन में निरंतरता बनी रहती है। लेकिन फेंगशुई के कुछ नियम हैं जिनका पालन करते हुए एक्वेरियम रखा जाए तभी इसका समुचित लाभ मिल पाता है। एक्वेरियम में मछलियों की संया का विशेष महत्व है। फेंगशुई के अनुसार एक्वेरियम में मछलियों की संख्या कम से कम नौ होनी चाहिए। आठ मछलियां लाल अथवा सुनहरे रंग की होनी चाहिए जबकि एक मछली काले रंग की। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों की संया नौ बतायी गयी है। संभव है कि इन्हीं कारणों से फेंगशुई में नौ मछलियां एक्वेरियम में रखने की बात कही गयी है।

सुंदरता में बेजोड इतनी महंगी मछलियों को खरीदने और उन्हें पालने के शौकीन लोग भी हैं, जो मछलियों का व्यापार करने वालों के यहां महंगी मछलियों को लाने के लिए न सिर्फपहले से आर्डर कर देते हैं। बल्कि ऐसी मछलियों के आते ही उन्हें खरीदने के लिए एक-दूसरे से बढकर बोली तक लगाते हैं। वे इसे शुभ मानते हैं। इसलिए इसे मंगाने के लिए बेताब रहते हैं। एक्वेरियम में इठलाती सुंदर-सुंदर मछलियां बैंकॉक, सिंगापुर, चेन्नई, कोलकाता तथा चीन से मंगाई जाती हैं। जैसे सभी का अपना आशियाना होता है। वैसा ही छोटा सा प्यारा सा मछलियों का आशियाना एक्वेरियम होता है, जो एक हजार की लागत से लेकर लाखों तक में बनाया जाता है। इसमें एयरमशीन, फिल्टर व हीटर लगाया जाता है, जिसके माध्यम से इन मछलियों को ज्यादा समय तक रखा जा सकता है।

## छोटी-छोटी आदतें ले आएंगी लक्ष्मी...

**घर** और लक्ष्मी जीवन की भौतिक आवश्यकता है। इन्हें पाने के लिए व्यक्ति दिन रात एक करता है लेकिन कई बार जाने-अनजाने में हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे काम कर जाते हैं जिनसे हमें प्राप्त होती है लक्ष्मी। यहां हम ऐसे ही कामों के बारे में जानेंगे। घर में सुंदर मंदिर बनाना और उसे सजा कर रखना लक्ष्मी प्राप्ति का सरलतम माध्यम है। भगवान के दर्शन मात्र से ही कई जन्मों के पापों का प्रभाव नष्ट हो जाता है। इसी वजह से घर में भी देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखने की परंपरा है। इस कारण घर में छोटा मंदिर होता है और उस मंदिर में देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखी जाती हैं। यदि आप उन प्रतिमाओं को साफ और व्यस्थित रखते हैं तो इससे शुभ प्रभाव पड़ेगा। इससे देवी-देवताओं का आशीर्वाद तो प्राप्त होगा ही साथ ही नव ग्रह भी आपके अनुकूल होंगे। भारतीय संस्कृति में अतिथि को भगवान का रूप माना जाता है। तभी तो कहा गया है अतिथि देवो भवः घर आया अतिथि चाहे दुश्मन ही हो उसका मधुर वाणी और भोजन से सत्कार करना चाहिए। अतिथि हमारा भगवान होता है और हमें उनका आदर करना चाहिए। जिस घर में रसोई गंदी रहती है साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता वहां मंगल ग्रह के दोषों में वृद्धि होती है। अव्यवस्थित बिस्तर पर शयन करने वालों का जीवन भी अस्त-व्यस्त रहता है। उन पर कभी भी लक्ष्मी कृपा नहीं होती। जो लोग चेहरे की सुंदरता पर तो पूरा-पूरा ध्यान देते हैं लेकिन पैरों की सफाई को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे लोगों से लक्ष्मी दूर रहती हैं। इधर-उधर थूकने की आदत है तो जल्दी उसे बदल लें अन्यथा लक्ष्मी के कोप का सामना करना पड़ सकता है। जिस घर में वृद्धजनों का अपमान होता है वहां अन्न और धन की सदा कमी रहती है।

## खुल जाएगा किस्मत का ताला...

**हम** अपने बड़े-बुजुर्गों से कई बार उपाय सुनते हैं जिसे करने से लाभ मिलने का अनुभव मिलता है। ईश्वरीय कृपा व पुरुषार्थ के साथ ही कुछ उपाय किए जाएं तो सफलता मिलती है, ऐसा दावा पूर्वजों का रहा है। प्रस्तुत हैं कुछ उपाय। यदि आपको धन की परेशानी है, नौकरी में दिक्कत आ रही है, प्रमोशन नहीं हो रहा है या आप अच्छे करियर की तलाश में हैं तो किसी दुकान में जाकर किसी भी शुक्रवार को कोई भी एक स्टील का ताला खरीद लीजिए लेकिन ताला खरीदने वक्त न तो उस ताले को आप खुद खोलें और न ही दुकानदार को खोलने दें। ताले को जांचने के लिए भी न खोलें। उसी तरह से डिब्बी में बंद का बंद ताला दुकान से खरीद लें। इस ताले को आप शुक्रवार की रात अपने सोने के कमरे में रख दें। शनिवार सुबह उठकर नहा-धोकर ताले को बिना खोले किसी धार्मिक स्थान पर रख दें। ईश्वरीय प्रेरणा से जब कोई उस ताले को खोलेगा, आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा। हालांकि उस व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं होगा। यदि आप अपना मकान, दुकान या कोई अन्य प्रापर्टी बेचना चाहते हैं और वह बिक नहीं रही, तो बाजार से 86 साबुत बादाम ले आएं। सुबह नहा-धोकर, बिना कुछ खाए, दो बादाम लेकर मंदिर जाएं। दोनों बादाम मंदिर में शिवलिंग या शिवजी के आगे रख दीजिए। हाथ जोड़ कर भगवान से प्रापर्टी के बेचने की प्रार्थना कीजिए और उन दो बादामों में से एक बादाम वापस ले आएं। उस बादाम को लाकर घर में कहीं अलग रख दें। ऐसा आपको 43 दिन तक लगातार करना है। 43 दिन के बाद जो बादाम आपने घर में इकट्ठा किए हैं उन्हें बहते जल, नदी आदि में बहा दें। यदि 43 दिन से पहले ही आपका सौदा हो जाए तो भी उपाय को अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए।

# रोगों से छुटकारा दिलाएंगे मंत्र...

मंत्र से विविध शारीरिक एवं मानसिक रोगों में लाभ मिलता है। यह बात अब विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि मनुष्य के शरीर के साथ-साथ यह समग्र सृष्टि ही वैदिक स्पंदनों से निर्मित है। शरीर में जब भी वायु-पित्त-कफ नामक त्रिदोषों में विषमता से विकार पैदा होता है तो मंत्र चिकित्सा द्वारा उसका सफलता पूर्वक उपचार किया जाना संभव है।

**मंत्र** का अर्थ है जिसका मनन करने से, जो हमारे तन-मन के कष्ट और रोग दूर कर दे। मंत्र एक ऐसे शब्दों का समूह है जिसके उच्चारण से हमारे शरीर के विभिन्न कोशिकाओं और तंत्रिकाओं पर विशेष प्रभाव पड़ता है। इससे जिन रोगों का इन कोशिकाओं और तंत्रिकाओं से संबंध होता है, वे ठीक हो जाते हैं। मंत्रों के उच्चारण में शब्दों का ऐसा सम्मिलन होता है कि इन कोशिकाओं और तंत्रिकाओं पर पड़ने वाला प्रभाव सकारात्मक और प्रभावशाली होता है। इसी प्रभाव से रोग दूर होते हैं और शरीर स्वस्थ होता है। मन की शांति और स्वास्थ्य के लिए मंत्र के सिवाय अन्य कोई औषिधि है ही नहीं। मानसिक रोगों का एकमात्र सफल उपाय सिर्फ मंत्र-चिकित्सा है। इसीलिए शास्त्रों में कहा गया है कि मननात त्रायते इति मंत्र अर्थात मनन करने से जो मन का त्राण कर दे, कष्ट निवारण कर दे, उसे मंत्र कहते हैं। मंत्र विज्ञानानुसार मानव शरीर में एक और सुक्ष्म शरीर होता है, जिसे आज कंप्यूटर भाषा में मानव शरीर का सॉफ्टवेयर कहा जाता है। इसी सूक्ष्म शरीर से मानव शरीर का संचालन होता है। मृत्यु के समय यही सूक्ष्म शरीर निकल जाता है तो स्थूल शरीर के सारे क्रियाकलाप समाप्त हो जाते हैं। देह के सभी रोगों का मूल कारण इसी सूक्ष्म शरीर में विद्यमान होता है और यह कारण मंत्र के जाप से दूर किया जा सकता है या मंत्र सिद्ध जल अथवा मंत्र सिद्ध औषिधि लेने से भी ठीक होता है। इस सूक्ष्म कारण के नष्ट होते ही वह रोग भी दूर हो जाता है जिसके कारण शरीर अस्वस्थ था। यही मंत्र-चिकित्सा का मूल रहस्य है और कारण सूक्ष्म होने से भौतिक धरातल पर वह प्रक्रिया देख नहीं पाते, इसी मंत्र चिकित्सा से ठीक होने वाले रोगों को लोग चमत्कार मान लेते हैं।

### हनुमान चालीसा पाठ

अमेरिका के ओहियो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार कैंसरयुक्त फेफड़ों, आंत, मस्तिष्क, स्तन, त्वचा और फाइब्रो ब्लास्ट की लाइनिंग्स पर जब सामवेद के मंत्रों और हनुमान चालीसा के पाठ का प्रभाव परखा गया तो कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि में भारी गिरावट आई। इसके विपरीत तेज गति वाले पाश्चात्य और तेज ध्वनि वाले रॉक संगीत से कैंसर की कोशिकाओं में तेजी के साथ बढ़ोतरी हुई। मंत्र चिकित्सा के लगभग पचास रोगों के पांच हजार मरीजों पर किए गए क्लीनिकल परीक्षणों के अनुसार दमा, अस्थमा रोग में सत्तर प्रतिशत, स्त्री रोगों में 65 प्रतिशत, त्वचा एवं चिंता संबंधी रोगों में साठ प्रतिशत, उच्च रक्तदाब, हाइपरटेंशन से पीड़ितों में पचपन प्रतिशत, आर्थराइटिस में इक्यावन प्रतिशत, डिस्क संबंधी समस्याओं में इकतालीस प्रतिशत, आंखों के रोगों में इकतालीस प्रतिशत तथा एलर्जी की विविध अवस्थाओं में चालीस प्रतिशत औसत लाभ हुआ। निश्चित ही मंत्र चिकित्सा उन लोगों के लिए तो वरदान ही है जो पुराने और जीर्ण क्रॉनिक रोगों से ग्रस्त हैं।

### गायत्री मंत्र जाप

**कहा** गया है कि जब भी कोई व्यक्ति गायत्री मंत्र का पाठ करता है तो अनेक प्रकार की संवेदनाएं इस मंत्र से होती हुई व्यक्ति के मस्तिष्क को प्रभावित करती हैं। जर्मन वैज्ञानिक कहते हैं कि जब भी कोई व्यक्ति अपने मुंह से कुछ बोलता है तो उसके बोलने में आवाज का जो स्पंदन और कंपन होता है, वह 175 प्रकार का होता है। जब कोई कोयल पंचम स्वर में गाती है तो उसकी आवाज में 500 प्रकार का प्रकंपन होता है लेकिन जर्मन वैज्ञानिक यह भी कहते हैं कि दक्षिण भारत के विद्वानों से जब विधिपूर्वक गायत्री मंत्र का पाठ कराया गया, तो यंत्रों के माध्यम से यह ज्ञात हुआ कि गायत्री मंत्र का पाठ करने से संपूर्ण स्पंदन के जो अनुभव हुए, वे 700 प्रकार के थे। जर्मन वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति पाठ नहीं भी करे, सिर्फ पाठ सुन भी ले तो भी उसके शरीर पर इसका प्रभाव पड़ता है। उन्होंने मनुष्य की आकृति का छोटा सा यंत्र बनाया और उस आकृति में जगह-जगह कुछ छोटी-छोटी लाइटें लगा दी गईं। लाइट लगाने के बाद यंत्र के आगे लिख दिया कि यहां पर खड़ा होकर कोई आदमी किसी भी तरह की आवाजें निकालें तो उस आवाज के हिसाब से लाइटें मनुष्य की आकृति में जलती नजर आएंगी, लेकिन अगर किसी ने जाकर गायत्री मंत्र बोल दिया तो पांव से लेकर सिर तक सारी की सारी लाइटें एक साथ जलने लग जाती है। दुनियाभर के मंत्र और किसी भी प्रकार की आवाजें निकालने से यह सारी की सारी लाइटें नहीं जलतीं। एक गायत्री मंत्र बोलने से सब जलने लग जाती हैं क्योंकि इसके अंदर जो वाइब्रेशन है, वह अद्भुत है।

### विष्णु सहस्त्र नाम का पाठ

मंत्र चिकित्सा में हम अपने देव को एक विधि से ही पुकारते हैं जिससे हमारे शरीर के चक्र चैतन्य होते हैं चक्रों को चैतन्य करने से हम निरोग होते हैं। इस चिकित्सा में पवित्रता, गुरु आराधना, यज्ञ, उपवास, तीर्थ ये सारी क्रियाएं तन एवं मन को शक्ति प्रदान करती हैं। चरक जैसे महान आयुर्वेद के जनक ने अपने महान ग्रंथ चरक संहिता के चिकित्सा स्थान में बुखार यानी ज्वर की चिकित्सा के बारे में कहा है-''विष्णु रं स्तुवन्नामसहस्त्रेण ज्वरान् सर्वनपोहति।'' विष्णु सहस्त्र नाम के पाठ से ज्वर का नाश होता है रोगी के द्वारा न हो सके तो विद्वान धर्मनिष्ठ से पाठ कराना हितकर है।

### शक्तिशाली वैदिक मंत्र

हमारे वैदिक मंत्र इतने शक्तिशाली व प्रभावी हैं कि रोगी को मृत्यु के मुख से निकाल सकते हैं। मंत्र विद्या हिंदू धर्म की महान खोज हैं। मंत्रों का प्रयोग विश्व में सभी सम्प्रदाय के लोग प्रारंभ कर चुके हैं। यह संसार जगत दो भागों में बंटा है एक स्थूल और दूसरा सूक्ष्म है। स्थूल हम उसे कहते हैं जो हम नेत्रों से देखते हैं जो स्थान भी घेरता है और उसका वजन भी होता है। स्थूल की शक्ति सीमित होती है। सूक्ष्म की शक्ति असीम होती है। ध्यान दें कि यह स्थूल शरीर सूक्ष्म के कारण ही चलता है, देखता है, बोलता है, भागता है जैसे ही इस शरीर से सूक्ष्म चला जाता है सारे क्रिया कलाप समाप्त हो जाते हैं। यह हजारों पर रौब गालिब करने वाला शरीर सड़ने लगता है। आदमी तो दूर यह एक चींटी का भी कुछ नहीं बिगाड़ पाता। जैसे पानी से अधिक शक्ति उसके भाप में होती है। उस वाष्प से कितने बड़े-बड़े उद्योग कारखाने चलते हैं। इस पंच तत्व का सबसे सूक्ष्म तत्व आकाश होता है और वह परम शक्तिशाली तत्व है और हमारे मंत्रों का आकाश तत्व से संबंध होता है, मंत्र आकाश तत्व से परम निकट संबंध रखते हैं शब्द या मंत्र का कार्य शरीर स्थित शक्ति केंद्रों को चैतन्य करना है। 'खं' बीज से लीवर के रोगी हैपेटाइटिस (बी) और ब्रोन्काइटिस के रोगी ठीक होते हैं। श्रीं, क्लीं, ह्रीं, हुं, फट् प्रत्येक को एकाक्षरी मंत्र कहा जाता है। एकाक्षरी मंत्र बहुत ही शक्तिशाली होते हैं। इनका प्रयोग कैसे किया जाए यह महत्वपूर्ण है। मंत्र का लघु (छोटा) होना महत्वपूर्ण है जैसे अणु कितना छोटा है और चमत्कार कितना है।

### सूर्य मंत्र का जाप

महर्षि वाग्भट्टाचार्य ने कुष्ठ रोग के निदान की औषधि बताने के बाद कहा कि सूर्य की आराधना के साथ सूर्य मंत्र का जाप, व्रत, यज्ञ इसे शीघ्र ठीक कर सकता है। मंत्र का प्रयोग आस्था विश्वास के साथ साधक रोगी के सिर पर अपना दाहिना हाथ रख कर स्वास्थ्य लाभ हेतु कहता है।

**''अच्युतानंद गोविंद नामोच्चारणभेषजात।**
**नश्यन्ति सकलारोगा: सत्यं सत्यं वदाम्यहम्।''**

हे! अच्युत, हे! अनन्त, हे! गोविंद नाम के उच्चारण से अनेक रोग नष्ट होते हैं मैं सत्य कहता हूं, मैं सत्य कहता हूं ऐसी क्रिया से रोग नाश करना होता है।

### हीलिंग वाइब्रेशन

हमारे वेद मंत्र संस्कृत भाषा में हैं, विश्व की सभी भाषाओं में यह संस्कृत भाषा ही वैज्ञानिक भाषा है। संस्कृत के श्लोक और मंत्रों में अत्यधिक हीलिंग वाइब्रेशन है। इन मंत्रों के उच्चारण से जो कंपन प्रकट होता है वह मानव मस्तिष्क की क्रियाओं को स्लोडाऊन करने की अपार क्षमता रखता है। वैदिक/पौराणिक मंत्र ब्रेन वेव्स और पल्स रेट को कम कर सकते हैं। जब सभी औषधियां विफल हो जाती हैं सारे लौकिक उपाय हाथ खड़ा कर लेते हैं तब यह मंत्र ही है जो मरणासन्न को प्राणशक्ति प्रदान करता है। मंत्र की चिकित्सा असफल नहीं होती। यह तपस्या भक्ति साधना का प्रयोग होता है जो साधक देता है। मंत्र की ध्वनि स्थूल शरीर को प्रभावित करती है। तंत्र में एकाक्षर मंत्रों का निर्धारण किया गया है। देवनागरी लिपि के अनेक प्रभावी अक्षरों के ऊपर अनुस्वार (द) लगाकर एकाक्षरी बनाया है। हमारे ऋषियों ने जैसे 'ऐ' यह महासरस्वती का बीज मंत्र है यह मस्तिष्क को शक्ति देता है मंद बुद्धि और कोमा में गए रोगी भी इससे निरोग होते हैं।

### किस बीमारी में कौनसा मंत्र?

**कैंसर रोग:** ओम नम: शिवाय शंभवे कर्केशाय नमो नम:। यह मंत्र किसी भी तरह के कैंसर रोग में लाभदायक होता है।

**मस्तिष्क रोग:** ओम उमा देवीभ्यां नम:। यह मंत्र मस्तिष्क संबंधी विभिन्न रोगों जैसे सिरदर्द, हिस्टीरिया, याददाश्त जाने आदि में लाभदायी माना जाता है।

**आंखों के रोग:** ओम शंखिनीभ्यां नम:। इस मंत्र से जातक को मोतियाबिंद सहित रतौंधी, नेत्र ज्योति कम होने आदि की परेशानी में लाभ मिलता है।

**ह्रदय रोग:** ओम नम: शिवाय संभवे व्योमेशाय नम:। ह्रदय संबंधी रोगों से अधिकांश लोग पीड़ित होते हैं। इसलिए अगर वे इस मंत्र का जप करें, तो उन्हें लाभ मिलता है।

**कान संबंधी रोग:** ओम व्हां द्वार वासिनीभ्यां नम:। कर्ण विकारों को दूर करने में यह मंत्र आश्चर्यजनक भूमिका निभाता है।

**पक्षाघात (लकवा) रोग:** ओम नम: शिवाय शंभवे खगेशाय नमो नम:।

**स्नायु रोग:** ओम धं धर्नुधारिभ्यां नम:।

कफ संबंधी रोग: ओम पद्मावतीभ्यां नम:।

**श्वास (दमा) रोग:** ओम नम: शिवाय संभवे श्वासेशाय नमो नम:।

# रात को देर से सोना कितना फायदेमंद

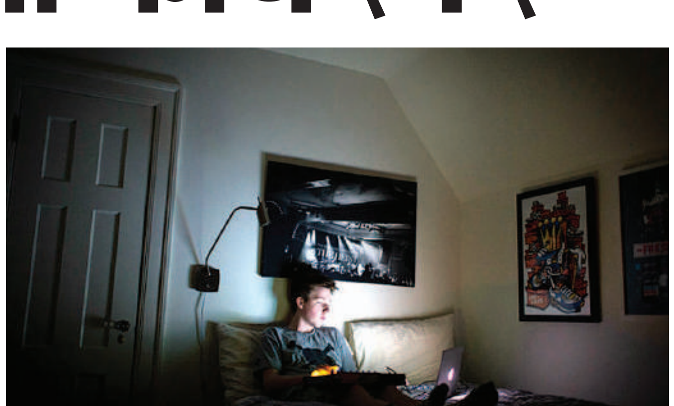

**देर से** सोने वालों के लिए आज तक सिर्फ बुरा ही माना जाता रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। देर से सोने के अपने लाभ भी है। अगर आप जल्दी सोते हैं, तो जरा इन खूबियों पर गौर करिए।

### अच्छा होता है आईक्यू लेवल

एक शोध के अनुसार जो लोग देर रात तक जागते हैं उनका आईक्यू लेवल अच्छा होता है। वो खुराफाती होते हैं और उनका दिमाग नए विचारों की प्रयोगशाला जैसा होता है। ये लोग जिज्ञासू और फुर्तीले भी होते हैं। शायद यही एक कारण है कि उल्लू एक बुद्धिमान पक्षी माना जाता है। फंडामेंटल वैज्ञानिक के अनुसार, रात में जागने वाले उल्लू में जल्द उठने वाले उल्लू की तुलना में बुद्धिमान होने की अधिक संभावना होती है।

### बेहतर गृहस्थ जीवन

देर रात तक जागने वाले लोगों की सेक्स लाइफ भी बहुत अच्छीं होती है। ये अपने साथी से देर रात तक बातें करते हैं और ऐसे जोड़ों में एक दूसरे को समय न दे पाने की समस्या कभी उत्पन्न नहीं होती है।

### कलात्मक होते हैं देर तक जागने वाले

रात में देर से सोने वाले लोग ज्यादा कलात्मक होते हैं। तब तक दिनभर की उधेड़बुन दिमाग से निकल चुकी होती हैं तो आपके दिमाग में अच्छे और क्रिएटिव विचार आते हैं। नींद विशेषज्ञ के मुताबिक, देर रात तक जागने वाले ज्यादातर लोग अधिक बहिर्मुखी रचनात्मक प्रकार जैसे कवि, कलाकार, और इन्वेन्टर होते हैं।

### बखूबी करते है हर काम

रात को देर से सोने वाले लोगों की पढ़ाई या काम आखिरी रात में होता है फिर भी बखूबी कर लेते हैं। डेडलाइन तो जैसे इनके लिए बच्चों का खेल होती है। एक अध्ययन के अनुसार, रात को देर तक जागने वाले अधिक उत्साहित महसूस करते हैं और शाम को ध्यान केंद्रित करने में ज्यादा सक्षम होते हैं।

### अकेले वक्त बिताने का मौका

ऐसे लोगों को खुद के साथ अकेले वक्त बिताने का मौका मिलता है। जब आस-पास सब सो जाएंगे, तो आप अकेले जो चाहें, जैसे चाहें कर सकते हैं।

### आज का काम आज करने की आदत

देर से सोने के कारण ये अपने दिन के सारे काम उसी दिन पूरे कर लेते हैं और कल पर कुछ नहीं छोड़ते। इनकी ये आदत ऐसे लोगों को अधिक भरोसेमंद बनाती है। लोग ऐसे लोगों पर भरोसा करते हैं और इन्हें अपने महत्वपूर्ण काम देते हैं।

### ज्यादा नींद की जरूरत नहीं

बेल्जियम और स्विट्जरलैंड के शोधकर्ताओं के अनुसार रात को देर से सोने वाले लोगों को जल्दी उठने वाले लोगों की तरह अच्छी तरह से काम करने के लिए ज्यादा नींद की जरूरत नहीं होती है।

# कमर दर्द से राहत पाने के लिए करें पैरों की मसाज

**अगर** आप भी कमर दर्द से परेशान हैं और इससे आराम का ऐसा उपाय खोज रहे हैं जो प्रभावी भी हो और पेन किलर से छुटकारा भी मिले, तो पैरों की मसाज आपके लिए मददगार हो सकती है। कमर दर्द के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन अधिकांशतः मांसपेशियों में खिंचाव और रीढ़ की हड्डी में दर्द के चलते कमर दर्द होता है। पैरों मे एक स्पाइन लाइन पर मसाज करने से कमर दर्द में राहत मिलती है।

### पैरों मे मसाज

शरीर के ज्यादातर अंग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से एक दूसरे से जुड़ें ही होते है। इसलिए कमर दर्द मे आराम के लिए आप अपने पैरों की मसाज करें से आपके स्पाइन प्वाइंट्स को आराम देकर कमरदर्द की समस्या को दूर कर देगा। पहली बार वालों के लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है पर वे जरा से प्रयास से अपने पैरों के किनारो में स्पाइन प्वाइंट्स को ढूढे। अपने पैरों को क्रॉस करके बैठें और एक पैर को अपने हाथों मे लें। इनर फुट यानि एड़ी से आगे अंगूठे तक के भाग में स्पाइन प्वाइंट्स को तलाशें। आपको स्पाइन लाइन और शरीर के बाकी भाग आसानी से अलग अलग दिख जाएंगे। स्पाइन लाइन पर अपने हाथों के अंगूठे के मदद से हल्का दबाव बनायें। अगर आपकी कमर में दर्द है तो आपको आसानी से वो प्वाइंट मिल जाएगा। ऐया करते समय आपको दिखेगा कि इन प्वाइंट्स में दर्द और सूजन है। इनको हल्के हल्के से मसाज करने से आपके कमर के दर्द को आराम मिलेगा। साथ ही ये तनाव को भी दूर करता है।

### कमरदर्द के दूर करने के अन्य तरीके

पैरों के नीचे तकिया लगाने से नींद तो अच्छी आएगी ही, साथ ही कमर दर्द से भी राहत मिलेगी। पैरों के नीचे तकिया लगाने से कमर पर कम दबाव पड़ेगा। एक्सपर्ट बताते हैं कि पीठ के बल सोते समय करीब 55 पौंड वजन रीढ़ की हड्डी पर रहता है। अगर घुटने के नीचे तकिया लगाया जाए, तो रीढ़ पर पड़ने वाला यह वजन आधा हो जाता है। कमर दर्द से बचने के लिए सही पोजिशन में बैठना भी जरूरी है। काम की दौरान सही मुद्रा में बैठने से रीढ़ की हड्डी को झुकने से बचाया जा सकता है।

खराब पोश्चर में बैठने से रीढ़ में अकड़न और खिंचाव आने का खतरा रहता है।अगर आप लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहते हैं, तो इससे रीढ़ की हड्डी में विकृति भी आ सकती है। इसके अलावा कंधे झुकाकर बैठने, चलने और एक पैर मोड़कर खड़े होने से बचें। मसाज वैसे तो सुरक्षित होती है, लेकिन आप गर्भवती हैं या कैंसर, ब्लड क्लॉट, फ्रैक्चर, खुला घाव या आर्थराइटिस है तो मसाज के बाद आपके लिए खतरा बढ़ सकता है। मसाज कराने से पहले भारी खाना न खाएं।

संपादकीय

# किस ब्रह्मांड में हैं ट्रंप

प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड के एक मंच से आगाह किया है कि यह आपदाओं का दशक बन गया है। यदि पश्चिम एशिया युद्ध के हालात नहीं बदले, युद्ध नहीं थमा, तो दशकों की कई उपलब्धियों पर पानी फिर जाएगा। दुनिया की बड़ी आबादी फिर से गरीबी के दलदल में फंस जाएगी। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भी कहा है कि ऊर्जा-संकट अभी इतना बढ़ेगा कि दुनिया में आर्थिक महामंदी का दौर शुरू हो सकता है। होर्मुज अभी खुलता नहीं लग रहा, बल्कि समंदर का तनाव और बढ़ेगा। जंग अभी जारी रहेगी, लिहाजा हमें इन स्थितियों के लिए तैयार रहना है और मुकाबला भी करना है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली सरीखे विकसित देशों की अपनी चिंताएं हैं, क्योंकि तेल-गैस की उनकी सप्लाई चेन भी बहुत प्रभावित हुई है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप न जाने किस ब्रह्मांड में रहते हैं? कैसे आत्म-मुग्ध, साम्राज्यवादी, आक्रांता किस्म के, कब्जेबाज राष्ट्रपति हैं, जिसे दुनिया की चिंता भी नहीं है और उसके प्रति सरोकार भी 'शून्य' है। ट्रंप चीन प्रवास से खाली हाथ, नाकाम, फ्लॉप, समझौते के बिना, ईरान युद्ध के किसी समाधान के बिना और ताइवान पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 'युद्ध-सी' चेतावनी सुनकर लौटे हैं और ईरान पर नए आक्रमण की रणनीति में जुट गए हैं। उनके अपने देश अमरीका में मुद्रास्फीति बढ़ गई है। पेट्रोल-डीजल 44-48 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, जबकि अमरीका खुद तेल-उत्पादक और निर्यातक देश है। विश्व में हाहाकार मची है। जापान जैसे देश को अपना तेल रिजर्व खोलना पड़ा है, ताकि देश में आपूर्ति बराबर बनी रहे। कच्चे तेल की कीमतें 108 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुकी हैं। कच्चा तेल औसतन 51 फीसदी महंगा हुआ है। यूरिया और अमोनिया 65 फीसदी और बुटान (हाइड्रोकॉर्बन गैस) 51 फीसदी से अधिक महंगे हुए हैं। यह कोई अस्थायी बाधा और सामान्य स्थिति नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी का आकलन है कि ईरान युद्ध के कारण दुनिया के 4.5 करोड़ लोग भुखमरी के शिकार हो सकते हैं। क्या ट्रंप को इन स्थितियों का एहसास तक नहीं है? क्या वह विश्व-विजयी आक्रांता साबित होना चाहते हैं? राष्ट्रपति ट्रंप के सौजन्य से ऐसी खबरें 'न्यूयॉर्क टाइम्स' जैसे मीडिया में छपी हैं कि ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम और संवर्धित यूरेनियम (करीब 450 किग्रा.) पर कब्जा करने की सैन्य व्यूह-रचना करवा रहे हैं। यह कौन-सी कूटनीति है? अभी तक के युद्ध में तो अमरीका ईरान के परमाणु कार्यक्रम की परछाईं तक ढूंढ नहीं सका है और अब तो रूस, चीन उसे बराबर मदद दे रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप चीन गए थे, लेकिन चीन के प्रति इतना घोर अविश्वास और संदेह है कि चीन ने जो उपहार दिए थे, उन्हें हवाई अड्डे पर ही कूड़ेदान में डलवा कर नष्ट करा दिया गया। हैकिंग और जासूसी के उपकरणों का शक... ! चीन ने सेमीकंडक्टर चिप, दुर्लभ खनिज, बोइंग विमान, बिजली के वाहन, आपसी व्यापार समझौते आदि पर कोई ठोस बात ही नहीं की, समझौता तो दूर की कौड़ी है। राष्ट्रपति ट्रंप तो अपने ही ब्रह्मांड में रहते हैं, बेशक गालबजाई करते रहें कि चीन दौरा बेहद सफल रहा। हकीकत यह है कि ट्रंप चीन से खाली हाथ लौटे हैं, लिहाजा गुस्से और कुंठा में ईरान पर नए आक्रमण की बात कर रहे हैं। पेंटागन के कमांडरों को युद्ध की तैयारियां करने के अघोषित आदेश दिए जा चुके हैं। हकीकत यह भी है कि चीन और रूस की मदद से ईरान युद्ध के मोर्चे पर अब भी डटा है और पलटवार की चेतावनियां भी जारी कर रहा है। भारत में लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। शनिवार को देश के अलग-अलग हिस्सों में गिग वर्कर्स ने दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक प्रतीकात्मक हड़ताल रखी। गिग की संख्या देश भर में 1.2 करोड़ से अधिक बताई जाती है। कैब सेवाएं, ट्रक आदि ने भी हड़ताल के संकेत दिए हैं। हमारे देश में तेल कंपनियों ने 2022 के बाद पेट्रोल-डीजल के दाम 3-3 रुपए बढ़ाए हैं। उसी पर चीखा-चिल्ली मची है। विशेषज्ञ मानते हैं कि ये दाम 20-30 रुपए तक बढ़ेंगे, तभी तेल कंपनियों के घाटे पूरे होंगे और वे मुनाफा कमाने लगेंगी। अगर हालात सामन्य नहीं हुए तो आने वाला समय और ज्यादा संकट वाला होगा। फिलहाल तो वैश्विक संकट देखते रहिए।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भी कहा है कि ऊर्जा-संकट अभी इतना बढ़ेगा कि दुनिया में आर्थिक महामंदी का दौर शुरू हो सकता है। होर्मुज अभी खुलता नहीं लग रहा, बल्कि समंदर का तनाव और बढ़ेगा। जंग अभी जारी रहेगी, लिहाजा हमें इन स्थितियों के लिए तैयार रहना है और मुकाबला भी करना है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली सरीखे विकसित देशों की अपनी चिंताएं हैं, क्योंकि तेल-गैस की उनकी सप्लाई चेन भी बहुत प्रभावित हुई है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप न जाने किस ब्रह्मांड में रहते हैं? कैसे आत्म-मुग्ध, साम्राज्यवादी, आक्रांता किस्म के, कब्जेबाज राष्ट्रपति हैं, जिसे दुनिया की चिंता भी नहीं है और उसके प्रति सरोकार भी 'शून्य' है। ट्रंप चीन प्रवास से खाली हाथ, नाकाम, फ्लॉप, समझौते के बिना, ईरान युद्ध के किसी समाधान के बिना और ताइवान पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 'युद्ध-सी' चेतावनी सुनकर लौटे हैं और ईरान पर नए आक्रमण की रणनीति में जुट गए हैं। उनके अपने देश अमरीका में मुद्रास्फीति बढ़ गई है। पेट्रोल-डीजल 44-48 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, जबकि अमरीका खुद तेल-उत्पादक और निर्यातक देश है।

### अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं

# चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है। आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है। विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में "जी-2" यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रूवीय

व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रूवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है। भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए। भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर "चाइना प्लस वन" रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है।

किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए। भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस "वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर" की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है। आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रूवीय बनाए रखने में सक्षम है।

भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है। आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

कुछ अलग

# देश विरोधी सोच

देश विरोधी सोच देश के राजनेता और राजनीतिक पार्टियों को जब अपने से ज्यादा दूसरे के हितों की किसी भी कारणवश चिन्ता सताए तो उस देश का बंटाधार होना निश्चित है। भारत सरकार अपने बड़े सुरक्षा रणनीतिक उद्देश्य के लिए ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के एकदम निकट स्थित है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त मागरे में से एक है। इस क्षेत्र में मजबूत मौजूदगी होने से भारत वैश्विक समुद्री मार्गो और हिन्द महासागर में चीनी गतिविधियों पर नजर रख सकेगा। चीन की चिन्ता को अपनी चिन्ता मानने वाले भारतीय नेताओं का सक्रिय होना स्वाभाविक है। इसीलिए जब रविवार को कांग्रेस के एक बड़े नेता और चीन के भारत में प्रचण्ड समर्थक जयराम रमेश ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर दोबारा अनुरोध किया कि ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया जाए क्योंकि इससे न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान होगा बल्कि स्थानीय आदिवासी समुदाय की भावनाओं की उपेक्षा भी होगी। दरअसल जयराम रमेश ने इस मेगा प्रोजेक्ट के खिलाफ पहले भी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर पाटी की तरफ से अपनी चिन्ता व्यक्त कर चुके हैं। इसके बाद पाटी के शीर्ष नेता राहुल गांधी ने भी उन क्षेत्रों का दौरा किया जहां भारत सरकार ने 92000 करोड़ रुपए से इस अति महत्वाकांक्षी परियोजना का श्री गणेश करने जा रही है। सवाल यूं ही नहीं पूछे जाते कि कांग्रेस और चीन के बीच यह वैसा रिश्ता है कि जब भी चीनी हितों को भारतीय नीति, रणनीति या निर्माण से चुनौती की संभावना होती है तो इस पाटी के नेताओं के पेट में ऐंठन शुरू हो जाती है। यह सच है कि पर्यावरण देश की बहुत बड़ी चिन्ता है किन्तु जो रणनीतिक अथवा व्यापारिक परियोजनाएं अपरिहार्य हैं।

देश दुनीया से

# 'नीट पेपर लीक' शर्मनाक और पीड़ादायक

जी हां, 'नीट' यानी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा-2026 का पेपर लीक होने के कारण इसे रद्द कर दिया गया है। इस परीक्षा से उत्तीर्ण और चयनित विद्यार्थी डाक्टर बन कर देश के लोगों की सेहत का ख्याल रखते हैं लेकिन जब चयन प्रणाली व्यवस्था की सेहत अच्छी ना हो तो क्या किया जा सकता है? यह परीक्षा 'एनटीए' यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा संचालित की जाती है। यह घटना शर्मनाक ही नहीं बल्कि हमारे युवा विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत पर बिना किसी कसूर के पानी फिरना है। इस प्रकरण ने करोड़ों बच्चों और उनके परिजनों के त्याग, संघर्ष और सपनों और अरमानों की हत्या की है। इस प्रकरण ने विद्यार्थियों और उनके परिजनों को भीतर तक झकझोर कर रख दिया है। पेपर लीक होना, लोगों से धोखा होना भारतवर्ष में एक आम बात हो गई है। यह सरकारों और व्यवस्थाओं की नाकामी, परीक्षा प्रणाली की विफलता और बच्चों के सपनों की हत्या है चारों ओर व्यवस्थाओं की बदहाली का आलम और व्यवस्थाओं की नाकामियों का मातम है। यह पहली बार नहीं बल्कि पहले भी कई बार घटित होकर एक प्रचलन सा हो गया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। भारतवर्ष में 'नीट' महज एक परीक्षा नहीं बल्कि एक वार्षिक उत्सव है जो कि मध्यम वर्गीय परिवारों के सपनों, संघर्षों तथा उन्नति की आकांशा का प्रतीक है। छोटे से गांवों, मुहल्लों और कस्बों से सीमित संसाधनों में कड़े परिश्रम तथा संघर्ष करने के बाद इस परीक्षा के दरवाजे पर पहुंचते हैं। ऐसे में इस राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा का रद्द होना उन्हें जीते जी मार देने से कम नहीं है। यह विद्यार्थियों की मानसिक हत्या और उनके मनोबल को तोडने का अपराधिक मामला है। इस शर्मनाक घटना से करोड़ों विद्यार्थियों की आंखों में आंसू हैं। अभिभावक स्तब्ध और भौचक्के हो गए हैं। उनके सामने विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर संशय और असमंजसस की स्थिति है। एक से अधिक बार परीक्षा देने वाले और आशावान परीक्षार्थी मानसिक तनाव में हो चुके हैं। परीक्षा में दोबारा प्रस्तुत होने का अर्थ है कठोर मानसिक, बौद्धिक और

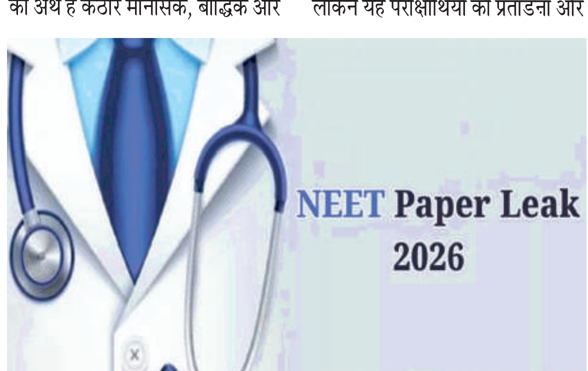


शारीरिक पीड़ा। फिर वही मानसिक दबाव, फिर वही तैयारी और फिर वही असमंजस की स्थिति। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में निष्पक्षता, अनैतिकता या किसी प्रकार का भ्रष्टाचार होना व्यवस्था पर भरोसा समाप्त होना ही है। इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण ने व्यैक्तिक, पारिवारिक, सामाजिक राजनैतिक तथा प्रशासनिक तंत्र की नींव हिला कर रख दी है। पिछले कुछ वर्षों से इस तरह की घटनाएं होना आम बात हो गई हैं। अनेकों प्रतियोगी परीक्षाएं पेपर लीक, तकनीकी गड़बडियों और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं का शिकार हो चुकी हैं। प्रतियोगी अब ये समझने लगे हैं कि परीक्षाओं में सफलता, मेहनत तथा परिश्रम के दम पर नहीं बल्कि पैसा बहाने, भ्रष्टाचार, तकनीकी कमजोरियों, भ्रष्ट नेटवर्क तथा पेपर लीक होने से मिलती है। परीक्षाओं का विवादास्पद होना, लीक होना और रद्द हो जाना, मीडिया की धींगामुश्ती, आरोप-प्रत्यारोप, जांच एजेंसियों की कार्रवाई, माननीय न्यायालयों का हस्तक्षेप, तथा पुनः परीक्षा होना एक रिवायत सी हो गई है। कुछ भी हो लेकिन यह परीक्षार्थियों की प्रताडन्ना और उनके अरमानों की हत्या है। बार-बार ऐसा होने से अविश्वास पैदा होगा, अनैतिक प्रकरणों की पुनरावृत्ति होगी तथा समाज में अराजकता होगी। शैक्षिक, सामाजिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण से यह बहुत ही संवेदनशील विषय है। यदि देश की सबसे महत्त्वपूर्ण परीक्षाओं की गोपनीयता सुरक्षित नहीं है तो व्यवस्था, सरकार तथा प्रशासनिक तंत्र पर प्रश्न तो खड़े होंगे ही। पेपर लीक होने से देश के लगभग 400 से 500 करोड़ रुपए पर पानी फिर गया है। परीक्षा दोबारा होने से फिर इतना ही पैसा और खर्च होगा और अविश्वसनीयता और असमंजस फिर बना रहेगा। आवश्यक यह है कि इस पेपर लीक प्रकरण में गंभीरता से जाच होनी चाहिए और अपराधियों, साजिशकर्ताओं तथा दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानून कार्यवाही होनी चाहिए। यह एक अपराधिक मामला है जिसने करोड़ों जीवित युवाओं को अंधकार और असमंजसस की स्थिति में धकेल दिया है। उनके सपनों की हत्या की है और उनकी कड़ी मेहनत और तपस्या पर पानी फेर दिया है। ये घटनाएं राष्ट्रीय दृष्टि से शर्मनाक, खेदजनक और पीड़ादायक हैं। ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण युवाओं के मनोबल को तोड़ते हैं और हताशा, निराशा, मानसिक अवसाद तथा आत्म हत्याओं के लिए उकसाते हैं। इस स्थिति में बच्चों के अभिभावकों को बहुत ही सजग तथा संवेदनशील होने की आवश्यकता है। यह समय अभिभावकों के लिए भी बहुत ही कष्ट, परेशानी और पीड़ादायक है इस समय उन्हें बहुत ही धैर्य से काम लेने की आवश्यकता है। अभिभावकों को अपने बच्चों का पूर्ण ध्यान रख कर उनके मनोबल को बढ़ाने की आवश्यकता है। इस समय बच्चों के साथ संवेदनशील होने की आवश्यकता है। हैरानी है कि हम कैसे भारत में जी रहे हैं? जहां हम अनैतिक, अव्यावहारिक तरीके से योग्य उम्मीदवारों की छाती पर पांव रख कर, उन्हें रौंद कर सफलता की सीढियां चढना चाहते हैं। यह युवाओं के भविष्य के साथ-साथ देश के भविष्य का भी सवाल है। परीक्षा माफिया, संगठित गिरोह तथा सरगना बेखौफ और बेलगाम होकर बार-बार बच्चों को निराश और हताश कर उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह विषय राजनैतिक हितों से ऊपर है इसे केवल राजनैतिक चश्में से नहीं देखा जा सकता।

आप का नजरीया

# महज पर्यावरण राज्य नहीं रह सकते

मसले पर्यावरण की छाती में छेद करेंगे, तो ग्रीन ट्रिब्यूनल तक पहुंचेंगे और विकास के खोटे नाम दिखाई देंगे। कुल्लू शहर में नेहरू पार्क के एक कोने पर बिछी डंपिंग की इबारत पढ़ी गई और साथ ही मैटीरियल रिकवरी सुविधा पर ग्रीन ट्रिब्यूनल ने आंखें तरेरी हैं। यह कोई चमत्कार नहीं बल्कि कुल्लू सीनियर सिटीजन काउंसिल के सरोकार हैं, जो पार्क को पार्क ही रहने की गुजारिश में ग्रीन ट्रिब्यूनल और हाईकोर्ट पहुंच गए, वरना नगर परिषद को पार्क जैसी जगह पर कूड़े-कचरे की छंटाई का शेड कहीं रास आ रहा था। ऐसे ही एक दूसरे मामले में परौर का राधास्वामी सत्संग की गतिविधियों पर एनजीटी की आपत्तियां सामने आई हैं। सत्संग की परिधि में घायल हुए जंगल की बात एक तरफ यहां तो विस्तार की ऐसी प्रथा शुरू हुई कि साथ बहते नाले और खड्डें तक आहत हो गईं यानी बरसात से पहले प्राकृतिक जल निकासी पर ही प्रहार हो गया। हिमाचल में ऐसे प्रभाव की निशानियां कमोबेश हर रास्ते पर खड़ी हैं। सडक़ें, मैदान और खड्डें डंपिंग ग्राउंड बनी हैं, तो इसकी वजह भी समझनी होगी। यहां कुल्लू नगर परिषद अपनी प्राथमिकताओं को मजबूरी समझ कर दायित्व के कचरे को वहां फेंक रही हैं, जहां शहर के फेफड़े नागरिकों को खुले में सांस का प्रबंध करते हैं। दूसरी ओर सत्संग के नाम पर लूट है या प्रभाव के कारण यह संस्था स्थानीय बेहतरी को गौण कर रही है। हिमाचल में ऐसी कुछ संस्थाएं दरअसल जमीन के साथ-साथ पर्यावरण की ही नहीं, बल्कि व्यवस्था की भी सौदागर बन रही हैं। परौर के समागम ऐसे मोड़ पर खड़े होते हैं कि आम यात्रियों के लिए यह समय कष्टकारी हो जाता है। बेशक सामाजिक तबके में राधास्वामी सत्संग की मान्यता का पुरुषार्थ काम करता है, लेकिन संस्थान के बाहर आम नागरिकों की रूह तपती है। संस्थान चाहता तो पूरे परौर गांव को गोद में लेकर शांति के कई उपवन स्थापित कर सकता था, लेकिन अब यह चारदीवारी के भीतर महिमामंडन का ऐसा प्रयोग बन रहा है, जो परिवेश के सहअस्तित्व के प्राकृतिक व सांस्कृतिक संयोग को ही दुर्योग में बदल रहा है।

बहरहाल, हम स्थानीय निकायों के दौर से निकल रहे हैं, अंततः ऐसे उदाहरणों पर जनता की राय को सशक्त कर सकते हैं। पर्यावरण के मसले जरूर उठाने चाहिएं, मगर यह एक तरफा मजबून नहीं हो सकते। हम पर्यावरण को पहाड़ या जंगल मानकर मानवजीवन की जरूरतों को पिंजरे में बंद नहीं कर सकते। हिमाचल ने जब वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सौ फीसदी हामी भरी तब हम मात्र पांच प्रतिशत शहरी थे। उस समय नौकरी केवल सरकारी या फौज में भर्ती की तैयारी थी। अब स्वरोजगार के लिए अतिरिक्त जगह चाहिए, व्यापार के लिए भूमि चाहिए, नागरिक सुविधाओं और प्रशासनिक ढांचे के लिए जमीन चाहिए। शहर बदल रहे हैं, गांव बड़े हो रहे हैं। हिमाचल आधुनिकता के बोध, आर्थिक क्षमता की ओर तथा संपन्नता के साथ गांव तक की तस्वीर बदल रहा है। वाहन अगर गांव-शहर की गली में नहीं घुसेंगे, तो सडक़ों पर आएंगे। आवासीय या व्यावसायिक दृष्टि से पहाड़ छंटेंगे, तो मलबा सडक़ों पर आएगा। अगर हिमाचल के ही पंजीकृत 25 लाख के करीब वाहनों को पार्किंग चाहिए, तो कितने वर्ग किलोमीटर जगह चाहिए और इसमें पर्यटक और बाहरी वाहन जोड़ दें, तो जगह खोजते ही रह जाएंगे। कुल्लू की तरह हर शहर को डंपिंग ग्राउंड चाहिए, तो यह जमीन जंगल की गोद से आएगी। विडंबना यह है कि हिमाचल को पर्यावरण राज्य बनाने की शर्तें थोपते-थोपते यह प्रदेश जंगल हो गया। यहां सुविधाओं के मुखौटे लिए सभी भाग रहे हैं, लेकिन जगह की पैमाइश कब पूरी होगी, कोई नहीं जानता। जाहिर है हिमाचल को जंगल से आय और जंगल से ही जमीन चाहिए, लेकिन इस हकीकत पर सरकारें कुछ खास करती नहीं।

कुल्लू शहर में नेहरू पार्क के एक कोने पर बिछी डंपिंग की इबारत पढ़ी गई और साथ ही मैटीरियल रिकवरी सुविधा पर ग्रीन ट्रिब्यूनल ने आंखें तरेरी हैं। यह कोई चमत्कार नहीं बल्कि कुल्लू सीनियर सिटीजन काउंसिल के सरोकार हैं, जो पार्क को पार्क ही रहने की गुजारिश में ग्रीन ट्रिब्यूनल और हाईकोर्ट पहुंच गए, वरना नगर परिषद को पार्क जैसी जगह पर कूड़े-कचरे की छंटाई का शेड कहीं रास आ रहा था। ऐसे ही एक दूसरे मामले में परौर का राधास्वामी सत्संग की गतिविधियों पर एनजीटी की आपत्तियां सामने आई हैं। सत्संग की परिधि में घायल हुए जंगल की बात एक तरफ यहां तो विस्तार की ऐसी प्रथा शुरू हुई कि साथ बहते नाले और खड्डें तक आहत हो गईं यानी बरसात से पहले प्राकृतिक जल निकासी पर ही प्रहार हो गया। हिमाचल में ऐसे प्रभाव की निशानियां कमोबेश हर रास्ते पर खड़ी हैं। सडक़ें, मैदान और खड्डें डंपिंग ग्राउंड बनी हैं, तो इसकी वजह भी समझनी होगी। यहां कुल्लू नगर परिषद अपनी प्राथमिकताओं को मजबूरी समझ कर दायित्व के कचरे को वहां फेंक रही हैं, जहां शहर के फेफड़े नागरिकों को खुले में सांस का प्रबंध करते हैं। दूसरी ओर सत्संग के नाम पर लूट है या प्रभाव के कारण यह संस्था स्थानीय बेहतरी को गौण कर रही है। हिमाचल में ऐसी कुछ संस्थाएं दरअसल जमीन के साथ-साथ पर्यावरण की ही नहीं, बल्कि व्यवस्था की भी सौदागर बन रही हैं।

दृष्टि कोण

# महंगाई से आम आदमी की जेब ढीली

इन दिनों पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक भूराजनीतिक चुनौतियों के बीच देश में महंगाई बढने की चुनौती उभरकर दिखाई दे रही है। हाल ही में 15 मई को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपए की वृद्धि की गई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में अप्रैल 2026 में थोक महंगाई बढक़र 8.3 प्रतिशत और खुदरा महंगाई बढक़र 3.48 प्रतिशत हो गई है। इसी तरह महंगाई से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में भी भारत में महंगाई बढने के विश्लेषण प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इस बढ़ती हुई महंगाई से जहां आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन में मुश्किलें बढ़ रही हैं, वहीं अर्थव्यवस्था की विकास रफ्तार धीमी हो रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली के दौरान वैश्विक ऊर्जा संकट के मद्देनजर देशवासियों से पेट्रोल, डीजल और गैस का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत के पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं। ऐसे में पश्चिम एशियाई संकट के कारण नागरिकों को यह जिम्मेदारी निभानी होगी कि वे जहां तक संभव हो मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। इलेक्ट्रिक कारों और कार पूलिंग को प्राथमिकता दें। साथ ही कोरोना काल की तरह वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन मीटिंग्स को बढ़ावा दें। देश और दुनिया के अर्थ विशेषज्ञ भी भारत को पश्चिम एशिया संकट के झटकों और वैश्विक अनिश्चितता के लिए खुद को तैयार रखने संबंधी टिप्पणियां करते हुए दिखाई दे रहे हैं। 13 मई को रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गर्वनर संजय मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई का दबाव बढने पर अब नीतिगत रीपो रेट में वृद्धि की कार्रवाई की जानी होगी। गौरतलब है कि इन दिनों पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में तेजी और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं से भारत में महंगाई बढने लगी है। उल्लेखनीय है कि 15 मई को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि के साथ-साथ एक मई से 19

किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 993 रुपए और 5 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 549 रुपए की बढ़ोतरी का असर रेस्टोरेंट, ढाबों और रोजमर्रा के काम में एलपीजी का इस्तेमाल करने वाले व्यवसायों की लागत बढने के रूप में दिखाई देने लगा है। इस बड़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर होने से महंगाई बढने लगी है। पेट्रोलियम मंत्रालय का आकलन है कि सरकारी क्षेत्र की तीनों तेल कंपनियों इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम को संयुक्त तौर पर हर माह करीब 30 हजार करोड़ रुपए का घाटा हो रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि जिस तेजी से दुनिया के विभिन्न देशों में महंगाई बढ़ रही है, उसकी तुलना में भारत में महंगाई बढने की दर कम है, लेकिन महंगाई बढने की प्रवृत्ति उभरकर दिखाई दे रही है। एशियाई विकास बैंक के द्वारा 10 मई को प्रस्तुत रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष 2026 में भारत में महंगाई 6.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच सकती है। इसी तरह प्रमुख कंसल्टेसी फर्म ईवाई इंडिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशियाई संकट के कारण भारत में वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई दर 6 प्रतिशत के ऊपरी स्तर को छू सकती है। उल्लेखनीय है कि 8 मई को क्रिसिल के द्वारा प्रकाशित ताजा 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2026 में घर पर बनी शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत बढ़ गई है। देश में आम आदमी के जीवन से जुड़ी वस्तुएं, रसोई से लेकर कपड़े और घरेलू उपकरण आदि महंगे होते हुए दिखाई दे रहे हैं।

# द्रविड़ का करियर बचाने उन्हें विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी थी : सौरव गांगुली

कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि साल 2003 एकदिवसीय विश्वकप से पहले राहुल द्रविड़ को टीम में रखने पर सवाल उठने लगे थे पर उस समय उन्होंने चयनकर्ताओं के खिलाफ जाकर उन्हें टीम में बनाये रखा था। इसके लिए उन्हें टीम का ढ़ांच तक बदलना पड़ा था। इसी के तहत ही द्रविड़ को विकेटकीपर की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गयी। गांगुली के अनुसार, 2000 के दशक की शुरुआत में, विशेष रूप से 2003 विश्व कप से पहले द्रविड़ की एकदिवसीय टीम में जगह को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे थे। चयनकर्ता और विशेषज्ञ उनके स्ट्राइक रेट से संतुष्ट नहीं थे। ऐसे में कहा जा रहा था कि द्रविड की जगह किसी और खिलाड़ी को मौका दिया जाना चाहिए पर मैंने उन्हें नहीं छोड़ा, क्योंकि अगर मैंने उन्हें छोड़ दिया होता, तो उनका करियर समाप्त हो सकता था।

इस हालात में गांगुली ने एक साहसिक फैसला लेकर न केवल द्रविड़ का करियर बचाया बल्कि भारतीय टीम को एक नई दिशा भी दी। उस समय टीम को एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज की सख्त जरूरत थी जो मध्य क्रम में बल्लेबाजी कर सके। गांगुली ने इस समस्या को समझाते हुए कहा कि द्रविड़ को विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी। तब के समय में श्रीलंका के पास कुमार संगकारा, दक्षिण अफ्रीका के पास मार्क बाउचर और आस्ट्रेलिया के पास एडम गिलक्रिस्ट जैसे बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाज थे, जबकि भारत की बल्लेबाजी छठे नंबर पर समाप्त हो जाती थी। इस कमी को पूरा करने के लिए, गांगुली ने द्रविड़ को मध्य क्रम में बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी सौंपी।

यह फैसला भारतीय क्रिकेट के लिए सफल रहा। इस कदम से न केवल टीम को मजबूती मिली और बल्लेबाजी का क्रम निचले पायदान तक बढ़ गया, जिससे सातवें नंबर पर मोहम्मद कैफ जैसे बल्लेबाज को मौका देना संभव हो सका। गांगुली ने यह भी बताया कि उस समय भारतीय टीम में आलराउंडरों की भी कमी थी। उन्होंने कहा, हमारे पास उस तरह का आलराउंडर नहीं था। इसलिए वीरेन्द्र सहवाग से लेकर सचिन तेंदुकर और युवराज सिंह के अलावा मैंने भी गेंदबाजी की। यह दर्शाता है कि उस दौर में टीम को संतुलन प्रदान करने के लिए कितने प्रकार के प्रयासों की जरुरत थी। द्रविड़ ने कई सालों तक इस दोहरी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और अपनी शानदार बल्लेबाजी और भरोसेमंद विकेटकीपिंग से टीम के लिए अमूल्य योगदान दिया।

## न्यूज ब्रीफ

### ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं बेकहम

**लंदन।** इंग्लैंड की फुटबाल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम खेल के साथ ही कमाई के मामले में भी अव्वल

हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बेकहम अब ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में आ गये हैं उनकी संपत्ति एक अरब पाउंड से ऊपर निकल गयी है। बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है। इससे वह संपत्ति के मामले में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। बेकहम को कई जगह से आय होती है। वह अभी अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के सह-मालिक हैं, जिसे मेजर लीग साकर (एमएलएस) की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी माना जाता है। इस क्लब की अनुमानित कीमत 1.45 अरब डालर (लगभग 1.07 अरब पाउंड) है, जो खेल प्रबंधन में बेकहम की दूरदर्शिता और निवेश की सफलता को दर्शाता है। बेकहम एडिडास और ह्यूगो बास जैसी वैश्विक कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी भारी कमाई करते हैं। उनकी पत्नी विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके सफल फैशन लेबल से आती है। स्पाइस गर्ल्स की सदस्य के रूप में अपनी शुरुआती प्रसिद्धि के बाद, विक्टोरिया ने एक सफल उद्यमी और फैशन डिजाइनर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वहीं पूर्व फार्मूला 1 बास बर्नी एक्लेस्टोन को परिवार संपत्ति के मामले में पहले नंबर पर बना हुआ है। उनके परिवार की संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। एक्लेस्टोन परिवार की संपत्ति खेल प्रबंधन और व्यवसाय से जुड़ी है, जबकि बेकहम ने पहले खिलाड़ी और उसके बाद कारोबारी के तौर पर काम किया है। वहीं बेकहम के अलावा उत्तरी आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैक्लराय भी 325 मिलियन पाउंड की संपत्ति के साथ शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। लगातार दो मास्टर्स चैंपियनशिप जीतने के बाद हासिल हुई सफलता और वैश्विक ब्रांड अपील से उनकी आय बढ़ी है।

### वैभव को टी20 टीम में शामिल करें : रवि शास्त्री

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने कहा है कि वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है। ऐसे में उसे भारतीय टी20 टीम में जगह दी जानी चाहिये। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में लगातार दूसरे साल वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से धूम मचाई हुई है। ऐसे में शास्त्री ने चयनकर्ताओं से अपील की है कि उन्हें शीघ्र ही टीम में जगह दी जानी चाहिये। साथ ही सुझाव दिया कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए भी वैभव को शामिल करना सबसे अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा, उन्हें टी20 में मौका देना सही होगा क्योंकि अगर आप किसी युवा खिलाड़ी को जल्दी टीम में शामिल करना चाहते हैं, तो यह प्रारुप सबसे उपयुक्त है। शास्त्री ने वैभव की प्रतिभा को सराहते हुए कहा, वह किसी भी लिहाज से कम नहीं है। यह खिलाड़ी इस समय दुनिया की कई टीमों में खेल सकता है। जब आप उसकी युवा ऊर्जा देखते हैं, तो वह उसके चेहरे पर साफ नजर आती है। 15 साल के इस बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ने पिछले कुछ महीनों में असाधारण प्रदर्शन किया है। इसी साल की शुरुआत में, उन्होंने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में टीम की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

### ऋषभ को टेस्ट प्रारुप में उपकप्तानी से हटा सकता है बीसीसीआई

**मुम्बई।** पिछले कुछ समय से लगातार फार्म से बाहर चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज

ऋषभ पंत की मुश्किलें बढ़ने जा रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब उन्हें टेस्ट मैच में उपकप्तानी से भी हटाने पर विचार कर रहा है। बीसीसीआई मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम घोषित करने वाला है। जून में होने वाले इस मैच के लिए ऋषभ को शायद ही उपकप्तान रखा जाये। यह एकमात्र टेस्ट मैच 6 से 10 जून के बीच खेला जाएगा, जिसके बाद तीन एकदिवीसय मैच 14, 17 और 20 जून को खेले जाएंगे। उसमें भी उनकी जगह खतरे में नजर आ रही है क्योंकि सीमित ओवरों के प्रारुप में भी उनका प्रदर्शन गिरा है। गौरतलब है कि जिस प्रकार से ऋषभ की कप्तानी में लगातार दूसरे सत्र में भी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम आईपीएल में असफल हुई है। उससे ऋषभ बोर्ड का भरोसा खो चुके हैं। लीग में वह न तो रन बना पाये और न ही टीम को जीत दिला पाये। उनकी कप्तानी भी बेहद खराब रही। टीम जहां पिछले सत्र में सातवें नंबर पर रही थी। वहीं इस सत्र में दसवें स्थान पर खिसक गयी। अब तक के दोनो ही सत्र में उनकी कप्तानी पर सवाल उठे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड को मुख्य चिंता इस बात को लेकर है कि कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी से उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हुई है। ऐसे में चयनकर्ता नहीं चाहते कि उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हो।

## ईशान किशन और क्लासेन की अद्भुत पारी, CSK पर जीत से प्लेऑफ में SRH, शुभमन गिल की GT को बड़ा गिफ्ट

चेन्नई: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 63वां मैच आज यानी 18 मई को चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में हैदराबाद ने चेन्नई को 5विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ सनराइजर्स हैदराबाद के 16 अंक हो गए हैं और वे प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर गए हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के अलावा गुजरात टाइटंस भी प्लेऑफ में अपनी जगह बना चुकी है। उनके भी 16 अंक हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। ऐसे में अब प्लेऑफ के लिए सिर्फ एक स्पॉट रह गया है।

उस स्पॉट के लिए पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइटराइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच लड़ाई है।

**कुछ ऐसी रही चेन्नई सुपर किंग्स की पारी**

एमए चिदंबरम स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 180 रन बनाए। इस टीम को संजू सैसमन और ऋतुराज गायकवाड़ की जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 2.3 ओवरों में 31 रन की साझेदारी की।

संजू 13 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद उर्विल पटेल (13) ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के साथ दूसरे विकेट के लिए 17 रन की साझेदारी की।

गायकवाड़ ने कार्तिक शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 42 रन जुटाकर टीम को 90 के स्कोर तक पहुंचाया। कार्तिक 19 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 2 छक्के और 3 चौके शामिल रहे। टीम को गायकवाड़ के रूप में चौथा झटका लगा, जिन्होंने 21 गेंदों में 15 रन बनाए। चेन्नई सुपर किंग्स ने 100 के स्कोर पर अपना चौथा विकेट खो दिया था। यहां से देवाल्ड ब्रेविस ने शिवम दुबे के साथ 38 गेंदों में 59 रन जुटाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

ब्रेविस ने 27 गेंदों में 4 छक्कों और 2 चौकों के साथ 44 रन बनाए, जबकि शिवम दुबे ने 23 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 26 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से कप्तान पैट कमिंस ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि साकिब हुसैन ने 2 विकेट निकाले। प्रफुल हिंगे और ईशान मलिंगा ने 1-1 विकेट निकाला।

## ग्रीन ने केकेआर के शुरुआती मैच में खराब प्रदर्शन का कारण बताया

कोलकाता

**कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के आलराउंडर कैमरून ग्रीन ने आईपीएल के इस सत्र में टीम के शुरुआत में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने का कारण बताया है। ग्रीन ने कहा कि टीम संयोजन और खिलाड़ियों की भूमिका तय करने में काफी समय लगा दिया गया था जिससे कारण भी टीम पिछड़ गयी।**

साथ ही कहा कि एक बार सही संयोजित बैठने के बाद टीम ने लय हासिल कर ली। केकेआर ने शनिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज कर प्लेआफ के लिए अपनी उम्मीदों को बनाये रखा है।

ग्रीन ने बताया, टीम के अंदर किसी तरह की आशंका नहीं थी। मुझे लगता है कि हमने खिलाड़ियों की सही भूमिका और बल्लेबाजी क्रम में उनके स्थान को तय करने में थोड़ा ज्यादा समय लगा दिया। उन्होंने साथ ही कहा कि टीम में सभी खिलाड़ी प्रतिभाशाली हैं पर उनके लिए सही जगह खोजना ही असली चुनौती थी। ग्रीन ने स्वयं अपनी बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैं किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि टीम के लिए सबसे अच्छा क्या है। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने शीर्ष क्रम में शानदार प्रदर्शन किया है। युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने भी नंबर तीन पर अच्छी बल्लेबाजी की।

ग्रीन ने कहा, अब हमने अपनी जगह तय कर ली है और इसीलिए हम खुद को थोड़ा मौका दे रहे हैं। इस स्पष्टता के बाद ही टीम का बेहतर प्रदर्शन होने लगा है। केकेआर ने हाल ही में गुजरात टाइटंस के सामने खेले गए मुकाबले में शानदार खेल दिखाया, जहां कैमरून ग्रीन ने नाबाद 52 रन की आक्रामक पारी खेली। केकेआर इस सीजन में अब तक 12 मैच खेल चुकी है। इनमें से टीम को 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया और पांच में उसने जीत दर्ज की है। टीम के पास अभी 11 अंक हैं और वह अंक तालिका में सातवें नंबर पर है।

## जर्मनी में बुंदेशलीगा फुटबाल

जर्मनी में बुंदेशलीगा फुटबाल में खेलते हुए एसवी इलवर्सबर्ग व प्रीयूसेन मुऐनस्टर के बीच मैच में इसवी के बेंबेस कोंटे गोल दागने के बाद खुशी जताते हुए।

## बेटे मयास के इंजीनियर बनने से गर्व का अनुभव हुआ : कुंबले

बेंगलुरु

**भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे अनिल कुंबले अपने बेटे के इंजीनियर बनने से बेहद खुश है। उनके बेटे मयास कुंबले ने बचपन में इंजीनियर बनने का जो सपना देखा था। उसके पूरा होने से परिवार में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर कुंबले और उनकी पत्नी चेतना सोशल मीडिया पर बेहद भावुक साझा किया है। इसमें इन दोनो ने अपने बेटे की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर अपनी खुशी और गर्व व्यक्त किया है। यह कहानी सिर्फ एक इंजीनियर बनने की नहीं, बल्कि एक बच्चे के बचपन के सपने को पूरा करने के लिए लगन और माता-पिता के समर्थन की है।**

कुंबल की पत्नी ने सोशल मीडिया में मयास के इंजीनियर बनने के कठिन सफर को बताया है। उन्होंने कहा कि मयास में बचपन से ही इंजीनियरिंग के प्रति जुनून था। जब वह तीन साल का था। तभी से उनके मन में यह बात साफ थी कि वह बड़े होकर क्या बनना चाहता है। चेतना लिखती हैं, वह उसी दृढ़ता के साथ कहता, जो सिर्फ एक बच्चे में हो सकती है, मैं इंजीनियर बनूंगा। वे अपने छोटे हाथों में एक रिंच उठाकर पूरे आत्मविश्वास से घोषणा करते थे कि एक दिन वे एक नया स्कूटर बनाएंगे। सात साल की उम्र तक आते-आते उनके सपने और बड़े हो गए; वे कारें डिजाइन करना चाहते थे । यह उनके शुरुआती जीवन की एक ऐसी स्पष्टता थी, जिस पर माता-पिता के रूप में हम अक्सर मुस्कुराते थे, यह सोचते हुए कि आने वाला समय क्या लेकर आएगा।

चेतना ने साथ ही लिखा कि मयास को इंजीनियर के रूप में ग्रेजुएट होते देख उन्हें एक बेहद खूबसूरत बात का एहसास हुआ कि कभी-कभी बच्चे दुनिया के जानने से बहुत पहले ही यह जानते हैं कि वे वास्तव में कौन हैं। उन्होंने मयास की कड़ी मेहनत को रेखांकित करते हुए लिखा, साल बीतते गए, कड़ी मेहनत हुई, रातों की नींदें उड़ीं और आईं, लेकिन उस छोटे लड़के ने कभी अपने सपने को हाथ से जाने नहीं दिया। चेतना के दिल में गर्व, कृतज्ञता और भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। उन्होंने कहा, तुम्हें हाथ में औजार लिए एक जिज्ञासु छोटे बच्चे से लेकर दिल में एक मकसद लिए एक इंजीनियर बनते देखना मेरे जीवन की सबसे बड़ी खुशियों में से एक रहा है। मुझे तुम पर बहुत गर्व है, मेरे बच्चे। तुमने सपना देखा, उस पर विश्वास किया और उसे सच कर दिखाया। गौरतलब है कि दिग्गज स्पिनर कुंबले स्वयं एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं। उनके लिए बेटे का इंजीनिकयर बनना गर्व का पल है। उन्होंने अपनी पत्नी के पोस्ट को दोबारा साझा करते हुए सोशल मीडिया में लिखा, मुझे तुम पर गर्व है, मेरे बेटे!! पिता के नक्शेकदम पर चल रहे हो... बधाई हो। इसे अपना बना लो!! यह संदेश उनके बेटे की उपलब्धि पर उनकी खुशी और बेटे के भविष्य के लिए शुभकामनाओं को स्पष्ट रूप से दिखाता है।

## आईपीएल 2026 प्लेआफ समीकरणः बेंगलुरु पहुंची अंतिम-4 में, बाकी सात टीमों के बीच कड़ी जंग

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। रायल चैलेंजर बेंगलुरु ने अंतिम-4 में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि बाकी तीन स्थानों के लिए सात टीमों के बीच जबरदस्त जंग जारी है। वहीं मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं।

**रायल चैलेंजर बेंगलुरु** - बेंगलुरु की टीम अब शीर्ष-दो में जगह बनाने की मजबूत दावेदार है। अगर चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद को हरा देती है या फिर गुजरात को मात देती है, तो बेंगलुरु का शीर्ष-दो में रहना लगभग तय हो जाएगा। यदि बेंगलुरु अपने अंतिम लीग मुकाबले में हैदराबाद को हराती है, तो टीम अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर समाप्त करेगी।

**गुजरात टाइटंस** - गुजरात के पास अंतिम-4 में पहुंचने का शानदार मौका है। टीम अपने आखिरी मुकाबले में चेन्नई को हराकर स्थिति मजबूत कर सकती है। यदि हैदराबाद अपने शेष मैचों में से एक हार जाती है, तो गुजरात शीर्ष-दो में भी पहुंच सकती है।

**सनराइजर्स हैदराबाद** - हैदराबाद यदि चेन्नई को हरा देती है तो उसका अंतिम-4 में पहुंचना लगभग तय हो जाएगा। अगर टीम चेन्नई से हारकर बेंगलुरु को हराती है, तब भी उसके पास क्वालिफाई करने का अच्छा मौका रहेगा, लेकिन इसके लिए अन्य मुकाबलों के नतीजों पर भी नजर रखनी होगी।

**पंजाब किंग्स** - पंजाब के लिए राह अभी खुली हुई है। टीम को अपने आखिरी मुकाबले में जीत दर्ज करनी होगी और साथ ही यह उम्मीद करनी होगी कि हैदराबाद, चेन्नई और राजस्थान में से ज्यादा टीमें आगे न निकलें।

कुछ विशेष समीकरण बनने पर पंजाब कम अंकों के साथ भी अंतिम-4 में पहुंच सकती है।

**चेन्नई सुपर किंग्स** - चेन्नई के सामने करो या मरो की स्थिति है। टीम अगर अपने दोनों शेष मुकाबले जीत जाती है तो प्लेआफ में पहुंचने की संभावना काफी मजबूत हो जाएगी।

हालांकि एक हार भी उसकी राह कठिन बना सकती है और फिर उसे दूसरे मैचों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

**राजस्थान रायल्स** - राजस्थान को अंतिम-4 में पहुंचने के लिए अपने दोनों मुकाबले जीतना बेहद जरूरी है। अगर टीम एक मैच हारती है तो उसके लिए स्थिति काफी जटिल हो जाएगी और फिर अन्य टीमों की हार पर निर्भर रहना पड़ेगा।

**कोलकाता नाइट राइडर्स** - कोलकाता की उम्मीदें अभी भी कायम हैं। टीम को अपने दोनों मुकाबले जीतने होंगे। साथ ही पंजाब और राजस्थान के कुछ मुकाबलों के नतीजे उसके पक्ष में जाने जरूरी होंगे। कम अंकों पर भी कोलकाता के पास मौका है, लेकिन नेट रन रेट यहां अहम भूमिका निभा सकता है।

**दिल्ली कैपिटल्स** - दिल्ली की राह सबसे कठिन नजर आ रही है। टीम को अपना आखिरी मुकाबला जीतना होगा और साथ ही कई अन्य परिणाम अपने पक्ष में चाहिए होंगे। दिल्ली का नेट रन रेट काफी खराब है, इसलिए बराबरी की स्थिति में उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है।

**अंक तालिका की स्थिति** - अंक तालिका की बात करें तो रायल चैलेंजर बैंगलोर 3 मैचों में 9 जीत और 18 अंकों के साथ पहले स्थान पर है और प्लेआफ में पहुंच चुकी है। गुजरात 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है, जबकि हैदराबाद 14 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर मौजूद है।

# भारतीय बाजार में नई काम्पैक्ट एसयूवी पेश करेगी होंडा

नई दिल्ली

काम्पैक्ट एसयूवी की बढ़ती मांग को देखते हुए होंडा ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। होंडा कंपनी वर्ष 2028 तक भारतीय बाजार में एक नई काम्पैक्ट एसयूवी पेश करेगी। डब्ल्यूआर-वी के बंद होने के बाद कंपनी की सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में मौजूदगी लगभग खत्म हो गई थी। इस घोषणा से होंडा एक बार फिर इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी खंड में वापसी की तैयारी कर रही है। कंपनी ने अपनी हालिया वित्तीय बैठक के दौरान यह जानकारी साझा की, जो भारतीय ग्राहकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। भारतीय ग्राहकों के बीच काम्पैक्ट एसयूवी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, वे बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस, आधुनिक तकनीक, आरामदायक ड्राइविंग अनुभव और काम्पैक्ट आकार के साथ मजबूत उपस्थिति वाली छोटी एसयूवी को प्राथमिकता दे रहे हैं। माना जा रहा है कि नई होंडा एसयूवी में अत्याधुनिक फीचर्स, बेहतर माइलेज और एक आकर्षक डिजाइन देखने को मिलेगा, जो इसे बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा।

हालांकि, कंपनी ने अभी तक इसके इंजन विकल्पों या अन्य तकनीकी जानकारियों का खुलासा नहीं किया है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और उत्पादों की कमी के कारण होंडा की बिक्री प्रभावित हुई थी।

## होंडा ने मैक्सी स्कूटर एयर ब्लेड भारत में कराया पेटेंट

**नई दिल्ली।** प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी होंडा ने अपने लोकप्रिय मैक्सी-स्कूटर, होंडा एयर ब्लेड, का भारत में पेटेंट दर्ज कराया है। भविष्य में भारतीय ग्राहकों के लिए होंडा कंपनी यह नया स्पोर्टी स्कूटर पेश कर सकती है। वैश्विक बाजारों में, होंडा एयर ब्लेड 125 सीसी और 160 सीसी के दो इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध है। ये दोनों माडल अपने आकर्षक स्पोर्टी डिजाइन और आधुनिक फीचर्स के कारण युवाओं के बीच खासे लोकप्रिय हैं। जहां 125 सीसी माडल लगभग 11.8 अश्वशक्ति की ताकत प्रदान करता है, वहीं इसका अधिक शक्तिशाली 160 सीसी संस्करण 15.2 अश्वशक्ति तक की शक्ति उत्पन्न करता है। भारत में कंपनी द्वारा अधिक शक्तिशाली 160 सीसी माडल को पेश किए जाने की संभावना है, जो भारतीय सड़कों और ग्राहकों की अपेक्षाओं के अनुरूप होगा। स्कूटर में अंडरबोन फ्रेम दिया गया है, साथ ही टेलीस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन और ड्यूल रियर शाक एब्जार्बर इसे बेहतर राइड क्वालिटी प्रदान करते हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### सिस्को एआई के चलते करीब 4,000 नौकरियों में कटौती करेगी

**नई दिल्ली।** दिग्गज टेक्नोलाजी कंपनी सिस्को ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अन्य हाई ग्रोथ टेक्नोलाजी पर फोकस के कारण वैश्विक स्तर पर करीब 4,000 नौकरियों में छंटनी का ऐलान कर दिया है। कंपनी के ग्लोबल वर्कफोर्स के 5 प्रतिशत से भी कम लोगों को प्रभावित करने वाली छंटनी की जानकारी सीईओ चक राबिन्स और कार्यकारी नेतृत्व टीम ने तीसरी तिमाही के नतीजों के साथ जारी एक इंटरनल मेमो में दी। राबिन्स ने कहा एआई युग में वही कंपनियां सफल होंगी जो लक्ष्य-केंद्रित, तेज और निरंतर निवेश को उन क्षेत्रों की ओर स्थानांतरित करने के लिए अनुशासित होंगी जहां मांग और दीर्घकालिक मूल्य सृजन सबसे मजबूत है। कंपनी ने कहा कि प्रभावित अधिकांश कर्मचारियों को 14 मई से सूचनाएं मिलनी शुरू हो जाएगी, और यह प्रक्रिया स्थानीय कानूनों और विनियमों के अनुसार वैश्विक स्तर पर की जाएगी। इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि प्रभावित कर्मचारियों को वित्त वर्ष 2026 के आनुपातिक बोनस, विच्छेद सहायता और कंपनी के प्लेसमेंट सेवा कार्यक्रम तक पहुंच प्राप्त होगी। कंपनी ने बताया कि उसके प्लेसमेंट सेवा कार्यक्रम ने लगभग 75 प्रतिशत प्रतिभागियों को नई नौकरियां प्राप्त करने में मदद की है। नेटवर्किंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने बताया कि पुनर्गठन से प्रभावित कर्मचारियों को एआई, साइबर सुरक्षा, नेटवर्किंग और संबंधित प्रौद्योगिकियों को कवर करने वाले सिस्को यू कार्स और सर्टिफिकेट्स तक एक वर्ष की पहुंच प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, सिस्को ने 15.8 अरब डालर का रिकार्ड तिमाही राजस्व दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है।

### टेक्नो डिजिटल ने मुंबई में उतारा दूसरा एज डेटा सेंटर, लो-लेटेंसी व एआई-तैयार सेवाओं पर फोकस; रेलटेल से 20 वर्षीय राजस्व-साझेदारी

**नई दिल्ली।** टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी (टीईईसीएल) की डिजिटल अवसंरचना इकाई टेक्नो डिजिटल ने मुंबई के महालक्ष्मी में अपना दूसरा एज डेटा केंद्र (ईडीसी) शुरू किया है। 25 करोड़ रुपये के निवेश से बना यह केंद्र लो-लेटेंसी और एआई-तैयार डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। रेलटेल कारपोरेशन आफ इंडिया के साथ 20 वर्ष की राजस्व-साझेदारी में विकसित 800 किलोवाट क्षमता वाला यह ईडीसी वित्तीय, मीडिया और अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक गतिविधियों को तेज व सुरक्षित डिजिटल सेवाएं देगा। इससे पहले कंपनी का एक एज डेटा सेंटर गुरुग्राम में पहले से संचालित है। टेक्नो डिजिटल के एक अधिकारी ने बताया कि यह निवेश कंपनी की 1 अरब डालर की व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसमें देशभर में हाइपरस्केल व एज डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार शामिल है। वित्त वर्ष 2026-27 तक इस योजना का आधा से अधिक निवेश चेन्नई, नोएडा और कोलकाता के हाइपरस्केल परिसरों सहित विभिन्न परियोजनाओं में लगाया जाएगा। चालू वित्त वर्ष में कंपनी इंदौर, विशाखापत्तनम, चंडीगढ़, प्रयागराज और लखनऊ में भी विस्तार की योजना बना रही है।

### टाटा अल्ट्रोज का सीएनजी संस्करण एएमटी के साथ लान्च

**नई दिल्ली।** स्वदेशी कार निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय प्रीमियम हैचबैक, टाटा अल्ट्रोज के सीएनजी संस्करण को अब स्वचालित मैनुअल ट्रांसमिशन (एएमटी) के साथ लान्च कर दिया है। इससे पहले अल्ट्रोज सीएनजी केवल मैनुअल गियरबाक्स विकल्प में ही उपलब्ध थी। नई एएमटी तकनीक के साथ, चालक अब बिना क्लच दबाए गियर बदल सकेंगे, जिससे शहरों में भारी ट्रैफिक के दौरान ड्राइविंग का अनुभव काफी अधिक आरामदायक और सुविधाजनक हो जाएगा। इस कार में 1.2 लीटर आई-सीएनजी इंजन दिया गया है, जो 73.5 पीएस की शक्ति और 103 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता है, जो शहरी और हाईवे ड्राइविंग दोनों के लिए पर्याप्त है। कंपनी ने इसमें कई अत्याधुनिक फीचर्स को शामिल किया है, जिनमें एलईडी डीआरएल, 360 डिग्री कैमरा, 16 इंच के अलाय व्हील, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस एंड्रायड आटो और एप्पल कार प्ले कनेक्टिविटी, एयर प्यूरीफायर और एक इलेक्ट्रिक सनरूफ जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं, जो इसे अपने सेगमेंट में खास बनाते हैं। अल्ट्रोज सीएनजी की एक और खास बात इसमें दी गई डुअल सिलेंडर तकनीक है, जो पारंपरिक सीएनजी कारों की तुलना में बेहतर बूट स्पेस प्रदान करती है, जिससे ग्राहकों को सामान रखने में कोई समझौता नहीं करना पड़ता।

# ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

**अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ एक बार फिर मिलिट्री एक्शन शुरू करने की चेतावनी देने के कारण दुनिया भर के बाजार में तनाव का माहौल बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली का रुख बना हुआ है।**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ शांति समझौता नहीं होने की स्थिति में दोबारा सख्त मिलिट्री एक्शन शुरू करने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि अमेरिका एक पाजिटिव डील चाहता है, लेकिन अगर कोई ढंग का प्रस्ताव नहीं मिला, तो ईरान के खिलाफ सख्त कदम उठाया जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस चेतावनी के बाद एक बार फिर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका बन गई है, जिसकी वजह से दुनिया भर के बाजार में डर का माहौल बना हुआ है। इसी डर की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 92.74 अंक यानी 1.24 प्रतिशत टूट कर 7,408.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 410.08 अंक यानी 1.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,225.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 407.80 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 49,118.37 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 177.56 अंक यानी 1.74 प्रतिशत टूट कर 10,195.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 129.72 अंक यानी 1.63 प्रतिशत फिसल कर 7,952.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 505.69 अंक यानी 2.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,950.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी लगातार दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में से इकलौता कोस्पी इंडेक्स फिलहाल 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,547.72 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 160 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,548 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,962.54 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 270.25 यानी 4.02 प्रतिशत लुढ़क कर 6,453.07 अंक के स्तर तक आ गया है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 436.73 अंक यानी 1.68 प्रतिशत टूट कर 25,526 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 501.39 अंक यानी 1.22 प्रतिशत फिसल कर 40,670.97 के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 678.29 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 60,731 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,121.51 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत टूट कर 1,516.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अंबुजा सीमेंट ने स्वीकारी विस्तार परियोजनाओं में देरी

# वित्त वर्ष 2026-27 में कंपनी का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) मध्यम स्तर पर रहेगा

नई दिल्ली

**देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट ने अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हुई देरी को स्वीकार किया है। कंपनी ने संकेत दिया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसका पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) मध्यम स्तर पर रहेगा। निदेशक करण अदाणी ने निवेशकों के साथ एक बातचीत में इन देरी के पीछे ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं, एक मजबूत निष्पादन टीम की कमी और अधूरी इंजीनियरिंग योजनाओं को प्रमुख कारण बताया है।**

कंपनी अब नई परियोजनाएं शुरू करने से पहले रुककर सुधार की रणनीति अपना रही है। अंबुजा सीमेंट ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए 6,000-6,500 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष के लगभग 7,500 करोड़ रुपये से कम है। करण अदाणी ने स्पष्ट किया कि सीमेंट कारोबार में परियोजनाओं के क्रियान्वयन का स्तर समूह की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया। उन्होंने कहा कि सही ठेकेदारों के चयन में विफलताओं, एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण के बाद एक तैयार निष्पादन टीम का अभाव, और इंजीनियरिंग योजनाएं पूरी होने से पहले ही परियोजनाओं को शुरू करना इन देरी के मुख्य कारण रहे। अदाणी ने जोर दिया कि कंपनी अब पहले मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भविष्य में नई परियोजनाओं पर काम शुरू करने से पहले छह महीने तक इंजीनियरिंग तैयारियों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नई रणनीति के साथ, कंपनी तय समयसीमा के भीतर परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएगी। भविष्य की विस्तार रणनीति के तहत, अंबुजा सीमेंट अधिग्रहण के अवसरों का मूल्यांकन करती रहेगी, लेकिन उसकी प्राथमिकता आंतरिक परियोजनाओं के विस्तार पर होगी।

## पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल में उबाल

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर सख्त बयान ने वैश्विक बाजारों में भारी उथल-पुथल मचा दी है। कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है, जबकि अमेरिकी शेयर बाजार ने बड़ी गिरावट दर्ज की है। बढ़ती बान्ड यील्ड ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे जोखिम वाली संपत्तियों से पैसा निकला है, और बाजार को अब दोतरफा राजनीतिक व आर्थिक जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। ब्रेंट क्रूड करीब 2 फीसदी चढ़कर 111.4 डालर प्रति बैरल और अमेरिकी कच्चा तेल (डब्ल्यूटीआई) 2.4 फीसदी से अधिक बढ़कर 108 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह उछाल पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात के बीच आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान को जल्दी कदम उठाने की चेतावनी देते हुए कहा कि घड़ी तेजी से चल रही है, जिससे निवेशकों की चिंताएं गहरा गई हैं। बाजार को डर है कि अगर स्थिति और खराब हुई तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है। तेल की कीमतों में तेजी के बीच अमेरिकी शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज लगभग 540 अंक लुढ़का, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 1.5 फीसदी टूट गया, जो मार्च के बाद उसकी सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट थी।

# सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना 1,56,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी लगातार चौथे दिन कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,57,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,57,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,57,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में आया उछाल

नई दिल्ली

**पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों का असर अब वैश्विक आटोमोबाइल उद्योग पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। पारंपरिक पेट्रोल और डीजल वाहनों के बजाय दुनियाभर में लोग अब इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती ईंधन लागत, पर्यावरण संरक्षण को लेकर बढ़ती जागरूकता और सरकारों की प्रोत्साहन योजनाओं ने इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता को नई गति दी है।**

हाल ही में जारी बेंचमार्क मिनरल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2026 में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन और प्लग-इन हाइब्रिड वाहनों का वैश्विक पंजीकरण छह प्रतिशत बढ़कर लगभग 16 लाख यूनिट तक पहुंच गया। यह लगातार दूसरा महीना है जब इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने उपभोक्ताओं को वैकल्पिक और कम खर्चीले परिवहन साधनों की ओर आकर्षित किया है। यही कारण है कि अब बड़ी संख्या में लोग इलेक्ट्रिक वाहनों को भविष्य का सुरक्षित विकल्प मानने लगे हैं। यूरोप में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में सबसे अधिक तेजी देखने को मिली है। यहां अप्रैल 2026 में बिक्री 27 प्रतिशत बढ़कर करीब चार लाख यूनिट तक पहुंच गई। यूरोपीय देशों की सख्त पर्यावरण नीतियां, कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य और सरकारी सब्सिडी इस वृद्धि के प्रमुख कारण माने जा रहे हैं।

दूसरी ओर चीन में घरेलू बिक्री में कुछ गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि वहां इलेक्ट्रिक वाहनों पर मिलने वाली कर छूट और ट्रेड-इन प्रोत्साहन योजनाओं को सीमित कर दिया गया है। हालांकि इसके बावजूद चीनी कंपनियों ने विदेशी बाजारों में निर्यात बढ़ाकर अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए रखी है। अमेरिका में कर छूट समाप्त होने और नए उत्सर्जन नियमों के कारण बिक्री में कमी देखी गई, जबकि मेक्सिको जैसे उभरते बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। जानकारों का कहना है कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, बैटरी तकनीक में सुधार और सरकारों की नीतिगत सहायता आने वाले वर्षों में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को और बढ़ाएगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345



शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

# श्रीमद् भागवत कथा में गूंजा राम नाम का संदेश
# युवाओं को संस्कारों से जोड़ने का आह्वान

**नशा, अपराध और मोबाइल की लत से दूर रहने की प्रेरणा**

**ध्रुव चरित्र एवं नरसिंह अवतार का प्रसंग आज सुनाया जाएगा**

**हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति से भक्तिमय बना कथा पंडाल**

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। फीलखाना स्थित भाग्यनगर शृंग ऋषि भवन में सांवरिया सेठ भक्त मण्डल के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह के दूसरे दिन कथा का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। बड़ा रामद्वारा जोधपुर के कथा व्यास रामस्नेही संत श्री हरिराम शास्त्री ने दूसरे दिन के प्रसंगों के माध्यम से परीक्षित-शुक संवाद, सृष्टि की उत्पत्ति, भगवान के विभिन्न अवतारों तथा राम नाम की महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

कथा के दौरान संत श्री ने कहा कि राजा परीक्षित ने जीवन की नश्वरता को समझते हुए सांसारिक मोह का त्याग कर श्रीमद् भागवत का श्रवण किया। इससे यह शिक्षा मिलती है कि मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुख प्राप्त करना नहीं, बल्कि आत्मकल्याण और ईश्वर भक्ति है। भागवत कथा मनुष्य को सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

दूसरे दिन भगवान विष्णु के दशावतारों का वर्णन करते हुए संत श्री ने कहा कि जब-जब समाज में अधर्म, अन्याय और अनैतिकता बढ़ती है, तब-तब भगवान भक्तों की रक्षा और धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। उन्होंने कहा कि यह संदेश वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है, जब समाज अनेक समस्याओं और कुरीतियों से जूझ रहा है।

कथा में राम नाम की महिमा का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा गया कि राम नाम सभी दुखों का नाश करने वाला है। राम नाम का जप मन को शांति प्रदान करता है तथा व्यक्ति को बुरे मार्ग से हटाकर सदमार्ग पर ले आता है। कलियुग में जब मनुष्य तनाव, नशा, हिंसा और अपराध की ओर बढ़ रहा है, तब राम नाम ही सबसे सरल और प्रभावी साधन है।

संत श्री हरिराम शास्त्री ने वर्तमान समय की सामाजिक समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज का युवा वर्ग नशाखोरी, अपराध, मोबाइल की लत और गलत संगति के कारण भटक रहा है।

समाज में बढ़ती हिंसा, अनैतिकता और पारिवारिक विघटन का मुख्य कारण संस्कारों की कमी है। ऐसे में श्रीमद् भागवत कथा और राम नाम का प्रचार युवाओं को सही दिशा देने का सशक्त माध्यम बन सकता है।

उन्होंने कहा कि युवाओं को अपराध से दूर रखने के लिए उन्हें सत्संग, धार्मिक आयोजनों, खेलकूद, सेवा कार्य और संस्कार शिक्षा से जोड़ना आवश्यक है। माता-पिता और समाज को मिलकर युवाओं में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सेवा भाव का विकास करना होगा।

जब युवा राम नाम और भागवत जैसे ग्रंथों से जुड़ते हैं, तब उनके विचार शुद्ध होते हैं और जीवन सकारात्मक बनता है।

कथा के समापन पर भजन-कीर्तन एवं राम नाम के जयकारों से पूरा कथा पंडाल भक्तिमय हो गया। श्रीमद् भागवत सप्ताह का दूसरा दिन न केवल आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम बना, बल्कि समाज को कुरीतियों से मुक्त करने और युवाओं को सही मार्ग पर लाने का प्रेरणादायक संदेश भी देकर गया।

सांवरिया सेठ भक्त मण्डल के इस आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। कथा के तीसरे दिवस ध्रुव चरित्र एवं भगवान नरसिंह अवतार का प्रसंग सुनाया जाएगा।

## अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा द्वारा अन्न प्रसाद एवं आमरस सेवा सम्पन्न

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा द्वारा अमावस्या के अवसर पर अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर के बाहर राहगीरों के लिए अन्न प्रसाद एवं आमरस शीतल पेय सेवा का आयोजन किया गया। सेवा कार्यक्रम में शाखा सदस्य विनोद गर्ग एवं संतोष गर्ग द्वारा अन्न प्रसाद सेवा में प्रमुख सहयोग प्रदान किया गया, जबकि श्रीमती सुधा अग्रवाल के सहयोग से आमरस शीतल पेय सेवा सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर शारदा गुप्ता, छवि अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल (एस.जी.), त्रिलोकीनाथ अग्रवाल, सरला एवं दिनेश अग्रवाल, गिरधारीलाल अग्रवाल, अनीता एवं प्रदीप अग्रवाल, बाला एवं रोशनलाल मित्तल, श्याम गोयल, छाया एवं अजय गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, नरसिंह दास, श्रीनाथ अग्रवाल, सुमित्रा देवी एवं ओमप्रकाश पंसारी, कैलाश प्रसाद अग्रवाल तथा सीमा एवं शैलेश अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। रितेश झुंझुनवाला एवं अजय डालमिया के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके पश्चात अन्न प्रसाद एवं शीतल पेय सेवा सम्पन्न कराई गई। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, उपाध्यक्ष योगेश अग्रवाल, सचिव प्रतीक अग्रवाल, सह सचिव विजय कुंछल, केंद्रीय समिति सदस्य प्रदीप अग्रवाल, परामर्शदाता गिरधारीलाल अग्रवाल, महिला समिति की प्रधान संयोजिका रश्मि अग्रवाल सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

### राजा ने डीजीपी को लिखा पत्र
# गौरक्षकों को प्रताडित करने का आरोप

**हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह लोध ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक को एक औपचारिक पत्र लिखकर मेहदीपटनम क्षेत्र में हुई हालिया घटना और उसके बाद पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। डीजीपी को संबोधित अपने पत्र में विधायक ने कहा, मैं मेहदीपटनम क्षेत्र में हाल ही में हुई एक गंभीर घटना की ओर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए लिख रहा हूँ, जिसने तेलंगाना के हिंदू समुदाय और कानून का पालन करने वाले नागरिकों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। घटना का विवरण देते हुए राजा सिंह ने पत्र में लिखा कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के एक विधायक ने प्लाईवुड के एक वाहन पर चढ़कर अनावश्यक नाटक और अशांति पैदा की और जनता की भावनाओं को भड़काया। स्थिति कथित तौर पर तब शुरू हुई जब कुछ स्थानीय हिंदू कार्यकर्ताओं ने इस संदेह में एक प्लाईवुड वाहन को रोका कि उसमें अवैध रूप से गाय, बैल या बछड़ों की तस्करी की जा रही होगी। वाहन की चेकिंग करने के बाद उन्होंने पाया कि वहां ऐसा कोई मवेशी मौजूद नहीं था। मामला वहीं खत्म हो जाने के बावजूद, कुछ एमआईएम कार्यकर्ता मौके पर जमा हो गए, उन्होंने अपने विधायक को बुलाया, और कथित तौर पर सांप्रदायिक नारे लगाकर और पथराव करके अराजकता पैदा की, जिससे शहर की शांति और सांप्रदायिक सद्भाव भंग हुआ। विधायक ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि मामले कथित तौर पर केवल वहां मौजूद हिंदुओं के खिलाफ दर्ज किए जा रहे हैं, जबकि स्थिति को भड़काने में शामिल एमआईएम विधायक या पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यह चुनिंदा पुलिस कार्रवाई और कानून के तहत असमान व्यवहार को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करता है।

अपने पत्र में राजा सिंह ने रेखांकित किया कि तेलंगाना की जनता कुछ तीखे सवाल पूछ रही है:

गैर-कानूनी गतिविधियों के बार-बार आरोपों के बावजूद एमआईएम नेताओं और कार्यकर्ताओं को ऐसी आजादी क्यों दी जा रही है?

गो-तस्करी और सांप्रदायिक उकसावे से जुड़ी गतिविधियों में खुलेआम शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?

गौ रक्षकों को निशाना क्यों बनाया जा रहा है, उन्हें थानों में क्यों बुलाया जा रहा है, उन पर दबाव क्यों बनाया जा रहा है और उनके खिलाफ बाइंड-ओवर (प्रतिबंधात्मक) कार्यवाही क्यों की जा रही है, जबकि सांप्रदायिक तनाव पैदा करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है? डीजीपी को कानून के शासन की याद दिलाते हुए पत्र में आगे कहा गया है कि पुलिस विभाग की जिम्मेदारी तेलंगाना के हर नागरिक को धर्म या राजनीतिक संबद्धता के बिना समान सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने की है। दुर्भाग्य से, वर्तमान कार्रवाइयां जनता के बीच यह धारणा बना रही हैं कि पुलिस तंत्र एकतरफा तरीके से काम कर रहा है। यह भी चिंताजनक है कि इस तरह के मामलों में कथित तौर पर कानून की भावना और माननीय सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के निर्देशों की अनदेखी की जा रही है। हिंदू समुदाय और तेलंगाना के लोग इन घटनाक्रमों को करीब से देख रहे हैं और निष्पक्ष व तटस्थ पुलिसिंग की उम्मीद कर रहे हैं। अंत में, गोशामहल विधायक ने डीजीपी कार्यालय से निम्नलिखित मांगें की हैं:

मेहदीपटनम की घटना की निष्पक्ष और तटस्थ जांच की जाए। राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना हिंसा, पथराव और सांप्रदायिक उकसावे में शामिल सभी व्यक्ति यों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि निर्दोष हिंदू कार्यकर्ताओं और गौ रक्षकों को गलत तरीके से परेशान न किया जाए। निष्पक्ष पुलिसिंग और कानून-व्यवस्था की सुरक्षा सुनिश्चित करके जनता का विश्वास बहाल किया जाए। पत्र के अंत में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि न्याय, सार्वजनिक सुरक्षा और तेलंगाना में सांप्रदायिक सद्भाव के हित में डीजीपी कार्यालय द्वारा इस मामले पर तत्काल और उचित कार्रवाई की जाएगी।

# अग्रवाल समाज तेलंगाना का प्रतिनिधि मंडल ने विभिन्न महानुभावों से संपर्क किया

**हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष एवं जगन्नाथ पूरी तीर्थ यात्रा के चेयरमैन नरेंद्र कुमार गोयल, यात्रा के परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल एवं गोपाल मोर ने समाज द्वारा आयोजित होने वाली श्री जगन्नाथ यात्रा के प्रबंध हेतु विभिन्न महानुभावों से संपर्क किया जिसमें उड़ीसा के राज्यपाल महामहिम श्री हरिबाबु, जगन्नाथपुरी के पुलिस अधीक्षक श्री प्रतीक सिंह,

ओडिशा के प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री महेंद्र जी गुप्ता से मुलाकात की और आने वाली पुरी यात्रा के बारे में चर्चा की । गुप्ता जी ने मारवाड़ी समाज, ओड़िसा की तरफ से पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया । अग्रवाल समाज द्वारा यह धार्मिक यात्रा 11 जून से 12 जून तक वायुयान द्वारा आयोजित की जाएगी जिसके प्रायोजक श्री रघुनाथ मल गीता बाई ट्रस्ट के सौजन्य से आयोजित की जा रही है

# हर्षाली गुप्ता की स्मृति में राजेश गुप्ता ने कराया सेवा कार्यक्रम

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर स्वर्गीय हर्षाली गुप्ता की पुण्यतिथि के अवसर पर नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण कर स्वर्गीय हर्षाली गुप्ता को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम के दौरान संतोष गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद लगातार निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है। ग्रुप की सेवा भावना और समर्पण देखकर मन प्रफुल्लित हो जाता है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य है और ऐसे कार्यक्रम समाज को मानवता का संदेश देते हैं।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई तथा भोजन वितरण कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। कार्यक्रम का वातावरण श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समर्पण से ओत-प्रोत दिखाई दिया।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, संतोष गुप्ता एवं नितीश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन राजेश गुप्ता, विष्णु एजेंसी, सुल्तान बाजार की ओर से स्वर्गीय हर्षाली गुप्ता की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में किया गया।

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा द्वारा प्रति माह की अमावस्या के उपलक्ष्य में किया जाने वाला अन्नदान महादान कार्यक्रम आर नानगराम जी के घर के समक्ष सम्पन्न हुआ। अवसर शाखाध्यक्ष अनिल अग्रवाल धरसूवाला उपाध्यक्ष शिव भगवान अग्रवाल बॉयवाला मानद मंत्री मनोज मीत्तल सह मंत्री मनोज अग्रवाल पचेरिया, परामर्श दाता योगेन्द्र अग्रवाल कटारुका, केंद्रीय समिति सदस्य राकेश अग्रवाल पचेरिया, किरण अग्रवाल तायल व अन्य उपस्थित थे।

## जन सेवा संघ नेरेडमेट क्षेत्रीय बैठक संपन्न

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नेरेडमेट क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री बबन सिंह के नेतृत्व में और नार्थ जोन के जोनल प्रेसिडेंट श्री राधे श्याम राय यादव के मार्गदर्शन में बैठक संपन्न हुआ, जिसमें प्रत्येक महीने ज्यादा से ज्यादा मेंबर जोड़ने का साथ ही विभिन्न बिंदुओं और महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार विमर्श किया गया । इस अवसर पर जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव, वरिष्ठ सदस्य श्री मदन लाल रावल एवं उत्तर संभाग के संभागीय अध्यक्ष श्री राधेश्याम राय यादव उपस्थित रहे। इसमें श्री गौतम चौधरी, एम बी सिंह, अशोक कुमार सिंह, धर्मेन्द्र कुमार सिंह राजेंदर सिंह सेंगर, हापुराम जी आदि उपस्थित रहे ।

# अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा का मासिक अन्नाप्रसाद कार्यक्रम संपन्न

**लगभग 650 लोगों ने ग्रहण किया अन्नप्रसाद**

**सेवा भाव एवं सुव्यवस्थित आयोजन की सराहना**

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के तत्वावधान में प्रतिमाह आयोजित होने वाला मासिक अन्नाप्रसाद कार्यक्रम गंज स्थित अग्रसेन हॉल के समीप श्रद्धा, सेवा भाव एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था के साथ संपन्न हुआ। इस पावन सेवा कार्य में लगभग 650 लोगों ने अन्नप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान समाजसेवियों एवं पदाधिकारियों ने पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। आयोजन में शाखा अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, सचिव प्रदीप बंसल, सह मंत्री शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य गोविंद मोदी, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, लाजपत राय गुप्ता एवं सुरेश गोयल ने सक्रिय रूप से उपस्थित रहकर तन-मन से सेवा प्रदान की।

अन्नाप्रसाद वितरण के दौरान सेवा, सहयोग और सामाजिक समरसता का भाव देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाजहित में प्रेरणादायी पहल बताया।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# वीणा वादिनी साहित्यिक समिति द्वारा मातृ दिवस एवं रवीन्द्रनाथ जयंती पर भव्य आयोजन

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। वीणा वादिनी साहित्यिक समिति द्वारा 16 मई 2026, शनिवार सायंकाल आरोग्या अस्पताल के सभागार में अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस, रवीन्द्रनाथ ठाकुर जयंती एवं भक्ति गीतों पर आधारित भव्य साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. प्रियदर्शनी (इफ्लू यूनिवर्सिटी) तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. मोहन गुप्ता, संचालक आरोग्या अस्पताल, उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष श्रुतिकांत भारती ने अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया, जबकि समिति के परामर्शदाता प्रदीप जाजू ने स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। डॉ. प्रभास चन्दर सिंह चन्दर ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका संचालन श्रीमती पद्मा टकसाली ने किया।

कार्यक्रम में डॉ. प्रभास चन्दर सिंह चन्दर, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, कमल दीक्षित, निर्मला दीक्षित, शोभा ठाकुर, उमा तिवारी, पूनम जोधपुरी, डॉ. पंकज मेहता, नीलम शिवानी, तृप्ति मिश्रा, जयंत मिश्रा, विद्या दवे, बैजनाथ, पद्मा टकसाली एवं सुधा ठाकुर सहित अनेक कवियों एवं साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं का प्रभावशाली पाठ किया।

कार्यक्रम में श्रीमती शीतला शकुन्तला मधु, सत्यनारायण शर्मा तथा प्रदीप जाजू की उपस्थिति भी विशेष आकर्षण रही। सभी कवियों एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्मृति चिन्ह एवं अल्पाहार की व्यवस्था डॉ. प्रभास चन्दर सिंह चन्दर द्वारा की गई।

समिति के अध्यक्ष श्रुतिकांत भारती ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया तथा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संयोजन समिति की सचिव श्रीमती सुधा ठाकुर द्वारा किया गया।

# उत्सव सांवरे का को लेकर बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौ सेवा मित्र मंडल द्वारा 24 मई 2026 (रविवार) को आयोजित होने वाले श्री श्याम वार्षिक उत्सव उत्सव सांवरे का के संदर्भ में श्री समर्थ कामधेनु गौशाला परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं आयोजन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, अजय गुप्ता, विनोद राठी, रविंदर अग्रवाल, यश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, मनीष मोर, राजेश अग्रवाल, महेश अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन सायं 6:31 बजे से किया जाएगा। भजन संध्या में कोलकाता से प्रकाश मिश्रा तथा संजय दाहिमा एवं अनुराग भुतड़ा अपनी मधुर प्रस्तुतियां देंगे।

आयोजन समिति की ओर से इस भजनमय कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं, भक्तजनों एवं समस्त धार्मिक संस्थाओं को सादर आमंत्रित किया गया है।

# टीपीएफ हैदराबाद द्वारा 'क्लॉड को-वर्क' पर विशेष एआई कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।टीपीएफ हैदराबाद द्वारा तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'क्लॉड को-वर्क फॉर बिजनेस यूज केसेज' विषय पर विशेष एआई कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उद्यमियों, प्रोफेशनल्स, महिला एवं युवा सदस्यों ने भाग लिया।

ज्ञानवर्धक एवं इंटरैक्टिव सत्र का संचालन टीपीएफ सदस्य एवं एआई विशेषज्ञ अखिल जैन ने किया। उन्होंने प्रोजेक्टर पर लाइव डेमो के माध्यम से 'क्लॉड को-वर्क' के इंटरफेस, प्रॉम्प्टिंग तकनीकों तथा बिजनेस ऑटोमेशन में इसके व्यावहारिक उपयोगों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह तकनीक टैली अकाउंट कनेक्टिविटी, मार्केट न्यूज एनालिसिस, डेटा एक्सट्रैक्शन एवं दैनिक व्यावसायिक कार्यों को तेज और प्रभावी तरीके से पूरा करने में सहायक है।

कार्यशाला के दौरान अखिल जैन ने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, उद्यमियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स को एआई के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने के व्यावहारिक तरीके बताए। प्रतिभागियों ने अपने व्यवसाय से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका लाइव डेमो के माध्यम से समाधान प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में टीपीएफ की राष्ट्रीय टीम के वरिष्ठ सदस्य नरेश कठोतिया, दीपक संचेती एवं नवीन सुराणा भी उपस्थित रहे। उन्होंने सदस्यों को आधुनिक तकनीकों को अपनाकर व्यवसाय को नई दिशा देने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर टीपीएफ हैदराबाद के अध्यक्ष वीरेंद्र घोषाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य प्रत्येक सदस्य को डिजिटल युग के अनुरूप तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है, ताकि वे अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकें।

कार्यशाला को प्रतिभागियों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। सदस्यों ने इसे वर्तमान समय की आवश्यकता एवं अत्यंत उपयोगी पहल बताया। कार्यक्रम में टीपीएफ हैदराबाद के सेक्रेटरी अणुव्रत सुराणा, कोषाध्यक्ष अर्हम बैंगानी, उपाध्यक्ष सुनिल पगारिया एवं निखिल कोटेचा, संयुक्त सचिव दीक्षा सुराणा सहित अनेक सदस्य एवं फ्यूचरा सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन अनुष बम्बोली ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन मंत्री अणुव्रत सुर-ाणा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

# माइंड कूल, लाइफ ब्यूटीफूल विषय पर प्रेरक प्रवचन आयोजित

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।हैदराबाद के राघवेन्द्रा कॉलोनी स्थित लाफिंग लॉटस प्री स्कूल में आचार्य महाश्रमण के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के सान्निध्य में माइंड कूल, लाइफ ब्यूटीफूल विषय पर विशेष प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथी परिवार, राघवेन्द्रा कॉलोनी द्वारा किया गया।

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार मुनिश्री दीप कुमारजी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि आज का इंसान बाहर से स्मार्ट दिखाई देता है, लेकिन भीतर से अशांत और तनावग्रस्त है। उन्होंने कहा कि

चेहरे पर फिल्टर है, लेकिन दिमाग में हीटर है। मोबाइल तो फास्ट हो गया है, लेकिन जीवन निराशा और तनाव से भर गया है। ऐसे समय में माइंड कूल, लाइफ ब्यूटीफूल का संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है।

मुनिश्री ने कहा कि यदि मन शांत और संतुलित हो तो कठिन परिस्थितियों में भी जीवन सुंदर प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि ओ-वरथिंकिंग यानी अत्यधिक सोच मन को सबसे अधिक अशांत करती है। जो बातें हो चुकी हैं या जो कभी मिल नहीं सकतीं, उनकी चिंता व्यक्ति को मानसिक रूप से परेशान करती रहती है। उन्होंने लेट गो की भावना अपनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि पुरानी बातों, अपमान, धोखे और गलतियों को पकड़े रहने से मन में शांति नहीं रह सकती।

उन्होंने आगे कहा कि जीवन को सुंदर बनाने के लिए महंगी वस्तुओं की नहीं, बल्कि शांत मन की आवश्यकता होती है। मन शांत हो तो छोटी-छोटी चीजें भी खुशी देती हैं, जबकि अशांत मन महलों में भी बेचैनी अनुभव करता है। मुनिश्री ने उपस्थित लोगों को सकारात्मक संकल्प लेने के लिए भी प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुनिश्री काव्य कुमारजी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज व्यक्ति बाहरी दिखावे और सोशल मीडिया की चमक में उलझ गया है, जबकि भीतर बेचैनी, निराशा और अशांति बढ़ती जा रही है।

उन्होंने कहा कि तुलना और प्रतिस्पर्धा की भावना ने व्यक्ति के मानसिक संतुलन को सबसे अधिक प्रभावित किया है।

दोनों संतों के प्रवचन अत्यंत प्रेरणादायी एवं प्रभावशाली रहे। कार्यक्रम के अंत में तिलोकचंद सिपानी ने आभार व्यक्त किया।

### हैदराबाद में स्किन लॉन्जिविटी केयर का नया अध्याय

# डॉ. निशिता'स क्लीनिक ने भारत में पहली बार पेश की सेलुमा एडवांस्ड एलईडी लाइट थेरेपी

**हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):**

डॉ. निशिता'स क्लीनिक फॉर स्किन, हेयर एंड एस्थेटिक्स ने आज अपने बंजारा हिल्स स्थित मुख्य केंद्र पर 'सेलुमा एडवांस्ड एलईडी लाइट थेरेपी' शुरू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही यह क्लिनिक इस चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित फोटोबायोमॉड्यूलेशन प्लेटफॉर्म को मरीजों के लिए लाने वाला भारत का पहला क्लीनिक बन गया है। यह लॉन्च त्वचा की लंबी उम्र (स्किन लॉन्जिविटी) के विज्ञान पर आधारित नॉन-इनवेसिव (बिना चीर-फाड़ वाली) तकनीकों के बढ़ते पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस अत्याधुनिक तकनीक का उद्घाटन मुख्य अतिथि स्रवंती चोकरपु और क्लीनिक की संस्थापक व प्रसिद्ध त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. निशिता रंका की उपस्थिति में मीडिया कर्मियों के सामने किया गया।

लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, डॉ. निशिता रंका ने त्वचा के स्वास्थ्य के प्रति बदलते दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, डर्मेटोलॉजी (त्वचा विज्ञान) में अब चर्चा इस बात पर नहीं है कि त्वचा आज कैसी दिखती है, बल्कि इस पर है कि अगले दो दशकों में इसकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया कैसी होगी। कोशिकीय उम्र (सेल्यूलर एजिंग), माइटोकॉन्ड्रियल कार्यप्रणाली और त्वचा की खुद को ठीक करने की क्षमता अब मरीजों के दीर्घकालिक परिणामों की योजना बनाने का मुख्य केंद्र बन गई है। सेलुमा के माध्यम से फोटोबायोमॉड्यूलेशन हमें इन सेल्यूलर पाथवे को सहारा देने का एक चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित, नॉन-इनवेसिव तरीका प्रदान करता है। भारत में इस तकनीक को पेश करने वाला पहला क्लीनिक बनना, हमारे मरीजों को समय से आगे वैश्विक स्तर पर प्रमाणित, लॉन्जिविटी-आधारित देखभाल प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

# तेलंगाना में अगले चार दिनों के दौरान भीषण लू के आसार: मौसम विभाग

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि आगामी चार दिनों के दौरान तेलंगाना के अलग-अलग हिस्सों में भीषण लू के आसार हैं।

सोमवार को जारी अपनी दैनिक मौसम रिपोर्ट में विभाग ने कहा कि राज्य भर में अगले सात दिनों तक मौसम शुष्क बने रहने के आसार हैं। इसके साथ ही अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने का भी अनुमान जताया गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। इसी अवधि के दौरान सबसे अधिक अधिकतम तापमान आदिलाबाद में 44.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

# प्रथम पृष्ठ का शेष

## मौलाना...

2. भ्रष्टाचार जांच के लिए रिटायर्ड जज की कमेटी

कैबिनेट ने राज्य में संस्थागत भ्रष्टाचार की जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस बिश्वजीत बसु की अध्यक्षता में पैनल बनाने को मंजूरी दी। यह कमेटी सरकारी योजनाओं, निर्माण कार्यों और सेवा वितरण में कथित घोटालों, कटमनी, रिश्वतखोरी और सरकारी फंड की गड़बड़ी की जांच करेगी। लोगों को शिकायत दर्ज कराने की सुविधा भी मिलेगी।

3. महिलाओं और बच्चियों पर अत्याचार की जांच होगी

राज्य सरकार ने महिलाओं और बच्चियों पर अत्याचार के मामलों की जांच के लिए जस्टिस समाप्ति चटर्जी की अध्यक्षता में दूसरी कमेटी बनाने का फैसला लिया। यह आयोग महिलाओं, बच्चों, एससी -एसटीऔर अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मामलों की जांच करेगा। इसके लिए पोर्टल, व्हाट्सऐप और ईमेल के जरिए शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था बनाई जाएगी।

4. धार्मिक आधार पर मिलने वाला भत्ता बंद

कैबिनेट ने इमाम, मुअज्जिन और पुजारियों को धार्मिक आधार पर दिए जाने वाले सरकारी मानदेय को जून से बंद करने का फैसला लिया। पहले इमामों को 3000 रुपए और मुअज्जिन-पुजारियों को 2000 रुपए मासिक सहायता दी जाती थी।

5. महिलाओं को हर महीने 3000 रुपए मिलेंगे

राज्य सरकार ने अन्नपूर्णा योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत महिलाओं को 1 जून से हर महीने 3000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। लक्ष्मी भंडार योजना की मौजूदा लाभार्थियों को बिना दोबारा आवेदन किए सीधे इस योजना का लाभ मिलेगा। पैसा सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर किया जाएगा।

6. महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा

कैबिनेट ने 1 जून से महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की मंजूरी भी दे दी। हालांकि फिलहाल बसों की संख्या बढ़ाने की कोई योजना नहीं है।

7. 7वें वेतन आयोग को मंजूरी

राज्य सरकार ने कर्मचारियों के वेतन संशोधन के लिए 7वें राज्य वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी। इसका फायदा सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ नगर निकायों, शिक्षा बोर्ड और सरकारी शिक्षण संस्थानों के कर्मचारियों को भी मिलेगा। आयोग के गठन और लागू होने की तारीख का नोटिफिकेशन बाद में जारी किया जाएगा।

8. राज्य की जइउ सूची रद्द होगी

कैबिनेट ने 2024 के कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले के आधार पर मौजूदा जइउ सूची को रद्द करने का फैसला लिया। सरकार नई जइउ सूची तैयार करने और आरक्षण पात्रता तय करने के लिए अलग पैनल बनाएगी। यह विवाद 77 समुदायों को जइउ सूची में शामिल करने को लेकर था, जिनमें 75 मुस्लिम समुदाय शामिल थे। हाईकोर्ट ने 2010 के बाद जारी करीब 5 लाख जइउ प्रमाणपत्रों को अमान्य कर दिया था।

## मुंबई-अहमदाबाद...

जैसे ही यह वाहन धाणीवरी इलाके के पास पहुंचा, तभी सामने से गुजरात की ओर से मुंबई जा रहा एक तेज रफ्तार कंटेनर अचानक अनियंत्रित हो गया। बताया जा रहा है कि कंटेनर बारातियों से भरे टेंपो पर पलट गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयानक था कि कई लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सड़क पर बिखरे मलबे और घायल लोगों को देखकर वहां मौजूद लोग भी दहशत में आ गए। कुछ देर के लिए हाईवे पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

हादसे के बाद स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए आगे आए और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तुरंत नजदीकी कासा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है।

मृतकों में सुरेश रत्ना लाखात, पांडू गणपत लाखात, काळू गोविंद लाखात, सुनील अर्जुन दांडेकर, चिमा गोविंद कुरहाडा, नमिता विठ्ठल दांडेकर, सारिका संतोष लाखात, आयुष सिताराम लाखात, सागर नामदेव शेंडे, वंदना शिवराम वलवी, सलोनी शिवराम वलवी, अजय अहाडी और रियांशी संतोष लाखात शामिल हैं।

## 'रिजर्व' में...

कीमतें तेजी से ऊपर जाएंगी।

सऊदी अरामको ने भी दी है वॉर्निंग

यह चेतावनी अरामको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमीन नासिर के बयान से भी मेल खाती है। उन्होंने कहा था कि दुनिया में जमीन पर मौजूद ईंधन भंडार रिकॉर्ड गति से घट रहे हैं। उनके मुताबिक, जमीन पर मौजूद तेल भंडार इस समय बाजार के लिए मएकमात्र सुरक्षा कवचफ हैं, लेकिन अब वे भी तेजी से कम हो रहे हैं।

जमीन पर मौजूद तेल भंडार का मतलब उस तेल से होता है जो पहले ही जमीन से निकाल लिया गया है और बाद में इस्तेमाल के लिए बड़े टैंकरों, स्टोरेज फैसिलिटीज या रिजर्व में रखा गया हो। इस तेल को जरूरत की स्थिति, जैसे युद्ध, सप्लाई रुकना या कीमतें बढ़ना, में इस्तेमाल किया जाता है।

जेपी मॉर्गन के कमोडिटी विश्लेषकों ने भी चेतावनी दी है कि अगले महीने तक विकसित देशों में व्यावसायिक तेल भंडार ऑपरेशनल तनाव के स्तर तक पहुंच सकते हैं। इसका मतलब है कि तेल आपूर्ति में आई कमी को संभालना और मुश्किल हो जाएगा।

तेल की कमी इतनी होगी कि होर्मुज खोलना ही होगा

जेपी मॉर्गन की वैश्विक कमोडिटी रणनीति प्रमुख नताशा कानेवा ने कहा, हमारा निष्कर्ष है कि किसी न किसी तरह जून में होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलना ही होगा।उनके अनुसार, दुनिया तेल संकट से तभी बच सकती है जब युद्ध खत्म हो। अगर ऐसा नहीं हुआ तो अगला चरण सिर्फ कच्चे तेल की कीमतों में उछाल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रिफाइनिंग और अंतिम उपभोक्ता तक ईंधन पहुंचाने का संकट बन सकता है।

अमीन नासिर ने यह भी कहा कि बाजार में तेल भंडार की उपलब्धता को बढ़ा-चढ़ाकर आंका जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्टोरेज में मौजूद सारा तेल वास्तव में इस्तेमाल के लिए उपलब्ध नहीं होता। उसका बड़ा हिस्सा पाइपलाइन, न्यूनतम टैंक स्तर और अन्य परिचालन जरूरतों में फंसा रहता है। उन्होंने कहा, यूरोप और अमेरिका में स्टोरेज से रोजाना अधिकतम 20 लाख बैरल तेल ही निकाला जा सकता है।

केप्लर के अनुसार, फिलहाल भंडार से तेल निकासी सीमित स्तर पर है। मार्च के आखिर से अब तक जमीन पर मौजूद भंडार से करीब 6 करोड़ बैरल तेल निकाला जा चुका है। इसके बावजूद अभी करीब 3 अरब बैरल तेल स्टोरेज में मौजूद है, हालांकि उसमें से कितना वास्तव में उपलब्ध है, यह साफ नहीं है।

विश्लेषकों का कहना है कि अगर मध्य पूर्व में आपूर्ति संकट लंबा खिंचता है तो भंडार तेजी से घटेंगे और उन्हें दोबारा भरने के लिए पर्याप्त नई सप्लाई उपलब्ध नहीं होगी। यानी युद्ध जितना लंबा चलेगा, दुनिया का सुरक्षा कवच उतना कमजोर होता जाएगा।

हालांकि, कुछ राहत की खबर भी है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, बाजार अब इस स्थिति का आदी होने लगा है। भंडार से तेल निकालने की वजह से तत्काल घबराहट कम हुई है और अब बाजार कमी को मैनेज करना सीख रहा है जिसका मतलब है कि तेल की कीमतें लगातार ऊपर जा रही हैं।

कैपिटल इकोनॉमिक्स के कमोडिटी अर्थशास्त्री हमाद हुसैन ने कहा, तेल कार्गो की तत्काल खरीद की होड़ अब कम हो गई है। लेकिन हम तेजी से भंडार खाली कर रहे हैं और इसका सीधा असर कीमतों में बढ़ोतरी के रूप में दिखाई देगा।

## सतीशन केरलम...

भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

केरलम की कैबिनेट में 14 विधायकों ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। इसमें सीपी जॉन और एन शमसुद्दीन, केएम शाजी, पीके बशीर और वीई अब्दुल गफूर, पीसी विष्णुनाथ, रोजी एम जॉन, बिंदु कृष्णा, टी सिद्दीकी, केए थुलसी और ओजे जनीश शामिल हैं।

कांग्रेस ने स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद भी अपने पास रखे हैं। तिरुवनचूर राधाकृष्णन को विधानसभा स्पीकर और शनिमोल उस्मान को डिप्टी स्पीकर बनाया गया है।

केरलम विधानसभा में विधायकों का शपथ ग्रहण के बाद 22 मई को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। राज्यपाल का नीतिगत संबोधन 29 मई को निर्धारित है, और राज्य का बजट 5 जून तक पेश किए जाने की संभावना है।

## फलता बना...

में वापस फालता लौटे हैं और अपने प्रचार में जुटे हैं।

फलता विधानसभा सीट दक्षिण 24 परगना जिले में आती है। पारंपरिक रूप से यह इलाका टीएमसी और खासकर अभिषेक बनर्जी का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। देश की आजादी के बाद से फलता सीट पर 1952 से लेकर अब तक कुल 17 बार विधानसभा चुनाव हो चुके हैं और इस बार 18वीं बार चुनाव हो रहे हैं। इस सीट की खासियत यह रही है कि यहां जब भी जो लहर आई, जनता ने लंबे समय तक उसी पार्टी का साथ दिया।

1952 से लेकर 2006 तक लेफ्ट ने नौ बार फलता सीट पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस ने चार बार इस सीट पर जीत का परचम फहरा चुकी है तो टीएमसी भी 4 बार जीतने में सफल रही है। 2011 से लेकर अभी तक टीएमसी का दबदबा है। 2021 के चुनाव में टीएमसी ने यहां करीब 40 हजार वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी। इतिहास गवाह है कि फलता सीट पहले करीब तीन दशक तक वामपंथ का अभेद्य दुर्ग थी, जिसे बाद में टीएमसी ने अपना नया घर बना लिया।

2026 फलता सीट पर अभूतपूर्व पुनर्मतदान में चलते दोबारा चुनाव हो रहे हैं। बीजेपी के देवांग्शु पांडा और टीएमसी के जहांगीर खान के बीच मुख्य मुकाबला है। फलता का यह किला टीएमसी के पास सुरक्षित गढ़ रहा है, लेकिन बीजेपी अब इस सीट पर हरहाल में जीत का परचम फहराना चाहती है। बीजेपी उम्मीदवार देवांशु पांडा, जो पेशे से वकील हैं, वे इस बार टीएमसी के मखौफ वाले नैरेटिवफ को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्रीय बलों की भारी तैनाती के कारण इस बार फर्जी वोटिंग या बूथ कैप्चरिंग की गुंजाइश न के बराबर है, जो बीजेपी के पक्ष में जा सकता है।बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने शुभेंदु अधिकारी ने फलता में खुद कमान संभाल ली है। उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार देवांशु पांडा के समर्थन में एक बड़ी रैली की और सीधे जहांगीर खान पर निशाना साधा। शुभेंदु ने सरेआम चेतावनी देते हुए कहा था कि वह (जहांगीर खान) खुद को पुष्पा कहता है, अब इस मपुष्पाफ की जिम्मेदारी मेरे ऊपर है। फलता के लोगों ने पिछले 10 साल से आजादी से वोट नहीं डाला है, लेकिन इस बार बिना किसी खौफ के मतदान कीजिए और बीजेपी को 1 लाख से अधिक वोटों से जिताइए।

फलता विधानसभा सीट के सियासी समीकरण को देखें तो मुस्लिम और दलित वोटर अहम हैं। इस इलाके में अल्पसंख्यक और दलित मतदाताओं की संख्या अच्छी-खासी है, जो अब तक टीएमसी का पारंपरिक वोट बैंक रहे हैं, जहांगीर खान इसी समीकरण के भरोसे अपनी नैया पार लगाना चाहते हैं तो बीजेपी दलित वोटों और हिंदू वोटों के धार्मिक ध्रुवीकरण पर अपनी जीत की आस लगा रही है।

# अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा की सावन की सैर 0 नेपाल यात्रा 12 जुलाई से

### लुंबिनी, पशुपतिनाथ, मुक्तिनाथ एवं जनकपुर के होंगे दर्शन

### 11 दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा में हवाई एवं एसी सुविधाएं रहेंगी शामिल

### अधिक मास में गौ-चारा सेवा का भी लिया गया निर्णय

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा की कार्यकारिणी बैठक शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल के कार्यालय सुनीता फर्नीचर, फलकनुमा में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ महाराजा श्री अग्रसेन जी महाराज की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में शाखा के मानद मंत्री पवन डोकानिया ने बताया कि इस वर्ष आयोजित होने वाली सावन की सैर 0 नेपाल यात्रा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। यह यात्रा अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा एवं शालीबंडा महिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस 11 दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा के दौरान नेपाल स्थित लुंबिनी, काठमांडू पशुपतिनाथ, मुक्तिनाथ धाम एवं जनकपुर सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। यात्रा का आयोजन 12 जुलाई 2026 से 22 जुलाई 2026 तक किया जाएगा।

यात्रा में हैदराबाद से गोरखपुर एवं वापसी गोरखपुर से हैदराबाद तक हवाई यात्रा की व्यवस्था रहेगी।

इसके अतिरिक्त एसी आवास, एसी बस सुविधा, नेपाल एवं मुक्तिनाथ परमिट, नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि भोजन तथा टूरिस्ट गाइड जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

दोनों शाखाओं की ओर से इस यात्रा का संयोजक पवन डोकानिया को नियुक्त किया गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि यात्रा हेतु सीमित सीटें उपलब्ध हैं।

अधिक जानकारी एवं नामांकन के लिए शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, मानद मंत्री एवं यात्रा संयोजक पवन डोकानिया, महिला शाखा अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा अग्रवाल तथा केंद्रीय समिति सदस्य श्रीमती प्रियंका डोकानिया से संपर्क किया जा सकता है।

बैठक में अधिक मास के अवसर पर कामधेनु गौशाला, जियागुड़ा में 31 मई 2026 को गौ-चारा सेवा आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया। इस कार्यक्रम के लिए श्री मिथुलाल अग्रवाल को संयोजक नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल ने उन सदस्यों से वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र जमा कराने का आग्रह किया, जिन्होंने अभी तक शुल्क जमा नहीं कराया है।

अंत में राजेश अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसके साथ सभा का समापन हुआ।

बैठक में शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, मानद मंत्री पवन डोकानिया, संयुक्त मंत्री नवनीत अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य पंकज गोयंका, परामर्शदाता आनंद संघी, मिथुलाल अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, फतेहचंद मित्तल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

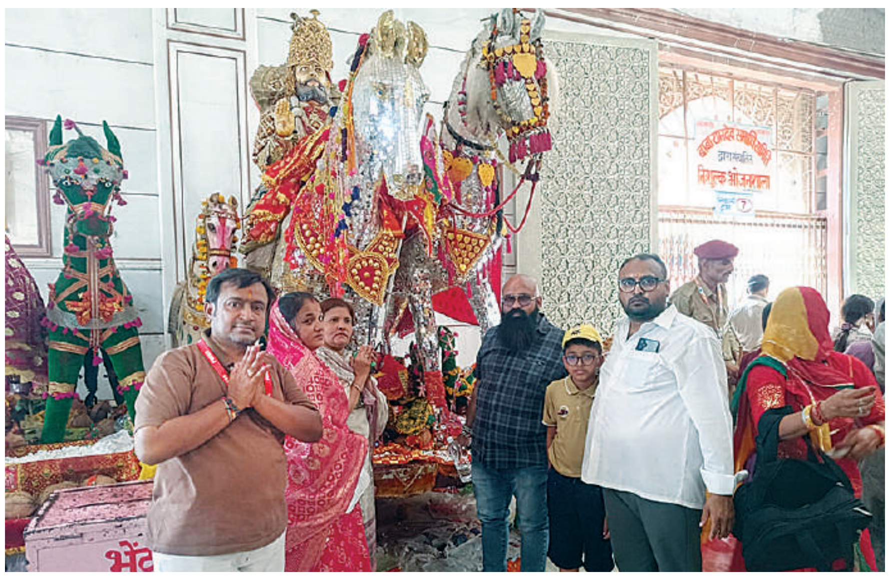

*राजस्थान के रामदेवरा स्थित श्री रामदेव बाबा के दर्शन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, तारा देवी रतनचंद फाउंडेशन के धीरज पारेख, नरेश पारेख, रेखा जैन, कोमल जैन एवं अन्य*

**अग्रवाल समाज भू देवी मन्दिर सिटी कालेज शाखा द्वारा अधिक मास में श्री राम कथा का आयोजन 21 मई 2026 से 29 मई 2026 तक रहेगा कलश यात्रा गुरुवार 21 मई प्रातः 9 बजे रानी सती दादी मन्दिर प्रारंभ होकर कथा स्थल जैन भवन चारकमान पहुंचेगी शाखा की अध्यक्ष उषा अग्रवाल उपाध्यक्ष शोभा अग्रवाल मानद मंत्री इन्द्रा अग्रवाल सह मंत्री इन्द्रा अग्रवाल कोषाध्यक्ष संगीता अग्रवाल केन्द्रीय स. स. अर्चना अग्रवाल**

# अग्रवाल समाज बेगमपेट-सोमाजीगुड़ा शाखा की मासिक सभा संपन्न

### सावन की सैर एवं निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित करने का निर्णय

### महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

### सामाजिक एवं पारिवारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज बेगमपेट-सोमाजीगुड़ा शाखा की मासिक बैठक स्थानीय होटल टूरिस्ट प्लाजा में हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

बैठक का शुभारंभ समाज के आराध्य देव महाराजा अग्रसेन जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने महाराजा अग्रसेन जी की आरती कर समाज की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना की।

बैठक में समाज के कल्याण, सामाजिक एकता एवं पारिवारिक मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी सावन माह में समाज के परिवारों के लिए सावन की सैर के अंतर्गत पारिवारिक पिकनिक एवं मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए निकट भविष्य में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया, जिससे समाज के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

सभा में उपस्थित सदस्यों ने आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए तथा सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती कविता, प्रीति, संगीता, सुमन एवं रिचा सहित शाखा के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा के समापन की घोषणा की गई।

## रेड्डी ने केरल के मुख्यमंत्री सतीशन के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत की

हैदराबाद/तिरुवनंतपुरम, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी सोमवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित मुख्यमंत्री वी डी सतीशन और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने नव नियुक्त मुख्यमंत्री और केरल मंत्रिमंडल के सदस्यों को हार्दिक बधाई दी।

# वनबंधु परिषद तेलंगाना चैप्टर के नवीनीकृत कार्यालय का भव्य उद्घाटन संपन्न

### सेवा, संस्कार एवं समर्पण की भावना को और मजबूत करने का आह्वान

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। वनबंधु परिषद तेलंगाना चैप्टर के कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार बंजारा हिल्स, रोड नम्बर 12 स्थित चैप्टर के नवीनीकृत कार्यालय का भव्य उद्घाटन समारोह श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदू संस्कृति के अनुरूप पूजा-अर्चना एवं मंगलाचरण के साथ किया गया। पूजा-अनुष्ठान पंडित जी तथा चैप्टर के मार्गदर्शक आदरणीय श्री केदारनाथ अग्रवाल के सान्निध्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर वनबंधु परिषद तेलंगाना चैप्टर के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष अशोक गुप्ता, सचिव विश्वेश्वर जी, उपाध्यक्ष अशोक ठाकुर, विनय अग्रवाल, श्रीमती सपना गुप्ता, संगठन मंत्री विष्णु गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, समिति सदस्य उमा शंकर, एकल अभियान की उपाध्यक्ष श्रीमती नीता बंसल, एफटीएस तेलंगाना महिला समिति अध्यक्ष रेखा सराफ, सीआरएस समिति सदस्य वमषि जी तथा ग्राम संगठन के पदाधिकारी श्रीनिवास रेड्डी, श्रीमती जया रेड्डी, श्रीमती शिला ठाकुर, के. राघवेंद्र, करतार डोगरा, कृष्णा राव एवं चंद्रशेखर सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

समारोह में प्रमुख दानदाताओं में आशीष अग्रवाल (दीपा ज्वेलर्स लिमिटेड), संजय अग्रवाल (सूर्य लक्ष्मी ज्वेलर्स), प्रदीप चौधरी, संजय संघी एवं मुकंद बाहेती सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर दानदाताओं का सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यवसाय के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के कार्यों में भी सक्रिय योगदान देना चाहिए तथा अधिक से अधिक लोगों को एकल अभियान से जोड़ना चाहिए।

मार्गदर्शक केदारनाथ अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में दुष्ट शक्तियां अत्यधिक प्रभावी हो रही हैं, इसलिए सभी को संगठित होकर राष्ट्र एवं समाज हित में कार्य करना आवश्यक है।

समारोह में उपस्थित सभी महानुभावों ने संगठन के उद्देश्यों, सेवा कार्यों एवं समाज उत्थान के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

उद्घाटन समारोह संगठन की सेवा, संस्कार एवं समर्पण की भावना को और अधिक सशक्त करने वाला प्रेरणादायी अवसर बना।

# शिवशक्ति महिला शाखा मोतीनगर द्वारा जूस वितरण सेवा संपन्न

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवारी अमावस्या के पावन अवसर पर शिवशक्ति महिला शाखा मोतीनगर की ओर से हैरागढ़ा मेट्रो स्टेशन के समीप शिव मंदिर एवं मुख्य मार्ग पर जूस वितरण सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी एवं कड़ी धूप के बीच आयोजित इस सेवा कार्य में लगभग 500 जरूरतमंद लोगों को जूस वितरित किया गया। कार्यक्रम सेवा भावना एवं सामाजिक समर्पण के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शाखा की सभी सदस्याओं ने तन, मन एवं धन से सहयोग प्रदान करते हुए बढ़-चढ़कर भाग लिया। महिलाओं के साथ-साथ बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सेवा कार्य में सहभागिता निभाई।

शाखा अध्यक्ष दीपा अग्रवाल ने बताया कि अग्रसेन महाराज के आशीर्वाद से यह सेवा कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि समाज सेवा एवं जरूरतमंदों की सहायता ही संगठन का मुख्य उद्देश्य है।

इस अवसर पर शाखा की उपाध्यक्ष संध्या अग्रवाल, सचिव किरण अग्रवाल, संयुक्त सचिव पायल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष किरण मित्तल, केंद्रीय समिति सदस्य सुमन अग्रवाल सहित शाखा की अन्य सदस्याएं ललिता जी, रेखा जी, अनीता जी एवं अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सेवा, सहयोग एवं मानवता का सुंदर उदाहरण देखने को मिला, जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की।

# भीषण अग्निकांड में परिवार खोने की पीड़ा आज भी दिल में जिंदा, राधे-राधे ग्रुप के सहयोग ने दिया संबल : राजेश जैन

**हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अनुदान एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत भावुक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में हैदराबाद के भीषण अग्निकांड में अपनी पत्नी, बेटे और बेटी को खो चुके राजेश जैन अपनी बेटी राशि जैन के साथ उपस्थित हुए तथा दिवंगत पुण्य आत्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम हो गईं और माहौल पूरी तरह भावनाओं से भर गया।

इस अवसर पर राजेश जैन ने अत्यंत भावुक मन से अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एक पल में पूरा परिवार बिछड़ जाने का दर्द जीवनभर कभी समाप्त नहीं हो सकता। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने जिस सहयोगात्मक एवं संवेदनशील रवैये की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन केवल सेवा कार्य ही नहीं करता, बल्कि दुख की घड़ी में लोगों के साथ परिवार की तरह खड़ा भी रहता है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति मानसिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट जाता है, उस समय किसी अपने का साथ सबसे बड़ी ताकत बन जाता है। मानसिक रूप से बहुत संभलने की शक्ति मिली। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में राधे-राधे ग्रुप द्वारा दिया गया सहयोग, अपनापन और सांत्वना उनके जीवन में कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

राजेश जैन ने कहा कि आज के समय में जहां अधिकांश लोग अपने स्वार्थ में व्यस्त हो गए हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप मानव सेवा, सहयोग और संवेदनाओं को जीवित रखने का कार्य कर रहा है। समाज में ऐसे संगठनों की अत्यंत आवश्यकता है, जो केवल औपचारिकता नहीं बल्कि सच्चे मन से लोगों के दुख-दर्द में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि सेवा, सहयोग और मानवता की यह भावना समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रही है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा के दौरान कई लोग भावुक नजर आए और सभी ने एक स्वर में कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा समाज राजेश जैन परिवार के साथ खड़ा है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेश जैन, राशि जैन, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष चिंडालिया, सुशील गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, भगत राम गोयल, महेश अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, सुरेश सिंगल, सोहन लाल दायमा, संजय गोयल, किरण गोयल, दीपिका गोयल एवं रविंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा की वार्षिक साधारण सभा 31 मई को

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की वार्षिक साधारण सभा आगामी रविवार, 31 मई को राघव रत्न टावर स्थित दसवें माले के सभागृह में आयोजित की जाएगी। यह निर्णय शाखा की 16 मई को संपन्न कार्यकारिणी सभा में लिया गया।

अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर में आयोजित बैठक का शुभारंभ महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया।

बैठक के दौरान शाखा के वरिष्ठ सदस्य स्वर्गीय श्यामलाल अग्रवाल के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित सदस्यों ने शाखा के प्रति उनके महत्वपूर्ण योगदान का स्मरण किया।

शाखा सचिव प्रतीक अग्रवाल ने पिछली कार्यकारिणी बैठक की रिपोर्ट एवं शाखा की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया, जिसे सभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि वार्षिक साधारण सभा रविवार, 31 मई को प्रातः 11 बजे अग्रवाल समाज तेलंगाना के राघव रत्न टावर स्थित सभागृह में आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही इस वर्ष सावन की सैर के अंतर्गत श्रीशैलम ज्योतिर्लिंग भ्रमण आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

वर्तमान कार्यकारिणी के जून 2026 में एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शाखा की एक विशेष बुलेटिन प्रकाशित करने का निर्णय भी लिया गया। इस अवसर पर शाखा के पूर्व अध्यक्ष गिरधारीलाल गुप्त ने वर्तमान राष्ट्रीय परिस्थितियों के संदर्भ में केंद्र सरकार के विभिन्न आह्वानों पर प्रकाश डालते हुए समाज को जागरूक एवं उत्तरदायी बनने का संदेश दिया। उन्होंने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए सोने की अनावश्यक खरीद से बचने, पेट्रोल-डीजल की बचत हेतु सामूहिक यातायात अपनाने, रसोई गैस की बचत करने तथा विदेशी भ्रमण टालने जैसे विषयों पर विशेष ध्यान आकर्षित किया।

परामर्शदाता गिरधारीलाल अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए और समाज को राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की प्रेरणा दी।

महिला समिति की संयोजिका रश्मि अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करने के साथ सभा का समापन हुआ।

बैठक में शाखा के उपाध्यक्ष योगेश अग्रवाल, सहसचिव विजय कुंछल एवं विकास अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

## प्रभावती जोन की सम्यक सामयिक संपन्न

हैदराबाद दिनांक 16 मई प्रभावती जोन ने मई माह की सामायिक की। यहां पर जारी एक प्रेस में श्रीमती प्रभा दूगड़ ने बताया कि हैदराबाद तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में चलने वाली 25 सामयिक जोन में से एक प्रभावती जोन ने श्री विजयजी-ममताजी सुराणा के निवास स्थान डायमंड प्वाइंट पर इस महीने की सामायिक की। सामयिक में नितनेम के पश्चात पैसठया छंद का जाप किया गया। विश्व शांति के लिए 4 लोगस्स का ध्यान किया गया। नगर में विराजित युगप्रधान महातपस्वी महामनस्वी शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान् सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमार जी आदि ठाणा-2 के नगर विचरण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# किशन रेड्डी ने चेरलापल्ली-तिरुचानूर ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार रात चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन से तिरुचानूर (तिरुपति) के लिए एक नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई और कहा कि तेलंगाना भर में लगभग 40,000 करोड़ रुपये के रेलवे विकास कार्य वर्तमान में चल रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास शमशाबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के स्तर पर किया जा रहा है, जिसमें 720 करोड़ रुपये की लागत से विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि नामपल्ली रेलवे स्टेशन पर आधुनिकीकरण के कार्य भी 350 करोड़ रुपये के निवेश के साथ तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

श्री किशन रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना भर में 42 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास एक साथ किया जा रहा है, जिसे उन्होंने स्वतंत्रता के बाद से एक ही रेलवे क्षेत्राधिकार में इस तरह की पहली बड़े पैमाने की पहल बताया। उन्होंने कहा कि हाईटेक सिटी, हाफिजपेट, याकूतपुरा, मलकापेट और उप्पुगुडा सहित अन्य स्टेशनों को भी आधुनिक सुविधाओं के साथ उन्नत किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हाल ही में चालू हुआ चेरलापल्ली रेलवे टर्मिनल, सिकंदराबाद, नामपल्ली और काचीगुडा स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को कम करने में मदद कर रहा है। उनके अनुसार, लगभग 46 ट्रेनें और लगभग 28,000 यात्री प्रतिदिन इस टर्मिनल का उपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से भी चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन तक सड़क संपर्क कार्यों में तेजी लाएं जाने की अपील की।

श्री किशन रेड्डी ने आगे घोषणा की कि केंद्र आने वाले दिनों में चेरलापल्ली से एमएमटीएस सेवाओं के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करेगा। चेरलापल्ली और तिरुचानूर के बीच शुरू की गई नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन सेवा कल से चालू हो गई है। ट्रेन संख्या 17059 प्रत्येक रविवार को 21:30 बजे चेरलापल्ली से रवाना होगी और सोमवार को 12:30 बजे तिरुचानूर पहुंचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन संख्या 17060 हर सोमवार को 16:00 बजे तिरुचानूर से रवाना होगी और मंगलवार को 08:00 बजे चेरलापल्ली पहुंचेगी। तेलंगाना में यह ट्रेन मलकाजगिरी, काचीगुडा, शादनगर, महबूबनगर, वनपर्थी रोड और गडवाल स्टेशनों पर रुकेगी। आंध्र प्रदेश में, यह कुरनूल सिटी, धोने, गूटी, ताडिपत्री, येर्रागुंटला, कडप्पा, राजमपेट और रेनिगुंटा जंक्शनों पर रुकेगी।

श्री किशन रेड्डी ने तिरुमाला में भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से इस नई नियमित ट्रेन सेवा का लाभ उठाने की अपील की।

## गोशालाओं को स्वावलंबी बनाना ही गोवंश संरक्षण का स्थाई समाधान : गुरुप्रसाद सिंह

**हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

आज यहा फीलखाना स्थित भारतीय प्राणी मित्र संघ के कार्यालय में विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय गोरक्षा विभाग प्रमुख श्री गुरु प्रसाद सिंह ने हैदराबाद में गोवंश संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में कार्य कर रही विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों, गोशाला संचालकों और प्रबुद्ध नागरिकों को संबोधित किया। इस विशेष बैठक का मुख्य केंद्र 'गोशाला स्वावलंबन' रहा, जिसमें गोशालाओं को वित्तीय और व्यावहारिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के व्यावहारिक सूत्रों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में क्षेत्र के अग्रणी गोशाला प्रतिनिधियों और पशु कल्याण कार्यकर्ताओं ने भाग लिया, जहां उन्होंने गोवंश की सुरक्षा और गोशालाओं के संचालन में आने वाली दैनिक चुनौतियों को साझा किया।

अपने ओजस्वी संबोधन में श्री गुरु प्रसाद सिंह ने इस बात पर विशेष बल दिया कि गोशालाएं केवल दान या सरकारी अनुदान के भरोसे दीर्घकाल तक नहीं चलाई जा सकतीं। गोमाता की रक्षा और सेवा को स्थाई बनाने के लिए 'पंचगव्य आधारित अर्थव्यवस्था' को अपनाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि गोशालाएं केवल दूध पर निर्भर न रहें, बल्कि गोमूत्र और गोबर से बनने वाले उत्पादों जैसे प्राकृतिक जैविक खाद, गोअर्क, घनजीवामृत, धूपबत्ती, साबुन और कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर निर्माण और विपणन करें।

उन्होंने आगे बताया कि बड़ी गोशालाओं में बायोगैस प्लांट की स्थापना की जाए, जिससे न केवल गोशाला की बिजली और ईंधन की जरूरतें पूरी हों, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी सीएनजी या बायोगैस की आपूर्ति कर राजस्व प्राप्त किया जा सके।

श्री सिंह ने कहा कि देसी गोवंश की नस्लों जैसे कि गिर, साहीवाल, थारपारकर, ओंगोल के संरक्षण और संवर्धन पर ध्यान दिया जाए, ताकि वे भविष्य में दुग्ध उत्पादन और कृषि दोनों के लिए रीढ़ की हड्डी बन सकें।

इस अवसर पर तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल ने अवैध गो-तस्करी, गो-कशी और पशु क्रूरता के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश में कानून व्यवस्था होने के बावजूद कुछ असामाजिक तत्व गोवंश की अवैध तस्करी में लिप्त हैं। सभी गोरक्षा संस्थाओं और कार्यकर्ताओं का यह दायित्व है कि वे स्थानीय प्रशासन और पुलिस के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें, ताकि पशु संरक्षण कानूनों का जमीनी स्तर पर कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जा सके।

श्री अग्रवाल ने हैदराबाद और संपूर्ण तेलंगाना के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में 'गो-ग्रास' योजना को और सुदृढ़ करने की बात कही। उन्होंने कहा कि समाज के हर परिवार को गोशालाओं से जोड़ा जाना चाहिए। जब तक आम नागरिक गोवंश के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और आर्थिक महत्व को नहीं समझेगा, तब तक संपूर्ण गोरक्षा का लक्ष्य प्राप्त करना कठिन है।

भारतीय प्राणी मित्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सतर्क रहते हुए कानून के दायरे में रहकर अवैध परिवहन को रोकने के लिए मुस्तैद रहें।

कार्यक्रम के अंत में विश्व हिंदू परिषद दक्षिण भारत विभाग अध्यक्ष यादगिरी राव, भारतीय प्राणी मित्र संघ के श्रीपाल देशलहरा एवं उपस्थित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने श्री गुरु प्रसाद सिंह के मार्गदर्शन में अपनी-अपनी गोशालाओं को आत्मनिर्भर मॉडल के रूप में विकसित करने और गोवंश तस्करों के खिलाफ एकजुट होकर प्रशासनिक स्तर पर प्रयास तेज करने का संकल्प लिया।

## वॉकाथॉन और जुम्बा सत्र के साथ युवा और खेल सप्ताह की शुरुआत

**हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना सरकार ने सोमवार को हैदराबाद के एलबी स्टेडियम टेनिस कॉम्प्लेक्स में वॉकाथॉन और जुम्बा सत्र के साथ 'प्रजा पालना प्रगति योजना' के तहत 'युवा और खेल सप्ताह' समारोह की शुरुआत की।

कार्यक्रम में तेलंगाना के खेल मंत्री वकिति श्रीहरि, पिछड़ा वर्ग कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, खेल सलाहकार एपी जितेंद्र रेड्डी, खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, माल रेड्डी रामरेड्डी और खेल प्राधिकरण की प्रबंध निदेशक सोनी बालादेवी ने हिस्सा लिया।

इन गणमान्य व्यक्तियों ने उद्घाटन समारोह के हिस्से के तौर पर आयोजित जुम्बा सत्र में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और बाद में पाँच किलोमीटर के वॉकाथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तेलंगाना में 'युवा और खेल सप्ताह' समारोह 18 मई से 23 मई तक राज्य सरकार की 'प्रजा पालना प्रगति योजना' के तहत आयोजित किए जा रहे हैं।

## तेलंगाना उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत कर रहा है: पोंगुलेटी

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार आपदाओं के दौरान जन-धन की हानि को कम करने के लिए विश्व स्तरीय तकनीक के माध्यम से आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत कर रही है।

श्री रेड्डी ने राज्यव्यापी मॉक प्रैक्टिस के तहत नेकलेस रोड स्थित एचएमडीए मैदान में मेगा आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का उद्घाटन किया और बाद में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। श्री रेड्डी ने कहा कि किसी भी आपदा के बाद का पहला घंटा यानी 'गोल्डन आवर' अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने बाढ़, अग्निकांड और औद्योगिक दुर्घटनाओं जैसी परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, विभागों के बीच समन्वय और अग्रिम तैयारी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को आपदा प्रबंधन में उपयोग की जा रही वैश्विक स्तर की उन्नत तकनीकों और उपकरणों का अध्ययन कर तेलंगाना की आपात प्रतिक्रिया प्रणाली को सशक्त बनाने संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से आयोजित मॉक ड्रिल अधिकारियों को बचाव और राहत कार्यों में सुधार करने में मदद करेगी। अभ्यास के दौरान विशेष टीमों ने विशेष नौकाओं के उपयोग, निकासी तकनीकों और समन्वित बाढ़ बचाव उपायों का प्रदर्शन किया। मंत्री ने बाद में नेकलेस रोड बोटिंग क्लब में बचाव गतिविधियों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये अभ्यास केवल तैयारियों के तहत आयोजित मॉक ड्रिल हैं और लोगों से अपील की कि वे घबराएं नहीं तथा सोशल मीडिया पर अफवाहें न फैलायें।

कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन सचिव दासरी हरिचंदना, अग्निशमन सेवा महानिदेशक विक्रम सिंह मान, हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ तथा एनडीएमए के प्रमुख सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) सुधीर बेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

# साइबर अपराध जागरूकता पर भावसार विजन इण्डिया की स्पीकर मीटिंग सम्पन्न

### कुचिपुड़ी नृत्य, प्रेरणादायक व्याख्यान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

### डिजिटल सुरक्षा एवं ऑनलाइन सतर्कता को लेकर सदस्यों को किया जागरूक

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद क्षेत्र-104 द्वारा स्पीकर मीटिंग का आयोजन आरजीए हॉल, आबिड्स, हैदराबाद में किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में समाज भूषण श्री किशन राव गडाले, श्री मोहन देवतराज, श्री प्रवीण पतंगे, श्रीमती आश्विनी पतंगे (अध्यक्षा), श्री घनश्याम पतंगे (मंत्री), श्री जवाहर भरडे (कोषाध्यक्ष) सहित समाज के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृति मुधोलकर के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक कुचिपुड़ी नृत्य से हुआ। विद्यार्थियों की सुंदर एवं आकर्षक प्रस्तुति ने सभी उपस्थित सदस्यों का मन मोह लिया तथा कार्यक्रम में सांस्कृतिक गरिमा का वातावरण निर्मित किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री संदीप मुधोलकर द्वारा साइबर अपराध एवं उसकी रोकथाम विषय पर दिया गया प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान रहा। उन्होंने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों, डिजिटल युग में बढ़ती चुनौतियों तथा ऑनलाइन सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार-पूर्वक जानकारी दी।

उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से बताया कि किस प्रकार छोटी-सी लापरवाही भी बड़े साइबर अपराध का कारण बन सकती है। साथ ही डिजिटल मंचों का जिम्मेदारीपूर्वक एवं सावधानी से उपयोग करने के लिए सभी को प्रेरित किया। उनका यह सत्र अत्यंत संवादात्मक, जागरूकतापूर्ण एवं सभी उपस्थित सदस्यों के लिए लाभदायक सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम का संचालन प्रेक्षा पतंगे एवं वार्षिणी बगाड़े ने प्रभावशाली ढंग से किया। श्री दयानंद पतंगे एवं श्री घनश्याम पतंगे द्वारा प्रायोजित वर्षगांठ उपहार सभी सदस्यों को प्रदान किए गए।

इस अवसर पर नांदिता द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण गीत ने सभी की आंखें नम कर दीं और उपस्थित जनों के हृदय को छू लिया। वहीं शीधर गडाले की मधुर आवाज़ ने सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समाज के सदस्यों ने बीवीआई हैदराबाद द्वारा आयोजित इस प्रकार के जागरूकता एवं प्रेरणादायक कार्यक्रमों की सराहना की। अंत में वक्ताओं द्वारा साझा किए गए अमूल्य ज्ञान तथा कार्यक्रम में उपस्थित होकर सहयोग प्रदान करने वाले सभी सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

## दिवंगत आत्माओं की स्मृति में सेवा कार्य करना सौभाग्य की बात : कंगना अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने सोमवार को गत वर्ष हुए भीषण अग्निकांड में मारे गए 17 लोगों की स्मृति में अनुदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जरूरतमंद लोगों की सेवा की गई।

इस अवसर पर कंगना अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भीषण हादसे में जिन लोगों ने अपने जीवन की आहुति दी, उनकी पुण्य स्मृति में राधे-राधे ग्रुप द्वारा प्रत्येक माह अनुदान कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि दिवंगत आत्माओं की स्मृति में सेवा कार्य करना वास्तव में सौभाग्य की बात है और ऐसे कार्य समाज में मानवता, संवेदना एवं सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

कंगना अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद लगातार निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में जुटा हुआ है तथा जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने सभी लोगों से सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा समाज सेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धारशुवाले अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, मोहित अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, रेनू गुप्ता, रोहित अग्रवाल, आशा अग्रवाल, कंगना अग्रवाल एवं सोनाली अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

## राजनीतिक लाभ के लिए बंडी संजय का नाम ले रही है बीआरएस : रामचंद्र राव

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तेलंगाना अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और उसके कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव पर भाजपा के खिलाफ झूठा प्रचार अभियान चलाने तथा केंद्रीय मंत्री बंडी संजय के परिवार के सदस्यों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

हैदराबाद स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में विश्व योग दिवस, पर्यावरण दिवस और केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए श्री राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस कालेश्वरम परियोजना विवाद, फॉर्मूला ई-रेस मुद्दे और शराब घोटाले जैसे मामलों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान चला रही है।

उन्होंने कहा कि अग्रिम जमानत लेना एक वैधानिक अधिकार है। उन्होंने इस मुद्दे पर बीआरएस की आलोचना पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पूर्व बीआरएस सरकार के कई नेताओं ने भी विभिन्न मामलों में इसी प्रकार कानूनी संरक्षण प्राप्त किया था।

भाजपा नेता ने पूर्व बीआरएस शासन पर महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया और जुबली हिल्स नाबालिग दुष्कर्म मामला, समता सामूहिक दुष्कर्म मामला तथा डॉ. प्रीति उत्पीड़न प्रकरण सहित कई घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने इंटरमीडिएट परीक्षा विवाद और बीआरएस शासनकाल के दौरान छात्रों की आत्महत्याओं का भी जिक्र करते हुए सवाल किया कि नैतिक आधार पर मंत्रियों ने इस्तीफा क्यों नहीं दिया।

श्री राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस को सुशासन और महिलाओं की सुरक्षा पर दूसरों को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना की जनता पहले ही पार्टी को नकार चुकी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा को बदनाम करने के लिए बीआरएस पोस्टरों, सोशल मीडिया अभियानों और पक्षपातपूर्ण मीडिया नेटवर्क पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है।

## मोदी की अपील के समर्थन में इलेक्ट्रिक वाहन से कार्यालय पहुंचे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव सोमवार को बिजली से चलने वाली गाड़ी चलाकर पार्टी कार्यालय पहुंचे।

उन्होंने यह कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेरा भारत, मेरा योगदान अभियान के तहत राष्ट्र के नाम की गई सात अपीलों के समर्थन में उठाया है।

श्री राव ने आम नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री की इन अपीलों का सक्रियता से पालन करने का आग्रह किया।

इन अपीलों में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बचत करना, सार्वजनिक वाहनों और गाड़ियों को साझा करने को बढ़ावा देना, अनावश्यक विदेश यात्राओं को टालना, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की मुहिम का समर्थन करना, एक साल तक सोना न खरीदना और प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देना शामिल है।

भाजपा नेता ने कहा कि एक बड़े जागरूकता अभियान के तहत तेलंगाना भाजपा 'मेरा भारत, मेरा योगदान' के इस संदेश को राज्य के हर बूथ, गाँव और घर-घर तक ले जाएगी।

## वारंगल में दो इंडियन रेड सैंड बोआ सांप बरामद, तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तेलंगाना के वारंगल में दो जीवित इंडियन रेड सैंड बोआ सांप बरामद कर अवैध वन्यजीव तस्करी में कथित रूप से शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

डीआरआई की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार हैदराबाद जोनल इकाई के अधिकारियों को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति वारंगल में ग्रे मार्केट में जीवित सांपों की बिक्री करने का प्रयास कर रहा है। सूचना के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने 17 मई को गुप्त भेष में डिकॉय अभियान चलाया और संदिग्ध को चिन्हित स्थान पर पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान अधिकारियों ने आरोपी के पास मौजूद एक बैग से दो जीवित इंडियन रेड सैंड बोआ (एरिक्स जोह्नी) सांप बरामद किए।

इंडियन रेड सैंड बोआ एक संरक्षित सरीसृप प्रजाति है, जिसे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 में शामिल किया गया है। इसके तहत इस प्रजाति का कब्जा और व्यापार अवैध माना जाता है।

बरामदगी के बाद सांपों, पैकिंग सामग्री और पकड़े गए व्यक्ति को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई के लिए वारंगल रेंज के वन क्षेत्राधिकारी को सौंप दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.